जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 31 प्रभात कोटा, शुक्रवार, 14 नवम्बर, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

क्या नीतीश कुमार, लालू यादव का प्रस्ताव स्वीकार करेंगे, साल भर के लिए मु.मंत्री पद संभालेंगे

लालू यादव की सोच है कि अगर नीतीश ने पाला बदला तो अतिरिक्त लाभ यह होगा कि केन्द्र में मोदी सरकार भी संकट में आ जाएगी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 नवंबर। सारी नज़रें अब नीतीश कुमार पर टिकी हैं, उस व्यक्ति पर जो 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद एक बार फिर "राजा" बनना चाहता है।

उन्हें कभी "सर्वाइवर इन चीफ़" तो कभी "पलटू राम" कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने बार-बार अपनी राजनीतिक निष्ठा बदली है, कभी भाजपा के साथ, फिर लालू यादव के साथ, फिर दोबारा भाजपा के साथ, और यह सिलसिला जारी रहा है।

इस बार भी वे भाजपा के साथ गठबंधन में रहते हुए लालू यादव के साथ बातचीत में जुटे हैं। लेकिन भाजपा द्वारा अब तक उन्हें मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित न करने से तनाव और असंतोष का माहौल बन गया है। अगर भाजपा और जद (यू) का प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा, तो इसका एक बड़ा कारण कार्यकर्ताओं में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री प्रत्याशी न बनाए जाने से उपजा आक्रोश भी हो सकता है, और इसकी जिम्मेदारी भाजपा पर आ सकती है।

लालू यादव की ओर से नीतीश कुमार के लिए प्रस्ताव अब भी खुला है, वे आरजेडी-कांग्रेस गठबंधन में शामिल हों और एक साल के लिए मुख्यमंत्री बनें। इसके बाद तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे और नीतीश कुमार के बेटे को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। लालू यादव की गणना यह है कि अगर नीतीश कुमार पाला बदलते हैं तो इसका सीधा असर नरेन्द्र मोदी की केन्द्र सरकार पर पड़ेगा। भाजपा ने पिछला लोकसभा चुनाव 240 सीटों के साथ जीता था, जबकि एग्ज़िट पोल्स ने उसके लिए 400 सीटों का अनुमान लगाया था, इसलिए अब भाजपा अपनी सरकार को बचाए रखने के लिए चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार पर निर्भर है।

- जैसा कि विदित ही है, दिल्ली में मोदी सरकार को जीवित रहने के लिए चंद्रबाबू नायडू व नीतीश कुमार का समर्थन अनिवार्य है।
- ऐसा माना जा रहा है कि जदयू व भाजपा का सपोर्ट बेस काफी सिकुड़ा है। हालांकि, एग्ज़िट पोल कुछ भी आकलन लगा रहे हों, दोनों पार्टी गत चुनाव के मुकाबले काफी कमज़ोर होंगी, इस बार।
- एनडीए के लिए यह शुभ समाचार नहीं है।
- अतः एनडीए को यदि बहुमत नहीं मिल पाया तो लालू के नीतीश कुमार को दिए गए प्रस्ताव में काफी दम आ जाएगा।

भाजपा पिछले छह महीनों से बिहार चुनाव को सूक्ष्म स्तर पर नियंत्रित करने में लगी हुई है और हर हाल में सत्ता में लौटने की उम्मीद कर रही है।

लेकिन ज़मीनी स्तर पर लोगों का कहना है कि, भाजपा और जद (यू) दोनों के समर्थन आधार में बड़ी गिरावट आई है। यह सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए बुरी खबर है, भले ही एग्ज़िट पोल्स एक चमकीली तस्वीर पेश कर रहे हों। इतिहास बताता है कि बिहार के मामले में एग्ज़िट पोल्स शायद ही कभी सही साबित हुए हों।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार की जान ली

जयपुर, 13 नवम्बर। हरमाड़ा थाना इलाके के सीकर हाईवे पर गुरुवार को फिर एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक की जान ले ली और दूसरे को गंभीर रुप से घायल कर दिया। हादसे के बाद डंपर चालक गाड़ी छोड मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भिजवाया। वहीं, मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया।

- जयपुर-सीकर हाईवे पर बाइक को कुचलने के बाद चालक डंपर छोड़कर भाग गया।

दुर्घटना थाना वेस्ट में तैनात हेड कॉन्स्टेबल भरत सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश निवासी सोनू (30) अपने साथ गौरीशंकर (29) निवासी बरवाड़ा सामोद निवासी के साथ सोलर प्लांट लगाने का काम करता है। दोनों दोस्त गुरुवार सुबह साढ़े 10 बजे अपने किसी काम से सीकर हाईवे पर स्थित टोडी मोड़ तिराहे से होते हुए चौमू से जयपुर आ रहे थे। इसी दौरान टोडी मोड पर तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से बाइक को जोरदार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अगर सरकार नहीं बनी तो नीतीश का हम क्या करेंगे'

भाजपा में इस असमंजस की स्थिति को लेकर काफी सोच व चिंतन चल रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। बिहार में 14 नवंबर को होने वाली मतगणना से ठीक पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व में असमंजस और बेचैनी का माहौल है। चिंता इस बात की है कि अगर पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर नहीं उभरती, तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कैसे निपटा जाए।

अत्यधिक महत्वपूर्ण बिहार विधानसभा चुनाव को भाजपा के लिये प्रतिष्ठा की लड़ाई माना जा रहा था, लेकिन इसके नतीजे आने से पहले ही पार्टी के राज्य और केन्द्रीय नेतृत्व के बीच रणनीति, नेतृत्व और भविष्य के गठबंधनों को लेकर पुराने मतभेद, अप्रत्याशित रुप से, फिर उभर आए हैं।

भाजपा के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार, "नीतीश फैक्टर" ने बिहार भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) दोनों के भीतर गहरी हलचल पैदा कर दी है। अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि मुख्य विवाद उस राजनीतिक जोखिम को लेकर है, जो भाजपा ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का चेहरा न बनाकर उठाया, जबकि पार्टी के कुछ कार्यकर्ता और मतदाता जमीनी स्तर पर उनके जबरदस्त समर्थक थे।

- इस संभावना से भाजपा नेतृत्व में भी मतभेद उभरने लगे हैं, पार्टी की चुनावी रणनीति को लेकर।
- साथ ही भाजपा व आरएसएस में भी इस विषय से खिंचाव पैदा हो रहा है कि क्या नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट नहीं करने का निर्णय सही था।
- भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व ने पक्का मन बना लिया था कि नीतीश को मुख्यमंत्री नहीं बनाना चाहिए और भाजपा को बिहार में अपनी स्वतंत्र पहचान बनानी चाहिए।
- भाजपा के रणनीति विशेषज्ञ भी अब यह स्वीकार कर रहे हैं कि अगर आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरती है और कांग्रेस का प्रदर्शन भी कुछ बेहतर होता है तो मोमैन्टम तेजस्वी यादव के पक्ष में हो जाएगा, इसलिए आरजेडी बड़ा आक्रामक रूख अपना रही है और भाजपा को किसी भी तरह से राजनीतिक चालबाजी का मौका नहीं देना चाहती तथा जल्द से जल्द बहुमत प्रदर्शित करना चाहती है।

पटना में भाजपा के एक शीर्ष पदाधिकारी ने स्वीकार किया कि नेतृत्व ने शायद नीतीश कुमार की निरंतर राजनीतिक प्रासंगिकता को कम करके आंका। उन्होंने कहा, "केन्द्रीय नेतृत्व बिहार में भाजपा की स्वतंत्र पहचान स्थापित करने के लिए कटिबद्ध था।" लेकिन अब पीछे मुड़कर देखें तो नीतीश को अलग रखना महंगा साबित हो सकता है। उन्होंने यह भी इशारा किया कि अगर नतीजों के बाद संख्या बल की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सख्त सुरक्षा इंतजामात के बीच सुबह आठ बजे मतगणना शुरु होगी पटना में

भाजपा ने जीत की खुशी में आयोजित होने वाले आयोजनों के लिए भारी मात्रा में लड्डुओं का ऑर्डर दिया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। 2025 बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले, जहाँ एक ओर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, वहीं, दूसरी ओर जश्न की तैयारियाँ भी जोरों पर हैं। भाजपा ने अपनी संभावित जीत के जश्न के लिए लड्डुओं का ऑर्डर दे दिया है।

पटना में माला बेचने वाले भी उम्मीद कर रहे हैं कि जीत चाहे किसी भी पक्ष की हो, उनका कारोबार तो अच्छा ही रहेगा।

मतगणना शुक्रवार, 14 नवंबर को सुबह 8 बजे शुरु होगी। अगर एग्ज़िट पोल सही साबित हुए और सत्तारुढ़ एनडीए (जेडीयू-भाजपा गठबंधन) की लहर चली, तो शुरुआती रुझान जल्द ही साफ हो सकते हैं।

इसी बीच, विपक्ष ने गुरुवार को एक बार फिर "चुनावी गड़बड़ी" की आशंका जताई है और कहा है कि हाल के समय में एग्ज़िट पोल तो कई बार गलत साबित हुए हैं।

नतीजे तय करेंगे कि क्या राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार एक बार फिर शपथ लेंगे, या फिर विपक्षी महागठबंधन, जिसमें इंडिया ब्लॉक की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- माल बनाने वाले भी बहुत खुश हैं, चाहे जो जीते और जो हारे, उनका धंधा खूब चलेगा शुक्रवार को।
- सुरक्षा व्यवस्था दो चक्रों में की गई है, अंदर का चक्र केन्द्रीय अर्द्ध सैनिक बल को सौंपा गया है तथा बाहरी चक्र राजकीय पुलिस संभालेगी।
- वोटिंग मशीनें डबल लॉक सिस्टम से सुरक्षित कर स्ट्रॉंग रूम में रखी गई हैं तथा 7.4 करोड़ मतदाताओं का निर्णय दोपहर तक सामने आ जाएगा।

नई भर्ती में 2021 के अभ्यर्थियों को आयु में छूट नहीं

जयपुर, 13 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पेपर लीक से प्रभावित एसआई भर्ती-2021 में शामिल रहे अभ्यर्थियों को साल 2025 की भर्ती में आयु सीमा में छूट देने के संबंध में एकल पीठ की ओर से दिए आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। अदालत ने माना कि एकलपीठ की ओर से अपने आदेश में की गई टिप्पणियां अनावश्यक थीं। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की अपील को स्वीकार करते हुए दिए।

- हाई कोर्ट की खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश पर रोक लगाई।

अपील में महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि एकलपीठ के समक्ष केवल यह विचारणीय बिंदु था कि एसआई भर्ती-2021 में शामिल हुए अभ्यर्थियों को नई भर्ती में आयु सीमा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी सरकार की लाल किले के पास हुए आतंकवादी विस्फोट पर प्रतिक्रिया कुछ ज्यादा संयमित नहीं थी?

द वायर के संपादक सिद्धार्थ वर्धराजन ने इस संयमित प्रतिक्रिया का कारण ट्रंप व अमेरिका की अपरिपक्व सोच बताया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। दिल्ली में सोमवार को लाल किले के पास हुये बम विस्फोट में 13 लोगों की मौत के बाद मोदी सरकार की प्रतिक्रिया बेहद संयमित रही। मंगलवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में केवल एक सामान्य प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें न तो किसी संगठन का नाम लिया गया, न ही किसी देश पर उंगली उठाई गई। यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस कड़े बयान से बिल्कुल अलग थी, जो उन्होंने 12 मई को "ऑपरेशन सिंदूर" को "रोकने" के तुरंत बाद दिया था:

"पहला, अगर भारत पर आतंकी हमला होता है, तो उसका माकूल जवाब दिया जाएगा...

"दूसरा, भारत किसी भी तरह के परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत उन आतंकी ठिकानों पर सटीक और निर्णायक प्रहार करेगा, जो परमाणु धमकियों की आड़ में विकसित हो रहे हैं...

"तीसरा, हम आतंकवाद को पोषित करने वाली सरकार और आतंक के सूत्रधारों के बीच कोई फर्क नहीं करेंगे।

"द वायर" के सम्पादक सिद्धार्थ वरदराजन लिखते हैं, दिल्ली धमाके के बाद दिखाई गई इस संयमित प्रतिक्रिया का कारण शायद यह है कि घटना की पूरी तस्वीर अभी साफ़ नहीं है। हालाँकि यह सवाल भी उठता है कि अगर स्थिति इतनी अस्पष्ट थी तो प्रधानमंत्री ने पहले से इतना आक्रामक और अव्यावहारिक रुख क्यों अपनाया था। वे यह भी लिखते हैं कि यह इसलिए भी हो सकता है कि प्रधानमंत्री को पता है कि जब भारत ने पहले पहलगाम हमले के बाद सैन्य कार्रवाई की थी तो विश्व समुदाय, खासकर अमेरिका और उसके राष्ट्रपति, ने कैसी प्रतिक्रिया दी थी।

सरकार की चुप्पी के बावजूद, मीडिया के कुछ हलकों में "तुर्की एंगल" को लेकर अटकलें शुरू हो गईं। इस पर अंकारा (तुर्की) ने कड़ा बयान जारी करते हुए "भारत और तुर्की के द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य से चलाई जा रही दुष्प्रचार मुहिम" की कड़ी निंदा की।

विजयता सिंह कहती हैं, जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा जिस "आतंकी मॉड्यूल" की जांच की जा रही है, उससे

- शायद सरकार को आशंका थी कि यह कहना मुश्किल है कि ट्रंप इस विध्वंसकारी गतिविधि का कौन सा पहलू पकड़ कर अनर्गल बयानबाजी शुरु कर दें, जैसा ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुआ था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने लद्दाख में 1962 से बंद एयर बेस चालू किया

नयी दिल्ली, 13 नवम्बर। भारत ने पूर्वी लद्दाख में अपनी सैन्य तैयारियों को पुख्ता करते हुए चीन के साथ 1962 की लड़ाई के बाद से बंद पड़े सामरिक रूप से महत्वपूर्ण न्योमा एयर बेस को एक बार फिर से सक्रिय रूप से चालू कर दिया है।

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने बुधवार को खुद वहां जाकर इसका उद्घाटन किया। एयर चीफ मार्शल वायु सेना के भारी भरकम मालवाहक विमान सी-130 जे से वहां उतरे और एयर बेस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ वायु सेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख भी थे।

- वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने सामारिक रुप से महत्वपूर्ण एयर बेस का उद्घाटन किया।

दुनिया के सबसे ऊंचे हवाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश सरकार इस्लामिक ताकतों के आगे झुकी तथा फरवरी 2026 में चुनाव कराने की घोषणा की

बांग्लादेश की इस्लामिक ताकतें नहीं चाहती थीं कि अन्य राजनीतिक दलों को मौका मिले चुनाव प्रचार करने का या संगठित होने का और यकायक चुनाव करा दिये जाएं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 नवंबर। पड़ोसी देश बांग्लादेश फरवरी 2026 में आम चुनाव कराने जा रहा है। इसी के साथ एक "राष्ट्रीय चार्टर" पर जनमत संग्रह भी कराया जाएगा। फरवरी में चुनाव कराने की इस अचानक घोषणा से कई लोग हैरान है, क्योंकि इसके लिए तैयारी का समय बहुत कम बचा है।

वर्तमान अंतरिम सरकार, जिसके मुखिया मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस हैं, एक तरह से बांग्लादेश की राजनीति में इस्लामिक ताकतों के दबाव में झुकती दिख रही है, क्योंकि इन्हीं तत्वों ने जल्दी चुनाव कराने की मांग की थी, ताकि मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियाँ अचंभे में पड़ जाएँ और तैयारी न कर सकें।

भारत के दृष्टिकोण से बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से चुनी गई सरकार का गठन स्वागत योग्य होगा, लेकिन अंतरिम सरकार के कुछ कदम, खासकर इस्लामिक और आतंकी संगठनों को फिर से बांग्लादेश में पैर जमाने की अनुमति देना, भारत के लिए गंभीर सुरक्षा चिंता का कारण बन रहे हैं।

हाल की रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान के कुख्यात आतंकी मसूद अजहर का एक शीर्ष सहयोगी हाल ही में बांग्लादेश में था। उसने भारत-बांग्लादेश सीमा के कुछ हिस्सों का दौरा भी किया, संभवतः भारत के खिलाफ किसी गतिविधि की योजना के लिए।

- जैसा कि विदित ही है, प्रमुख राजनीतिक पार्टी अवामी लीग पर अभी भी प्रतिबंध लगा हुआ है तथा राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने का मौका नहीं दिया गया है उन्हें।
- गत वर्ष विद्यार्थियों के एक आंदोलन में अवामी लीग की सरकार का तख्ता पलट कर नया भ्रष्टाचार युक्त सिस्टम स्थापित करने का संकल्प लिया था।
- अभी छात्र आंदोलन भी चुनाव करवाने के पक्ष में नहीं हैं व नया संविधान बनाना चाहते हैं, जिससे बहु जाति, बहु धर्म, बहु भाषा से सुसज्जित राष्ट्र बने बांग्लादेश।
- पर, किसकी चलेगी, राष्ट्रवादी छात्र आंदोलन की या इस्लामिक ताकतों की, जो पाकिस्तान के आतंकवादी संगठनों से सहयोग करना चाहती है, इस्लामिक एकता के नाम पर।

ऐसी खबरें आ रही हैं कि पाकिस्तान भी बांग्लादेश में अपने भारत-विरोधी षड्यंत्रों के लिए फिर से प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

वर्तमान सत्तारूढ़ तत्व कट्टर भारत-विरोधी हैं और उन्होंने पाकिस्तान और उसके आतंकी संगठनों को बांग्लादेश में अपनी पकड़ मज़बूत करने में मदद दी है।

इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी ने मांग की है कि बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव तभी संभव हैं, जब आवामी लीग पर लगा प्रतिबंध हटाया जाए। अवामी लीग, जिसने देश की आज़ादी के बाद अधिकांश समय शासन किया, को सरकार के खिलाफ सफल जनविद्रोह के बाद प्रतिबंधित कर दिया गया था।

पिछले वर्ष हुए छात्र आंदोलन ने अवामी लीग सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया और प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया। शेख हसीना भारत में शरण लेकर अब यहीं रह रही हैं। बांग्लादेश सरकार ने भारत से उन्हें सौंपने की मांग की है, ताकि उनके विरुद्ध चल रहे मुकदमे की सुनवाई आगे बढ़ाई जा सके।

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन और व्यापक हिंसा के बाद, आंदोलनकारी छात्र नेताओं और अन्य समूहों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुणे में 25 गाड़ियां टकराईं, 9 की मौत

पुणे, 13 नवम्बर। पुणे के बाहरी इलाके में नवले ब्रिज के पास गुरुवार शाम एक ट्रक का ब्रेक फेल होने से 20 से 25 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। ट्रक सबसे पहले एक कार से टकराया। कार आगे जा रहे कंटेनर से भिड़ गई और

- ब्रेक फेल होने से ट्रक कार से टकराया, जो कंटेनर से टकराई और आग लग गई, फिर और गाड़ियां टकराती गईं।

उसमें आग लग गई। ट्रक भी जल गया।

हादसे में कार सवार 5 लोग जिंदा जल गए। ट्रक ड्राइवर समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसे में करीब 20 लोग घायल भी हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक हादसा पुणे-नासिक हाईवे पर भोरगांव के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह से कंटेनर और ट्रक के बीच दब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

ज्ञानी जन विवेक से सीखते हैं, साधारण मनुष्य अनुभव से, अज्ञानी पुरुष आवश्यकता से और पशु स्वभाव से। –कौटिल्य

ईज ऑफ जस्टिस के बिना अधूरी है, ईज ऑफ डूईंग तथा ईज ऑफ लिविंग की परिकल्पना

दिनांक 8–9 नवम्बर, 2025 को दिल्ली में नालसा (नेशनल लिगल सर्विसेज ऑथोरिटी) द्वारा राष्ट्रीय अधिवेशन सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली की प्रिमीसेज में आयोजित किया जाता था। चर्चा का विषय था 'कानूनी सहायता वितरण तंत्र को सशक्त बनायें'। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने किया था। अपने उद्घाटन भाषण में मोदी ने कहा, 'कानूनी सहायता वितरण तंत्र की दृढ़ता तथा कानूनी प्रक्रिया से सम्बन्धित यह कार्य प्रणाली न्यायिक व्यवस्था को शक्तिशाली धरातल देगा अतः आयोजन के हेतु आप सबको बधाई देता हूँ। साथ ही मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ईज ऑफ जस्टिस के बिना ईज ऑफ डूईंग और ईज ऑफ लिविंग तभी संभव है जब ईज ऑफ जस्टिस अर्थात् न्याय आसानी से अन्तिम व्यक्ति तक पहुँच सके। मोदी ने ईज ऑफ जस्टिस पर यह भी घोषित किया कि कानून की भाषा सरल सुगम्य होनी चाहिये ताकि न्याय प्राप्त करने वाला व्यक्ति इसे समझ सके।

राष्ट्रीय अधिवेशन में जस्टिस सूर्यकान्त की उपस्थिति बहुत ही प्रभावशाली थी। अपने Valedictory भाषण में उन्होंने ईज ऑफ जस्टिस की बहुत सुन्दर व्याख्या की। जस्टिस सूर्यकान्त नालसा के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। उनका कहना है कि नालसा ने न्याय की चाह को देश के कोने–कोने तक पहुँचाया है। वहाँ तक पहुँचाया है जहाँ वे लोग हैं, जो देश की निगाहों में खो चुके थे, जिनकी आवाज अनसुनी थी।

राष्ट्रीय अधिवेशन दो दिन का था। कई विषयों पर चर्चायें इन दो दिनों में की गईं। जस्टिस सूर्यकान्त ने ऑपनिंग सेशन्स में "Institutional Defence for Inclusive Justice" विषय पर चर्चा प्रारम्भ करते हुये नालसा की भूमिका को सराहा। उन्होंने पेनल लॉयर्स (PLVS) द्वारा कानूनी सहायता दिये जाने को अभूतपूर्व कर्म की संज्ञा दी।

जस्टिस सूर्यकान्त के अतिरिक्त सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और जस्टिस विक्रमनाथ का भाषण भी बहुत प्रभावशाली व ज्ञानवर्धक था। ईज ऑफ जस्टिस की भूमिका का विस्तार से उन्होंने विवेचन किया था उनका कहना था न्याय के दरवाजे सबके लिये खुले हैं, यहाँ धर्म जाति आदि के भेदभाव का कोई बंधन नहीं है। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने जो नालसा के Patron-in-Chief हैं, ने उन न्यायायिक अधिकारियों को जो डेपूटेशन पर भेजे जाते हैं, आव्हान करते हुये कहा कि न्याय आसान हो, तब ही सम्भव है, जब वह संवेदनशील और मानवीय होकर न्याय चाहने वालों तक सुगम व त्वरित गति से पहुँचाया जा सके।

न्याय केवल वह न्याय नहीं है जो विवाद होने पर दो पक्षों में के मध्य न्यायालय करता है। संविधान के प्रियम्बल में तीन प्रकार के न्याय की बात कही गई है सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय। इसे क्रमशः हम देखें तो पायेंगे कि सामाजिक न्याय की प्रथम आवश्यकता तथा आर्थिक न्याय दूसरे और राजनीतिक न्याय तीसरे स्थान पर रहता है।

> **राष्ट्रीय अधिवेशन में, जिसका उल्लेख ऊपर किया है देश के प्रधानमंत्री और सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट शब्दों में स्वीकार किया है कि न्याय की भाषा वही हो जो न्याय पाने वाले को समझ में आये। संविधान की 8वीं अनुसूची में दी गई भाषायें ही भारत की भाषायें हैं इनमें विदेशी भाषा अंग्रेजी का कोई स्थान नहीं है। फिर अंग्रेजी अभी तक क्यों?**

इस देश में पैदा होने वाले प्रत्येक व्यक्ति को मूल अधिकार दिये हैं, जिनका उल्लेख संविधान के तीसरे अध्याय में दिये हैं। ये राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक अधिकार हैं। दूसरे व तीसरे अधिकारों का उल्लेख संविधान के चतुर्थ चेप्टर में दिये हैं। इनकी पूर्ति करना राज्य का कर्त्तव्य है।

आरक्षण का अधिकार सामाजिक न्याय का एक पहलु है। संविधान ने अनुच्छेद 14 में घोषित किया कि राज्य देश में किसी व्यक्ति को विधि के समक्ष समता से या विधियों के समान संरक्षण से वंचित नहीं करेगा। अनुच्छेद 15 में धर्म, जाति, या जन्म स्थान लिंग के आधार पर विभेद का प्रतिषेध किया गया है।

न्याय आसान तभी होगा जब न्याय सभी को मिले, जिसे नागरिक अपनी भाषा में समझे। जीवन को आसान बनाने के हेतु न्याय में सुगमता और पहुँच तथा त्वरित जरूरी है।

मोदी जी ने सही कहा है कि न्याय में सुगमता सुनिश्चित हो, न्याय सभी के लिये हो, समय पर मिले, हर व्यक्ति तक पहुँचे वह भी सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से बिना भेदभाव किये। न्याय प्रत्येक पीडित व्यक्ति को उसकी अपनी भाषा में मिले।

हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट की भाषा अंग्रेजी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को जहाँ 7 माननीय जज एक बात कहते हैं तो 6 न्यायाधीश दूसरी बात। जब इस पहेली का निर्णय बडे–2 न्यायाधीश भी नहीं कर पाये हैं तो एक बिना लिखा व्यक्ति क्या उस निर्णय को समझ सकता है। सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की पीठ के कई निर्णय हैं जहाँ वे आपस में सहमत नहीं है, फिर गरीब के पास साधन कहाँ है कि जीवन भर मुकदमा लड़ता रहे? वह तो भूखा ही कोर्ट गया था भूखा ही मर जावेगा।

वर्तमान समय में सुप्रीम कोर्ट ने 80000 से ज्यादा निर्णयों का 18 भारतीय भाषाओं में अनुवाद कराया है। यह एक सराहनीय कदम है। पुराने सैकड़ों कानूनों को समाप्त किया है नये युग के हेतु नये कानून बनाये हैं 1949 में जब आजादी के बाद राजस्थान राज्य बना, उस समय राजस्थान हाईकोर्ट की भाषा हिन्दी थी (देखिये राजस्थान हाईकोर्ट ऑर्डिनेन्स, 1949)। आज भी देश के हाईकोर्ट्स व सुप्रीम कोर्ट की भाषा अंग्रेजी ही है। हाँ राजस्थान में 1987 के बाद से हिन्दी में कुछ नगण्य निर्णय हुये हैं। किन्तु सुप्रीम कोर्ट की भाषा अंग्रेजी है। अनुच्छेद 348 के अनुसार सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट्स में प्रयोग की जाने वाली अंग्रेजी भाषा रखी गई है किन्तु यह प्रतिबंध स्थायी नहीं है, संसद कानून बनाकर हिन्दी को उसका स्थान दे सकती है। हिन्दी राज्य भाषा है, इसमें कोई शंका नहीं है। (पढ़िये अनुच्छेद 343)।

उपरोक्त राष्ट्रीय सम्मेलन ने सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश और नये होने वाले मुख्य न्यायाधीश व अन्य न्यायाधीशों ने तथा पी एम मोदी ने एक स्वर में कहा है कि न्याय आसान हो वह तभी हो सकता है जब न्याय प्रत्येक व्यक्ति अपनी भाषा में समझे। फिर समझ से परे है कोर्ट्स की भाषा अंग्रेजी क्यों है, क्यों नहीं संसद इस हेतु कानून बना दे? संविधान के अनुच्छेद 120 में संसद की भाषा हिन्दी 26 जनवरी 1965 के बाद हो चुकी है तो फिर विलम्ब क्यों? राष्ट्रीय अधिवेशन में, जिसका उल्लेख ऊपर किया है देश के प्रधानमंत्री और सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट शब्दों में स्वीकार किया है कि न्याय की भाषा वही हो जो न्याय पाने वाले को समझ में आये। संविधान की 8वीं अनुसूची में दी गई भाषायें ही भारत की भाषायें हैं इनमें विदेशी भाषा अंग्रेजी का कोई स्थान नहीं है। फिर अंग्रेजी अभी तक क्यों? लेखक के कहने का यह अभिप्राय नहीं है कि अंग्रेजी के प्रयोग को तत्काल समाप्त कर दिया जावे। हाँ, इसका प्रयोग प्रारम्भ कर दिया जावे और 15 वर्ष की अवधि के बाद सुप्रीम कोर्ट का कार्य पूर्ण रूप से हिन्दी में स्वतः हो।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

भगवान बिरसा मुंडा और गोविंद गुरु : जनजातीय अस्मिता, स्वाभिमान और स्वतंत्रता चेतना के अमर प्रतीक

भजनलाल शर्मा

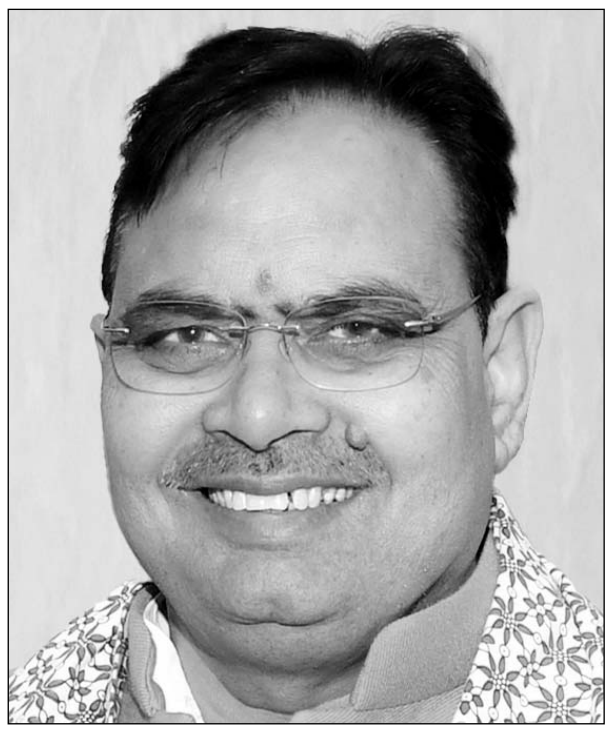

भारत का स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आदिवासी समाज ने अपने साहस, स्वाभिमान और अदम्य इच्छाशक्ति से अंग्रेज साम्राज्य की नींव हिला दी। इनमें भगवान बिरसा मुंडा का नाम सर्वोपरि है। बिरसा मुंडा ने अपने अल्प जीवन में ही आदिवासी चेतना, स्वतंत्रता और संस्कृति की मशाल जलाकर एक अमर अध्याय रचा।

झारखंड के खूंटी जिले के उलिहातु गांव में 15 नवंबर 1875 को जन्मे बिरसा मुंडा ने यह दिखा दिया कि आयु नहीं, उद्देश्य की गहराई ही इतिहास रचती है। मात्र 25 वर्ष की आयु में वे ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एक विराट आंदोलन के जनक बने। उन्होंने आदिवासी समाज को 'उलगुलान' अर्थात महान जनविद्रोह के लिए संगठित किया। यह केवल अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की पुनः प्राप्ति का आंदोलन था।

बिरसा मुंडा का उदघोष अबुआ दिशुम, अबुआ राजअर्थात हमारा देश, हमारा राज आदिवासी अस्मिता की पहचान बन गया। उन्होंने अंग्रेजों के आदिवासियों की पारंपरिक खुंटकटी व्यवस्था समाप्त करने के भूमि कानूनों को चुनौती दी। आदिवासियों की भूमि बाहरी जमींदारों और महाजनों के कब्जे में चली गई थी। बिरसा ने इस अन्याय के विरुद्ध स्वराज का शंखनाद किया।

उनका संघर्ष केवल राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण का प्रतीक भी था। उन्होंने 1895 में एकेश्वरवाद पर आधारित बिरसाइत धर्म की स्थापना की। उन्होंने अपने अनुयायियों को अंधविश्वास, शराब, जादू-टोना और पशु बलि जैसी कुरीतियों से मुक्त होकर सत्य, संयम और सेवा का मार्ग अपनाने का संदेश दिया। उनका संदेश था कि ईश्वर हर मनुष्य में विद्यमान है, सच्ची पूजा सेवा में है। उन्होंने औषधीय जड़ी–बूटियों से लोगों का उपचार किया। उन्हें आत्मनिर्भरता सिखाई और आत्मसम्मान की भावना जगाई। उनके विचारों ने आदिवासी समाज को यह विश्वास दिया कि वे स्वयं अपने भाग्य के निर्माता हैं। ब्रिटिश सरकार ने 3 फरवरी 1900 को गिरफ्तार कर उन्हें रांची जेल में बंद कर दिया। मात्र 25 वर्ष की आयु में 9 जून 1900 को उनकी रहस्यमय मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के बाद भी आंदोलन की लहर नहीं थमी। उनकी स्मृति में छोटा नागपुर टेनेंसी एक्ट, 1908 लागू हुआ। आदिवासियों की भूमि की रक्षा के लिए यह ऐतिहासिक कानून सिद्ध हुआ।

बिरसा मुंडा की रांची के कोकर में स्थित समाधि पर हजारों लोग हर वर्ष उन्हें नमन करते हैं। उनकी तस्वीर संसद भवन में स्थापित है और उनके जन्मदिन 15 नवंबर को भारत सरकार ने जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना आरंभ किया है। यह केवल उन्हें श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि भारत के प्रत्येक आदिवासी वीर को सम्मान देने का प्रतीक है।

राजस्थान की जनजातीय चेतना : गोविन्द गुरु का आंदोलन

बिरसा मुंडा के समानांतर, राजस्थान की भूमि पर भी गोविन्द गुरु के नेतृत्व में एक ऐसी ही तेजस्वी क्रांति हुई और वे बांसवाड़ा–डूंगरपुर क्षेत्र में जनजातीय समाज के पथप्रदर्शक बने। उन्होंने भील, गरासिया और अन्य जनजातियों में व्याप्त अंधविश्वास, मद्यपान और शोषण के खिलाफ आंदोलन चलाया। गोविन्द गुरु ने भगत आंदोलन के माध्यम से आदिवासियों को अपनी भूमि, जल और जंगल की रक्षा स्वयं करने का संदेश दिया। उन्होंने सत्य, संयम और एकता को जीवन का आधार बनाया। उनका आंदोलन धीरे–धीरे सामाजिक सुधार से बढ़कर स्वतंत्रता संग्राम का रूप ले गया।

गोविन्द गुरु के नेतृत्व में मानगढ़ पहाड़ी पर 17 नवंबर 1913 को हजारों भील पुरुष, महिलाएं और बच्चे स्वतंत्रता के लिए एकत्र हुए। अंग्रेज सेना ने इस शांतिपूर्ण सभा पर गोलियां चला दीं और सैकड़ों लोग मारे गए, हजारों घायल हुए। यह घटना राजस्थान का जलियांवाला बाग कहलाती है। गोविन्द गुरु को आजीवन कारावास दिया गया, लेकिन उनकी चेतना ने आदिवासी समाज को सदा के लिए जागृत कर दिया।

राजस्थान के मोती भाई, कालूजी, नाथू जी और जोगिया भील सहित अन्य भील नेताओं ने भी स्थानीय स्तर पर अंग्रेजी शासन को चुनौती दी। यह संघर्ष किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और न्याय की पुकार था। आज भी मानगढ़ पहाड़ी जनजातीय शौर्य और बलिदान का पवित्र तीर्थ है।

आज जब भारत विकास के नए अध्याय लिख रहा है, बिरसा मुंडा के विचार पहले से अधिक प्रासंगिक हो उठे हैं। उनका सन्देश प्रकृति के साथ सामंजस्य, संस्कृति के प्रति सम्मान और समाज के प्रति संवेदना और सतत विकास की असली नींव का था।

भारत सरकार ने प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान और जनजातीय दर्पण जैसे अनेक कार्यक्रम आरंभ किए हैं। यह सभी कार्यक्रम बिरसा मुंडा की प्रेरणा से ही जनजातीय समाज के सशक्तिकरण की दिशा में अग्रसर हैं।

भगवान बिरसा मुंडा और गोविन्द गुरु जैसे जननायक केवल इतिहास के अध्याय नहीं, बल्कि भारत की आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने यह सिखाया कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक अधिकार नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, संस्कृति और न्याय की चेतना है। उनके संघर्ष ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की आज़ादी की जड़ें गांवों, वनों और पर्वतों की मिट्टी में भी गहराई से धंसी हुई है। बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम उनकी उस लौ को सदैव प्रज्वलित रखें जो जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ मानवता, समानता और स्वराज की राह दिखाती है। भगवान बिरसा मुंडा केवल धरती आबा नहीं, बल्कि भारत की आत्मा के अमर दीप हैं।

–भजनलाल शर्मा,
मुख्यमंत्री, राजस्थान

औपनिवेशिक शोषण के विरोध व आदिवासी पहचान के प्रतीक बिरसा मुंडा को पीएम मोदी की सच्ची श्रद्धांजलि

राजस्थान सहित देशभर में धरती आबा अभियान से जनजाति वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा, राजस्थान देश में नम्बर-1

कुंजीलाल मीणा, आईएएस

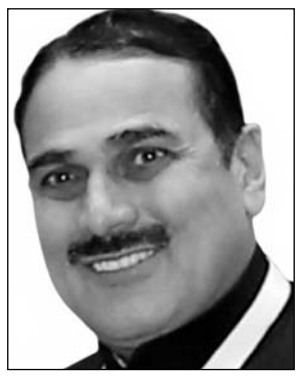

15 नवम्बर को जब हम जनजातीय गौरव दिवस मना रहे हैं, महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक भगवान बिरसा मुंडा को याद करना न केवल हमारा कर्तव्य है बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक भी है। "धरती आबा" यानी धरती के पिता के नाम से प्रसिद्ध बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में राष्ट्र और जनजाति समुदाय के लिए जो कार्य किए, वे सदियों तक प्रेरणा देते रहेंगे।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर, 1875 को झारखंड के उलिहातू गाँव में हुआ था। उन्होंने बहुत कम उम्र में ही आदिवासी समाज पर ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और ईसाई मिशनरियों के बढ़ते प्रभाव को महसूस किया। बिरसा मुंडा का जीवन ब्रिटिश उपनिवेशवाद, साहूकारों के शोषण और जमींदारी प्रथा के क्रूर गठजोड़ के खिलाफ एक अटूट संघर्ष था। उन्होंने देखा कि किस तरह उनकी मुंडा जनजाति की खुंटकट्टी (सामुदायिक स्वामित्व) कृषि प्रणाली को छीना जा रहा है और उन्हें बेगार (बंधुआ मजदूरी) करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। 19वीं शताब्दी के अंत तक ब्रिटिश शासन ने अपने क्रूर वन कानूनों (जैसे भारतीय वन अधिनियम 1865 और 1878) के माध्यम से आदिवासियों को उनकी पारंपरिक वन भूमि से वंचित कर दिया। उन्होंने जंगलों को व्यावसायिक लाभ के लिए आरक्षित वन घोषित कर दिया जिससे आदिवासियों को लकड़ी काटने, मवेशी चराने, वनोत्पाद इकट्ठा करने या पारंपरिक शिकार करने से रोक दिया गया। इससे आदिवासियों की आजीविका और उनकी प्राचीन जीवनशैली पर सीधा हमला हुआ। बिरसा मुंडा ने इस शोषणकारी नीति और पर्यावरणीय विनाश के खिलाफ पुरजोर आवाज़ उठाई। उनका मानना था कि भूमि, जल और जंगल पर आदिवासियों का सामूहिक अधिकार है और इन संसाधनों का उपयोग केवल सतत और न्यायपूर्ण तरीके से ही किया जाना चाहिए, न कि अनियंत्रित दोहन के लिए।

इस शोषण के विरुद्ध उन्होंने उलगुलान (महान विप्लव) आन्दोलन का आव्हान किया। यह केवल भूमि के लिए विद्रोह नहीं था, जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के पैतृक अधिकार, उनकी संस्कृति और उनकी पहचान को बचाने की लड़ाई थी। बिरसा ने आदिवासियों को एकजुट किया, उनके बीच व्याप्त जाति और उपजाति के भेदों को मिटाया और उन्हें यह एहसास दिलाया कि वे भी सम्मान और अधिकारों के पात्र हैं। उन्होंने अपने लोगों को यह सिखाया कि अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाना और अपनी गरिमा के लिए लड़ना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है। उन्होंने आदिवासियों को उनकी पारंपरिक न्यायिक प्रणाली, जैसे पड़ा पंचायत और मानकी–मुंडा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए प्रेरित किया ताकि वे अपने विवादों का निपटारा स्वयं कर सकें और बाहरी अदालतों पर निर्भर न रहें। उनका अबुआ राज (अपना राज) का विचार केवल ब्रिटिश शासन से राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं था, बल्कि एक ऐसे समाज की कल्पना थी जहाँ सभी को समान अधिकार मिलें, जहाँ किसी भी प्रकार का शोषण न हो और जहाँ हर व्यक्ति गरिमापूर्ण जीवन जी सके।

बिरसा मुंडा ने अपने अनुयायियों को संगठित किया, उन्हें शस्त्रों के बजाय आत्म–विश्वास और सत्यनिष्ठा का बल दिया। 1897–1900 का बिरसा आंदोलन ब्रिटिश दमनकारी नीतियों एवं सामाजिक अन्याय के खिलाफ एक प्रत्यक्ष और सशक्त चुनौती थी, जिसमें आदिवासियों ने अपने अधिकारों के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध संगठित विरोध किये। जनवरी, 1900 में डोम्बरी पहाड़ी पर जन सभा को संबोधित करते वक्त अंग्रेज सेना के साथ बिरसा मुंडा का टकराव हुआ एवं फरवरी में चक्रधरपुर के जमकोपाई जंगल से अंठोजों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। बिरसा मुंडा को अंग्रेजों ने कैद कर रांची कारागार में रखा, जहाँ अंठोजों द्वारा इस आदिवासी महानायक को कई कठोर याजनाऐं देते हुए अन्ततः कारागार में बिरसा मुंडा जी की रहस्यमी परिस्थितियों में 9 जून, 1900 को मृत्यु हो गई।

बिरसा मुंडा केवल एक महान योद्धा ही नहीं थे, अपितु एक दूरदर्शी समाज सुधारक भी थे। उन्होंने देखा कि जनजाति समुदाय में असंगठन, अशिक्षा, आर्थिक तंगी का गलत लाभ उठाते हुए ईसाई मिशनरियों द्वारा भोले–भाले आदिवासियों का धर्मान्तरण किया जा रहा है एवं आदिवासियों को उनकी गौरवशाली प्राचीन परम्पराओं से विमुख किया जा रहा है। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को उनके धर्म एवं परम्पराओं से जोड़ने के लिए कमर कसी एवं लगभग 1894–95 के आसपास बिरसा ने एक आध्यात्मिक और सामाजिक–धार्मिक आंदोलन की शुरुआत की, जिसे बिरसाइत पंथ के नाम से जाना जाता है।

यह पंथ मूल मुंडा परंपराओं और एकेश्वरवाद का एक अनूठा संगम था, जिसमें केवल सिंगबोंगा (सूर्य देवता) की पूजा पर जोर दिया गया और जनजाति समुदाय में साफ–सफाई, शुद्धता तथा नैतिकता को जीवन का आधार माना गया। उन्होंने जनजातीय समुदाय को अंधविश्वासों, पशु बलि और नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने का उपदेश दिया। उनका यह प्रयास दिखाता है कि उन्होंने केवल बाहरी शत्रुओं से नहीं बल्कि आंतरिक बुराइयों से भी लड़ने का बीड़ा उठाया था। बिरसा मुंडा की शहादत के वर्षों बाद भी, उनका संदेश आज भी गूँजता है। उनके संघर्ष ने जनजातीय समुदायों को अधिकार और न्याय के लिए लड़ना सिखाया। उनकी प्रेरणा से ही, देश में वन अधिकार अधिनियम ,पेसा कानून और जनजातीय हितों की सुरक्षा के लिए कई संवैधानिक प्रावधान लागू हुए हैं।

बिरसा मुंडा हमें सिखाते हैं कि सच्चा नेतृत्व संसाधनों या उम्र से नहीं, बल्कि साहस, नैतिकता और अपने लोगों के प्रति समर्पण से मापा जाता है। आज के भारत में, जब हम समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की बात करते हैं, तब हमें बिरसा मुंडा के उस सपने को याद रखना होगा जिसमे एक एक ऐसा समाज–निर्माण करने कि अभिलाषा है जहाँ हर व्यक्ति को गरिमा और स्वाभिमान के साथ जीने का अधिकार हो, और जहाँ प्रकृति का सम्मान सर्वोपरि हो। आइए, हम सब धरती आबा के दिखाए मार्ग पर चलें और उनके न्यायपूर्ण तथा समतावादी समाज के सपने को साकार करने में अपना योगदान दें।

भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल, ज़मीन की रक्षा के लिए जो आवाज़ उठाई, वह सिर्फ विद्रोह नहीं, आत्मसम्मान की आवाज थी। टंट्या भील, गोविंद गुरु और काली बाई जैसे योद्धाओं ने राजस्थान में इसी आवास को विस्तार से गूंज दी, इस मिट्टी को अपने लहू से सींचा ताकि आने वाली पीढ़ियाँ अपनी पहचान न भूलें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं बिरसा की विरासत के संरक्षक :- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस सच्चाई को गहराई से समझा कि भारत की आत्मा उसकी जनजातियों में बसती है। सरकार विरासत भी, विकास भी के सिद्धांत पर काम कर रही है ताकि जनजातीय संस्कृति को संरक्षित रखते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिरसा मुंडा को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए धरती आबा अभियान शुरू किया। जनजाति बहुल क्षेत्रों में विकास कार्य व सरकारी सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने, शिकायत निवारण प्रणाली को पूर्ण प्रभावी बनाने और जनजाति वर्ग के अधिकारों की अक्षरशः पालना, उनके कल्याण और उत्थान के लिए देशभर में संचालित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) मामले में राजस्थान देश में नम्बर 1 पर है।

धरती आभा अभियान का मकसद अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जनजातीय समुदायों तक जागरूकता और पहुंच बढ़ाकर उनका सशक्तीकरण सुनिश्चत करना है। धरती आबा और पीएम–जनमन केन्द्र सरकार की बेहद उच्च प्राथमिकता वाले अभियान/योजनाओं में शामिल हैं, जिनकी प्रगति की मॉनिटरिंग करने तथा आवश्यकता वाले क्षेत्र में नवाचार के लिए बहुत उच्च स्तरीय सिस्टम कार्यरत है। इस अभियान में देश के 549 जिलों के 63,000 से अधिक जनजातीय बहुल गांव कवर किए गए हैं। राष्ट्रव्यापी जागरूकता और लाभ संतृप्ति अभियान के रूप में संचालित इस अभियान में 207 जिलों की 29,000 से अधिक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) बस्तियां शामिल हैं।

मिशन के उद्देश्यों में व्यक्तिगत अधिकारों, हकों और प्रमुख सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना, दस्तावेजों और लाभों की घर–घर डिलीवरी सुनिश्चित करना, सामुदायिक लामबंदी के माध्यम से सहभागी शासन को बढ़ावा देना शामिल है।इसके साथ ही जनजातीय युवाओं को डिजिटल योद्धा और जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने वाले के रूप में सशक्त बनाना, गांव और बस्ती स्तर पर एससीडी स्क्रीनिंग, जागरूकता और परामर्श भी मिशन की प्रमुख गतिविधियों में शामिल रहा। इस प्रकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिरसा मुंडा के जन्म के 150 साल बाद उनकी विरासत, उनके स्वप्न, उनकी आंकांक्षाओं को राष्ट्रीय चेतना से एकाकार कर उनके सच्चे अनुयायी की भूमिका अदा की है।

कुंजीलाल मीणा, आईएएस,
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग,
राजस्थान

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 14 नवम्बर, 2025

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 9:21 तक, वैधृति योग शनिवार प्रातः 6:26 तक, वणिज करण दिन 12:12 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:51 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–तुला, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–वृश्चिक, बुध–वृश्चिक, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 9:21 तक है। भद्रा दिन 12:12 से रात्रि 12:50 तक रहेगी। बुध आज पश्चिम में दिन 1:28 पर होगा। आज वैधृति पुण्य, भगवान महावीर तप, कल्याणक दिवस है। आज जवाहरलाल नेहरू जयन्ती और बाल दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:10 तक, लाभ–अमृत 8:10 से 10:51 तक, शुभ 12:11 से 1:32 तक, चर 4:12 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:50, सूर्यास्त 5:33 तक

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

वृष
घर–परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। परिवार में आपसी मतभेद हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या एवं व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना बन सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परेशानी एवं धन हानि हो सकती है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि हो सकती है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कुंभ
घर–परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मीन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सार-समाचार

राशन वितरण में अनियमितता, राशन की दुकान सीज

कोटा, (निसं)। जिला रसद अधिकारी द्वारा सांगोद ब्लॉक की ग्राम पंचायत मामौर के ग्राम सलोनिया के राशन डीलर चम्पालाल जाट (पोस कोड 6881) की दुकान के औचक निरीक्षण के उपरांत गंभीर अनियमितता पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से लाइसेंस निलम्बन की कार्यवाही की गई है। जिला रसद अधिकारी कुशाल बिलाला ने बताया कि राजस्थान आवश्यक पदार्थ (वितरण एवं विनियमन) आदेश, 1976 की धारा 6 का उल्लंघन मानते हुए, डीलर चम्पालाल का लाईसेंस निलंबित किया गया है। डीलर के विरुद्ध ग्रामीणों से प्राप्त शिकायत के आधार पर विभाग के निरीक्षण दल के प्रात: 11:30 बजे राशन की दुकान पर पहुँचने पर दुकान बन्द पाई गई। दुकान बन्द पाए जाने के संबंध में डीलर ने संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि डीलर चम्पालाल जाट द्वारा सितम्बर, अक्टूबर और कुछ मामलों में नवम्बर माह का भी बायोमेट्रिक सत्यापन (अंगूठा) लगवा लिया गया था, परन्तु उपभोक्ताओं को राशन सामग्री (गेहूँ) उपलब्ध नहीं करवाई गई। कई उपभोक्ताओं ने एक से 3 माह तक का राशन नहीं मिलने की शिकायत की। दुकान बन्द होने के कारण भौतिक स्टॉक का अवलोकन नहीं किया जा सका और प्रवर्तन निरीक्षक विशाल मीणा ने दुकान को सीज कर दिया। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं को सुचारू रूप से राशन वितरण सुनिश्चित करने हेतु डीलर चम्पालाल जाट की दुकान (पोस कोड 6881) को पोस कोड 6680 के डीलर महेंद्रपाल (मामौर) से संलग्न (अटैच) किया गया है। उपभोक्ता अब अपनी राशन सामग्री संलग्न डीलर श्री महेंद्रपाल, मामौर की दुकान से प्राप्त कर सकते हैं।

चाकूबाजी के तीन आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नयापुरा पुलिस टीम ने चाकूबाजी के दर्ज मामले में कार्यवाही करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 12 नवम्बर को फरियादी अख्तर हुसैन ने नयापुरा थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट मे कहा कि 11 नवम्बर की रात्रि को उसका बेटा नमीर हुसैन मस्जिद चौक पर बैठा हुआ था, इतने में फरदीन उर्फ फज्जु, अयान खान व कालू तीन जने आये और उसके बेटे पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया और उससे मारपीट की। रिपोर्ट में कहा कि बीच बचाव के लिये आई उसकी पत्नी से भी हाथापाई कर मौके से भाग गये। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। शहर एसपी ने कहा कि हमलावरों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपअधीक्षक गंगासहाय शर्मा के सुपरविजन मे नयापुरा थानाधिकारी विनोद कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने तकनिकी आधार व मुखबीर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए नेहरू नगर निवासी शाहनवाज उर्फ फरदीन उर्फ फज्जु (25) रज्जा नगर रंगतालाब निवासी अयान खान (20) और रंगतलाब निवासी गोविन्द कुमार उर्फ कल्लु (23) को गिरफ्तार किया।

गीता के ज्ञान से जीवन को दिशा देने का आव्हान किया

कोटा, (निसं)। किशोरपुरा स्थित इस्कॉन केंद्र गोविंद धाम द्वारा वार्षिक आध्यात्मिक महोत्सव 'अभ्युत्थानम' का आयोजन महावीर नगर तृतीय स्थित स्वामी विवेकानंद स्कूल के रामशांताय सभागार में किया गया। कार्यक्रम में इस्कॉन के जोनल सुपरवाईजर एवं त्रिदंडी संन्यासी भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज ने गीता के महत्व पर आध्यात्मिक प्रवचन दिया। इस्कॉन के जोनल सुपरवाईजर एवं त्रिदंडी संन्यासी भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज ने अपने प्रवचन में गीता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वर्तमान में भौतिक प्रगति तो हो रही है, परंतु आध्यात्मिक प्रगति में हम पीछे हैं। उन्होंने कहा, ''डिग्री, वैभव और प्रसिद्धि तब तक अधूरी हैं, जब तक उनके साथ कृष्णभक्ति का अंक नहीं जुड़ता।'' गीता के उदाहरणों से उन्होंने जीवन की दिशा और उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि ''विद्या विनम्रता प्रदान करती है, चेतना जागृत करती है-जिसका आज के समाज में अभाव बढ़ता जा रहा है।'' सांस्कृतिक प्रस्तुतियां- मायापुरवासी प्रभुजी ने बताया कि कार्यक्रम में कृष्णमय रॉक कीर्तन की प्रस्तुति हुई, गिटार पर रिषभ सोनी के 'हरे कृष्णा' कीर्तन और गोविंद माहेश्वरी के 'नंदलाला गोविंदा भजनों ने वातावरण को कृष्णमय बना दिया। हरे कृष्णा...जय जगन्नाथ के जयघोषों से पूरा सभागार गूंज उठा।

'सभी जिला स्तरीय कार्यालयों के कार्मिक अपना गणना प्रपत्र ऑनलाईन भरें'

कोटा, (निसं)। जिला निर्वाचन अधिकारी पीयूष समारिया द्वारा कोटा जिले में विभिन्न जिलास्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय कार्यालयों में पदस्थापित अधिकारियों-कर्मचारियों को अपने गणना प्रपत्र ऑनलाईन भरने के संबंध में दिए गए निर्देशों के बाद गुरुवार को सभी कार्यालयों के तकनीकी कार्मिकों एवं मास्टर ट्रैनर को गणना प्रपत्र ऑनलाईन भरने के संबंध में डीओआईटी के अधिकारियों द्वारा वीसी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। उल्लेखनीय है कि जिला निर्वाचन अधिकारी ने गुरुवार को समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को जिले में पदस्थापित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय कार्मिकों के गणना प्रपत्र ऑनलाईन करने के लिए निर्देशित किया है। पदस्थापित समस्त कार्मिकों के गणना प्रपत्र ऑनलाईन भरवाकर इसकी सूचना गूगल शीट पर अपडेट करने के निर्देश भी जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जिले के सभी कार्यालाध्यक्षों, जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को जारी किए गए हैं।

निगम के अधिकारी-कर्मचारी स्वयं भरेंगे एसआईआर फॉर्म

कोटा, (निसं)। नगर निगम कोटा के अधिकारी और कर्मचारी मतदाता सूचियां के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत स्वयं व परिवार के फॉर्म खुद ऑनलाईन करेंगे। एसआईआर के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने यह पहल की है। आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने बताया कि इन दिनों प्रदेशभर में मतदाता सूचियां का विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन में निगम के अधिकारी-कर्मचारी भी अपना योगदान दें इसके लिए उनसे स्वयं तथा अपने परिवार के आवेदन ऑनलाईन करने का आग्रह किया गया। इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों के विशेष प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की गई है। इसी के तहत गुरुवार से प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरुआत हुई। कार्यशाला के तहत विभिन्न अनुभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को ऑनलाईन फॉर्म भरने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मेहरा ने बताया कि गुरुवार को दो सत्रों में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनमें 100 से अधिक अधिकारी और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

गायत्री परिवार ट्रस्ट का पुनर्गठन, गुर्जर ट्रस्टी बने

छबड़ा (निसं)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में संचालित गायत्री मंदिर के ट्रस्ट का पुनर्गठन सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ। मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी की आकस्मिक निधन के कारण छीतरलाल गुर्जर को सर्वसहमति से मुख्य प्रबन्धक ट्रस्टी बनाया गया। शांति कुंज हरिद्वार के पर्यवेक्षक प्रभाशंकर दुबे की उपस्थिति व उप जोन कोटा के समन्वयक रामरतन नरवर व गायत्री परिवार के जिला समन्वयक चन्द्रप्रकाश सांखला ने पुनर्गठन प्रक्रिया सम्पन्न करवाई। यहां सहायक प्रबन्धक ट्रस्टी ओमप्रकाश तिवारी, कोषाध्यक्ष गंगाधर मौर्य के साथ निरंजन शर्मा को ट्रस्टी व प्रीतमसिंह मेहता, पन्नालाल नागर, प्रेमचन्द धनोरिया, हरिओम सेन, कन्हैयालाल प्रजापति सहित नौ लोगों को ट्रस्ट में शामिल किया गया है। नव निर्वाचित मुख्य प्रबन्धक ट्रस्टी छीतर लाल गुर्जर ने कहा कि गायत्री परिवार अपने मिशन के कार्यों को लगातार आगे बढता रहेगा।

कृषि आउटरीच कार्यक्रम आज

कोटा, (निसं)। जिले के अग्रणी बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 14 नवम्बर (शुक्रवार) को कैथून की मवासा ग्राम पंचायत में कृषि आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को कृषि ऋण योजनाओं की जानकारी देना, कृषि ऋण वितरण एवं अन्य बैंकिंग उत्पादों से लाभान्वित करना है। कार्यक्रम में किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, डेयरी लोन, मुर्गी पालन, चावल मील, गोल्ड लोन तथा कुसुम योजना (सौर संयंत्र) सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही, इच्छुक किसानों से ऑन-द-स्पॉट आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे। यह एग्री आउटरीच कार्यक्रम किसानों को बैंक की योजनाओं से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

'जल स्रोतों के पुनरुद्धार से भूजल स्तर बढ़ेगा, भूमि में नमी से हरियाली बढ़ेगी'

- वाटरशेड महोत्सव का राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह
- 'विलायती बबूल हटाओ-चारागाह बचाओ अभियान में जूलीफ्लोरा को समूल नष्ट करेंगे'

कोटा, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि प्रदेश में कई स्थानों पर भूजल स्तर काफी नीचे पहुंच गया हैं, भूमि में नमी नहीं होने से वनस्पतियां उत्पादित नहीं हो रही हैं और मिट्टी के निरंतर कटाव से भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो रही है। इन परिस्थितियों को देखते हुए हमें बारिश के पानी को एकत्र कर भूजल रिचार्ज बढ़ाने के लिए जल ग्रहण विकास के कार्य करने होंगे।

साथ ही, पेड़-पौधे लगाकर मिट्टी का कटाव रोकने एवं नदियों, तालाबों तथा परम्परागत जल स्त्रोतों के पुनरुद्धार के कार्य मिशन वॉटरशेड के तहत करने होंगे। इन्हीं लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आज से उण्डवा में राज्यस्तरीय वॉटरशेड महोत्सव एवं मिशन जल ग्रहण पुर्नरुत्थान कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ है। श्री दिलावर गुरुवार को खैराबाद पंचायत समिति के उण्डवा गांव में वॉटरशेड महोत्सव के राज्यस्तरीय समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी 159 जल ग्रहण विकास परियोजनाओं में इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर आमजन में जागरूकता पैदा की जाएगी और वॉटर शेड का महत्व समझाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों के पुनरुद्धार से भूजल स्तर बढ़ेगा, भूमि में नमी से हरियाली बढ़ेगी और जानवरों के लिए चारा उत्पादित होगा। इससे प्रदेश की तस्वीर भी बदलेगी। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि मिशन जल ग्रहण पुनरुत्थान एवं वाटर शेड महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लें।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने कहा कि विलायती बबूल जूलीफ्लोरा ने प्रदेश में 500 प्रकार की वनस्पतियों को समाप्त कर दिया है, गहरी जड़ें होने के कारण विलायती बबूल प्रतिदिन 30 लीटर पानी सोंखता है और इससे भूजल स्तर काफी तेजी से नीचे जाता है। उन्होंने कहा कि इससे निकलने वाली जहरीली गैसों से बीमारियां फैलती हैं एवं मिट्टी भी अनुपजाऊ हो जाती है। देशी वनस्पतियों को खा रहे इस राक्षस को पूरे प्रदेश से हटाने के लिए विलायती बबूल हटाओ-चारागाह बचाओ अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि पंचायतें अपने कोष से पैसा खर्च कर जूलीफ्लोरा को जड़ से उखाड़कर नष्ट करें। उन्होंने कहा कि जहां विलायती बबूल है वहां से उसे समूल नष्ट कर उन जगहों पर चरागाहों का विकास किया जाएगा।

वर्षों पुरानी पाटली नदी को पुनर्जीवित किया:- उन्होंने कहा कि नदी, तालाब एवं परंपरागत जल स्रोतों के पुनरुद्धार अभियान के तहत रामगंजमंडी क्षेत्र की वर्षों पुरानी पाटली नदी को पुनर्जीवित किया गया है। इस नदी के पानी से 50 हजार बीघा से अधिक जमीन सिंचित होगी। दिलावर ने कहा कि राजस्थान पहला राज्य है जहां देसी वनस्पतियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बीज बैंक बनाए गए हैं।

उन्होंने इस अवसर पर मोबाईल बीच बैंक मॉड्यूल का भी शुभारंभ किया। इसके माध्यम से वानस्पतिक बीज बैंकों की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हर गांव को स्वच्छ रखने के लिए पंचायतों को प्रतिमाह एक लाख रुपये उपलब्ध कराए हैं। जिन पंचायतों में जनसंख्या अधिक है वहां 5 लाख रुपये तक दिए जा रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि हर गांव में प्रतिदिन झाड़ू लगे और कचरा गाड़ी घरों से कचरा उठाए यह सुनिश्चित किया जाऐं। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि सरकारी कार्यों में भ्रष्टाचार करने वाले किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और ईमानदारी से कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

वर्षा जल जहां गिरे वहीं एकत्र हो कार्यक्रम में निदेशक जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण मोहम्मद जुनैद ने कहा कि पूरे देश में अकृषि भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करने, गिरते भू-जल में सुधार एवं किसानों की आय में वृद्धि के लिए भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-2.0 शुरू की गई है। इसमें भारत सरकार द्वारा पूरे देश में 2000 करोड़ रुपए के कार्यों की स्वीकृति दी गई है इनमें खैराबाद पंचायत समिति में भी 11 करोड़ रुपए की परियोजना स्वीकृत हुई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में गंगा नगर एवं बांसवाड़ा को छोड़कर सभी जिलों में 159 परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा जल जहां गिरे वहीं एकत्र करने तथा खेत का पानी खेत में ही रहे इस तर्ज पर वॉटर शेड द्वारा बहते पानी को एकत्र करने के लिए एनीकट, परकोलेशन टैंक जैसी संरचनाओं का निर्माण किया जाता है। उन्होंने कहा कि वॉटरशेड के तहत सिंचाई पानी के लिए तलाई निर्माण एवं चारागाहों का विकास भी किया जा रहा है। साथ ही, किसानों को बीज वितरण एवं वर्मी कम्पोस्ट बनाने में सहायता देने जैसे कार्य भी किए जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से पुराने तालाब, बावड़ियां आदि को बचाने का आह्वान किया ताकि भू-जल रीचार्ज हो सकें। भारत सरकार द्वारा इस अवसर पर जल ग्रहण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली वॉटर शेड मिशन की विजेता 15 परियोजनाओं को 20-20 लाख रुपये की पुरस्कार राशि के चेक वितरित किए गऐं।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने किया श्रमदान:- वॉटरशेड महोत्सव के राज्य स्तरीय शुभारंभ से पहले शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने उण्डवा से साढ़े तीन किलोमीटर तक पदयात्रा करते हुए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-2.0 के तहत मिनी परकोलेशन टैंक के निर्माण कार्य का श्रमदान कर शुभारंभ किया। दिलावर के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, वॉटर शेड विभाग के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि गण शामिल थे।

गणना प्रपत्र ऑनलाईन भरने की जानकारी दी

कोटा, (निसं)। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर-2026) के तहत अधिक से अधिक संख्या में ऑनलाइन गणना प्रपत्र भरने के लिए मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गुरुवार को मेडिकल कॉलेज, कोटा में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मेडिकल कॉलेज के अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यशाला का आयोजन नोडल अधिकारी उप निदेशक, प्रदीप कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर प्रोग्रामर गोविन्द सोनी, सूचना सहायक सुरेन्द्र कुमार तथा मास्टर ट्रेनर जहूर अहमद द्वारा ऑनलाईन गणना प्रपत्र भरने की पूरी प्रक्रिया का विस्तृत एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला में मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ सरल, स्पष्ट एवं समझने योग्य तरीके से समझाई गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी को अपने लॉगिन पोर्टल से स्वयं एवं अपने परिवारजनों की जानकारी समय पर अपडेट करना आवश्यक है। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ.संगीता सक्सेना ने कहा कि यह अभियान मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पालना में विभिन्न सरकारी एवं निजी संस्थानों में इस प्रकार की जागरूकता कार्यशालाएं लगातार आयोजित की।

जनजातीय गौरव पखवाड़ा के आयोजन हुआ

कोटा, (निसं)। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के संघटक महाविद्यालय कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज-कोटा में भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती एंव जनजातीय गौरव पखवाड़ा का आयोजन 13 नवंबर 2025 को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की कुलगुरू डॉ. विमला डूंकवाल द्वारा की गई। कार्यक्रम में कोटा विश्वविद्यालय के कुलसचिव राजपाल सिंह मुख्य अतिथि तथा डॉ.अरविन्द कुमार सक्सेना, सेवानिवृत आचार्य कोटा विश्वविद्यालय मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विरेन्द्र सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए जनजातीय गौरव भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन परिचय एवं उनके द्वारा किये गए जन कार्यो का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि राजपाल सिंह ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में छात्रों एवं शिक्षकों को भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज एवं राष्ट्रहित में कार्य करने का आव्हान किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य पर ध्यान रखते हुए देश के विकास में योगदान देने के लिए कहा। कुलगुरू डॉ.विमला डूंकवाल ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन मे जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास की चर्चा करते हुए छात्रों को समर्पण, निष्ठा एवं अनुशासन के साथ अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया।

उन्होंने सभी को सनातन संस्कृति से परिचित होकर हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष से प्रेरित होकर उनके समर्पण एवं संघर्ष को याद रखने की अपील की। डॉ.अरविन्द कुमार सक्सेना ने अपने व्याख्यान मे भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन संघर्ष, उनके सामाजिक योगदान तथा उनके नेतृत्व में चले जनआंदोलन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का विस्तृत वर्णन किया। कुलगुरू ने महाविद्यालय की सभी इकाईयों तथा नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया।

नानी बाई के मायरे की कथा में भक्त भाव विभोर हुए, भजन संध्या कल

कोटा, (निसं)। श्री राधा माधव सेवा समिति, श्री राधा माधव मंदिर रिद्धि-सिद्धि नगर कुन्हाड़ी के प्रांगण में मंगल परिवार के द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में छबड़ा से पधारे रमेश महाराज ने श्रीमद् भागवत कथा के अंतर्गत रात्रि को नानी बाई के मायने का आयोजन भी निरंतर हो रहा है, जिसमें देर रात तक भक्त बड़े ही शालीन भाव से कथा का आनंद ले रहे हैं।

कथा व्यास रमेश भार्गव द्वारा नरसी जी की जन्म गाथा, तीन जन्म की कथा एवं परिवार के द्वारा प्रताड़ित होने पर नरसी जी ने जूनागढ़ के तलाजा गांव में भगवान शंकरजी को पूजा-अर्चना करके प्रसन्न किया और उन्होंने अपनी भक्ति भाव से शिवजी के साथ चलकर वृंदावन में श्री ठाकुरजी का दर्शन किया।

राधा और कृष्ण का महाराज का दर्शन करके श्री कृष्ण द्वारा नरसी जी ने राग केदार और खड़ताल आदि स्वीकार की।

उन्होंने अपनी भक्ति में भाव विभोर होकर अपने पिता की संपत्ति को 12 वर्षों में लुटा दिया, इस वजह से भगवान श्रीकृष्ण ने उनको अपना मित्र बना लिया, उन्होंने द्वारका में नरसी द्वारा भेजे हुए संतों की हुंडी स्वीकार की आदि, कथाओं को भार्गवजी ने अपने श्री मुख से सुनाया।

अंत में सुंदर भजनों के द्वारा सबको मंत्र मुक्त कर दिया। कौशल किशोर मंगल ने बताया कि 15 नवम्बर तक संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा एवं नानी बाई का मायरा का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

कथा प्रतिदिन दोपहर 12.00 से 4.00 बजे तक एवं नानी बाई का मायरा सायं 7.00 से 10.00 बजे तक होगा। एक शाम सांवरिया सेठ के नाम भजन संध्या का आयोजन 15 नवम्बर को रात्रि 8 बजे होगा। 16 नवम्बर को ग्यारस उद्यापन, पूणार्हुति एवं महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही लगातार जारी

- अतिक्रमण टीम द्वारा स्टिल ब्रिज कोटड़ी पर भी अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करते हुए ठेले व बोडियों को हटाया गया

कोटा, (निसं)। नगर निगम कोटा के आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने बताया कि नगर निगम एक हो जाने के बाद नगर निगम की अतिक्रमण टीम सक्रिय होकर लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही कर रही हैं।

टीम के द्वारा कैथून नगर पालिका क्षेत्र एवं श्रीनाथपुरम अग्निशमन कार्यालय के आस पास हो रहे अस्थाई अतिक्रमण को तरूण कांत सोमानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में प्रभारी तोसिब खान सहप्रभारी हनुमान राम एवं अतिक्रमण जाप्ता प्रभारी संजीव कुमार एवं अतिक्रमण दस्ता प्रभारी नरेन्द्र शाक्यवाल व मुकेष तवर सहित द्वारा मय संबंधित थाने के जाप्ते सहित अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया।

अतिक्रमण टीम द्वारा कैथून नगर पालिका क्षेत्र में संकड़े मार्ग को चौड़ा करने के उद्देश्य से मार्ग पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई इस कार्यवाही के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या अथवा स्थनीय निवासियों के विरोध का सामना नहीं करना पड़ा दुकानों के बाहर लगे ठेले व भोजनालयों को हटवाया गया एवं अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

अतिक्रमण टीम द्वारा श्रीनाथपुरम अग्निषमन कार्यालय के आसपास का अतिक्रमण हटाया और अलाउद्दीन पार्क के बाहर से पुन: लगे ठेले वालों को हटाया गया अत: बक् चौराहे से स्लिप लेन से गाड़ियां हटाई गई और बक् से लेकर गुमानपूरा से घोड़ा वाले बाबा चौराहे तक मुनादी की गई मीरा मार्केट और केषवपुरा में मुनादी की गई। अतिक्रमण टीम द्वारा स्टिल ब्रिज कोटड़ी पर भी अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करते हुए ठेले व बोडियो को हटाया गया अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही आगे भी लगातार जारी रहेगी।

निगम आयुक्त ने आश्रय स्थल का निरीक्षण किया

कोटा (निसं)। नगर निगम कोटा के आयुक्त ओम प्रकाश मेहरा ने गुरूवार को न्यू मेडिकल कॉलेज स्थित स्थाई आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आश्रय स्थल संचालक को रात को खुले में सोने वाले लोगों को आश्रय स्थल तक लाने तथा उन्हें सभी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आयुक्त मेहरा गुरूवार दोपहर अचानक आश्रय स्थल पहुंचे। उन्होंने वहां सफाईए आश्रय लेने आने वाले व्यक्तियों के लिए रजाई.बिस्तर की सुविधा तथा उच्चतम न्यायालय की गाइडलाइंस के अनुरूप अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

उन्होंने रजिस्टर चेक कर आश्रय लेने आ रहे लोगों की संख्या की जानकारी की। आश्रय स्थल की क्षमता की तुलना में कम लोगों के आने पर मेहरा ने संचालक से कहा कि अब सर्दी का दौर प्रारंभ हो चुका है। न्यू मेडिकल कॉलेज में संभाग के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग भी उपचार करवाने आते हैं। उनके साथ तीमारदार भी होते हैं। इसके बावजूद आश्रय स्थल में कम लोग आ रहे हैं। उन्होंने आश्रय स्थल संचालक को पाबंद किया कि वे रात के समय न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में खुले में सो रहे लोगों को आश्रय स्थल आने का आग्रह करें।

इसके साथ ही उन्होंने आश्रय स्थल संचालक को सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा उच्चतम न्यायालय की गाइडलाइंस के अनुरूप हीटरए टीवी व अन्य सुविधाएं भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त सत्यनारायण राठौर भी उनके साथ रहे।

अन्नपूर्णा रसोई का लिया फीडबैक:- आयुक्त ओम प्रकाश मेहरा ने अस्पताल परिसर स्थित श्री अन्नपूर्णा रसोई का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां भोजन कर रहे लोगों से भोजन को लेकर फीडबैक भी लिया। लोगों ने भोजन की गुणवत्ता को सही बताया। आयुक्त ने संचालक को गाइडलाइंस के अनुरूप भोजन की गुणवत्ता और मात्रा सुनिश्चित करनेए रसोई में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा आमजन से निर्धारित राशि ही लेने के लिए पाबंद किया।

जोधपुर में छापा मारने पहुंची डीजीजीआई की टीम पर हमला, एक गिरफ्तार

जीएसटी चोरी के बड़े नेटवर्क पर छापा मारने पहुंची जयपुर की टीम से ट्रांसपोर्टर और उसके स्टाफ ने धक्का-मुक्की की, दो कंप्यूटर व सीपीयू छीन लिए

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में गुरुवार सुबह डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) की टीम पर हमला हो गया। जीएसटी चोरी के बड़े नेटवर्क पर छापा मारने पहुंची जयपुर की टीम से ट्रांसपोर्टर और उसके स्टाफ ने धक्का-मुक्की की, दो कंप्यूटर सीपीयू छीन लिए। ट्रक से टक्कर मारकर सरकारी गाड़ी को क्षतग्रस्त कर दिया। पुलिस ने एक व्यक्ति को अरेस्ट किया है।

बासनी थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया सुबह 7:15 बजे डीजीजीआई की टीम इंडस्ट्रियल एरिया सेकेंड फेज में स्थित बिश्नोई रोड लाइंस पर पहुंची। ऑफिस पर ताला लगा था, डीजीजीआई की टीम बाहर इंतजार कर रही थी। तभी सुनील विश्नोई नामक व्यक्ति आया, ऑफिस खोला और दो सीपीयू ले जाने लगा। (डीजीजीआई) की टीम ने रोकने की कोशिश की तो उसने धक्का-मुक्की की। ट्रक से डीजीजीआई की गाड़ी को टक्कर मारी, इसी दौरान एक ऑटो रिक्शा भी इसकी चपेट में आ गया। ट्रांसपोर्टर पुखराज खावा और उसके स्टाफ ने धक्का-मुक्की और हाथापाई करते हुए सीपीयू छीन लिए। आरोपियों ने एक सीपीयू को अपने साथी की कार में रखवाकर वहां से भगा दिया। दूसरा सीपीयू टीम से छीनकर एक ट्रक में रख लिया और भाग गए। भागते समय डीजीजीआई की टीम की गाड़ी जो ट्रक के ठीक सामने खड़ी थी, उसके टक्कर मार दी।

■ **डीजीजीआई की टीम स्टील इंडस्ट्री और ट्रांसपोर्ट से जुड़े जीएसटी चोरी नेटवर्क पर कार्रवाई करने जोधपुर पहुंची थी**

विभागीय सूत्रों के अनुसार अन्य फर्मों के बारे में भी छानबीन की जा रही है। मौके से पकड़े गए सुनील विश्नोई की ट्रांसपोर्ट कंपनी में और हमला करवाने में भूमिका के बारे में पड़ताल जारी है। आशंका जताई जा रही है कि मौके से जो सीपीयू ले गए, उनमें जरूरी डेटा हो सकता है।

डीजीजीआई की टीम स्टील इंडस्ट्री और ट्रांसपोर्ट से जुड़े जीएसटी चोरी नेटवर्क पर कार्रवाई करने जोधपुर पहुंची थी। ट्रांसपोर्ट कंपनी की दो या तीन फर्मों से फर्जी बिल्टी जारी करने के साथ ही बोगस बिलिंग से जीएसटी चोरी का आरोप था। टीम को सूचना मिली थी कि फर्जी बिलिंग के जरिए करोड़ों की जीएसटी की चोरी की जा रही है। (डीजीजीआई) लंबे समय से नेटवर्क पर नजर रख रही थी।

बासनी थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने डीजीजीआई की टीम से घटना की जानकारी ली और आसपास के विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया। पुलिस को उम्मीद है कि सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान हो सकेगी और कार-ट्रक के नंबर मिल सकेंगे।

मॉडल उत्तर कुंजी जारी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर (चिकित्सा शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के अंतर्गत ब्रांड स्पेशियलिटी- पेडियाट्रिक्स तथा एनेस्थिसियोलॉजी विषयों की मॉडल उत्तर कुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी हैं। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि उक्त परीक्षा अंतर्गत इन विषयों की परीक्षा का आयोजन 4 जुलाई 2025 को किया गया था। यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 14 से 16 नवंबर 2025 को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है। आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करें। उक्त परीक्षाओं के मॉडल प्रश्न पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आपत्ति प्रामाणिक (स्टैंडर्ड, ऑथेंटिक) पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाईन ही प्रविष्ट करें।

दहेज को लेकर विवाहिता से मारपीट, घर से निकाला

नदबई/भरतपुर, (निसं)। नदबई कस्बा निवासी रेनू कुमारी ने दहेज की मांग करने व मारपीट कर प्रताड़ित करने व घर से निकालने का आरोप लगाते हुए अपने पति सहित ससुरालजनों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता रेनू कुमारी पुत्री भावसिंह की 22 फरवरी 2023 में चिकसाना थाना क्षेत्र के गांव बछामदी नोह निवासी जयवीर सोलंकी से शादी हुई। शादी के बाद ही ससुरालजन, दहेज में 15 लाख रुपए की मांग करते हुए मारपीट कर विवाहिता को प्रताड़ित करने लगे। इतना ही नहीं, ससुरालजनों ने पीड़ित महिला को घर से निकाल दिया। पीड़िता का आरोप है कि, मंगलवार को पीड़िता के भाई व अन्य रिश्तेदारों ने समझाइश करने का प्रयास किया।

डूंगरपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि. डूंगरपुर
पता-मालपुर रोड इन्दिरा कॉलोनी डूंगरपुर (राज.)
क्रमांक :- 2025/Oct/SPL-100 दिनांक :- 31/10/2025
ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26
डूंगरपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लिमिटेड अन्तर्गत Supply of high quality grocery items हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 31.10.2025 को प्रातः 06.00 pm बजे तक ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा में वर्णित कार्य से सम्बन्धित विवरण व अन्य शर्ते बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
उपापन हेतु NIB Code - CCF2526A0017, UBN No. CCF2526GLOB00017
राज.संवाद/सी/25/13780 महाप्रबंधक

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER & PROJECT MANAGER WATERSHED CELL CUM DATA CENTER ZILA PARISHAD TONK
File No. :- ( )/1901 Date :- 11/11/2025
NOTICE INVITING BID
NIB No. 20/2025-26
Bids for Construction of Kachcha & Pasture works (02 Package) of total estimated value INR 88.78 lacs under PMKSY-2.0 Block Malpura Distt. Tonk are invited from interested bidders up to 06.00 PM [time], 22-11-2025 [date]. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state and department website (https://water.rajasthan.gov.in/wdsc).
UBN 1. WSC2526WSOB01621, 2. WSC2526WSOB01622
Raj.Samwad/C/25/13791 SE & PM, WCDC, ZILA PARISHAD, TONK

फैक्टरी में श्रमिक की मौत, परिजनों ने हंगामा किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के पुर थाना क्षेत्र स्थित संगम इंडिया फैक्टरी में एक श्रमिक की मौत हो जाने के बाद आक्रोशित परिजनों और समाज जनों ने मुआवजे की मांग को लेकर एमजी हॉस्पिटल मोर्चरी के बाहर हंगामा खड़ा कर दिया। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश कर मामले को शांत करवाया।

पुर थाना प्रभारी पुष्पा कसौटिया ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र के चावंडिया गांव का रहने वाला राजेंद्र कुमार पिछले चार-पांच साल से संगम इंडिया फैक्टरी में काम कर रहा था। 8 नवंबर की रात करीब आठ बजे वह फैक्टरी गया, लेकिन अगले दिन सुबह पांच बजे बेहोश मिला, जिसे फैक्टरी कर्मचारी ने ही एमजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। हालत में सुधार नहीं होने पर 10 नवंबर को दोपहर में उन्हें शहर के ही एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद आक्रोशित समाज और साथी श्रमिकों ने मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा खड़ा कर दिया।

■ **पुलिस मौके पर पहुंची, समझाइश कर मामले को शांत कराया**

हंगामा के बाद फैक्टरी प्रबंधन के साथ जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा के प्रतिनिधि अजय पांचाल, मांडल विधायक उदयलाल भड़ाना के प्रतिनिधि अमर सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन सिंहज कन्हैयालाल तेली और एडवोकेट ओमप्रकाश तेली के बीच वार्ता का दौर चला। इसके बाद परिजन पोस्टमार्टम करने के लिए तैयार हुए और मृतक राजेंद्र का पोस्टमार्टम हुआ। मृतक तीन बेटियों का पिता था। सबसे बड़ी 10 साल की, उस छोटी 4 साल की और सबसे छोटी बेटी 6 माह की है। ऐसे में पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुए फैक्टरी प्रबंधन ने उचित मुआवजे पर सहमति बनाई और मामला शांत हो पाया।

पॉक्सो के दोषी को 20 साल का कारावास

भीलवाड़ा, (निसं)। नाबालिग के अपहरण, दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट में दोषी आरोपी को पॉक्सो कोर्ट संख्या एक के न्यायाधीश बालकृष्ण मिश्र ने 20 साल का कठोर कारावास और 59 हजार के जुर्माने से दंडित किया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक धर्मवीर सिंह कानावत ने बताया कि 31 जुलाई 2024 को प्रार्थी ने फूलिया कलां थाने पर रिपोर्ट दी, जिसमें उसने बताया कि उसके घर पर घोड़ी को ट्रेंड करने के लिए एक व्यक्ति योगेश उर्फ नारायण पुत्र सोहनलाल दमानी आता था, इसलिए वह पूरे परिवार से परिचित था। वह प्रार्थी की नाबालिग पुत्री को बहला फुसला कर अपहरण कर अपने साथ ले गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पीड़िता की तलाश कर दस्तयाब किया तो पीड़िता ने पुलिस को बताया कि नारायण ने घोड़ी को ट्रेंड करने के नाम किया, तब वह 15-20 दिन उनके घर पर ही रहा, इस दौरान इंस्टाग्राम पर उन दोनों की दोस्ती हो गई और फिर वह शादी का झांसा देने लगा।

पथराव मामले में दो गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और उसकी कार पर पथराव के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो नाबालिगों को डिटेन किया है। आरोपियों ने लूट की मंशा से इस वारदात को अंजाम दिया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों को लड़कियों के कपड़े पहनाकर कस्बे में जुलूस भी निकाला।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि यह घटना 9 नवंबर की रात की है। न्यू हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 7, डूंगरपुर निवासी मेहुल चौबीसा अपने भाई यनिश चौबीसा और इन्फ्लूएंसर ऋतिक राठौड़ के साथ रतनपुर से डूंगरपुर लौट रहे थे। बलवाड़ा के पास कार रोककर वे बाथरूम के लिए उतरे। इसी दौरान पीछे से एक पत्थर आकर मेहुल चौबीसा के सिर पर लगा, जिससे उनके सिर से खून बहने लगा। अचानक हुए इस पथराव से घबराकर मेहुल कार की ओर भागे। जैसे ही वे कार लेकर निकलने लगे, तभी कार पर अचानक पथराव शुरू हो गया, जिससे कार के आगे और पीछे के शीशे टूट गए।

पुलिस ने आरोपियों को लड़कियों के कपड़े पहनाकर जुलूस निकाला।

सभी लोग इस घटना से घबरा गए और घायल मेहुल को लेकर तुरंत डूंगरपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उन्हें भर्ती कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने करोली निवासी नवाधरा निवासी सुरेश कटारा और धनपाल कटारा को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपने दो नाबालिग साथियों के साथ मिलकर लूट की मंशा से वारदात को अंजाम देना कबूल किया। आरोपियों ने बताया कि वे नशे के आदी हैं और अपने शौक पूरे करने के लिए लूट की नीयत से पत्थरबाजी की इस घटना को अंजाम दिया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने इन आरोपियों को लड़कियों के कपड़े पहनाए। उनके गले में आज के बाद हम पत्थरबाजी नहीं करेंगे और पत्थरबाजी मत करो, जैसे नारे लिखी तख्तियां डालकर कस्बे में जुलूस निकाला।

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जोविप्रा/2025-26/1931 दिनांक :- 12/11/2025
ई-निविदा सूचना संख्या - मुख्यालय/37/2025-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संस्था जो निविदा की निर्धारित शर्तो को पूर्ण करती है, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
UBN No. : JOD2526SLOB00433
राज.संवाद/सी/25/13753 अधिशाषी अभियंता

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि नगर खण्ड बीकानेर
क्रमांक- दिनांक-28.10.2025
Notice Inviting Bid: 21/2025-26
Bid for the "Various Civil Works" are invited from interested bidders from 01.11.2025 (09.30 AM) to 17.11.2025 (06.00PM) & Open date 18.11.2025 (11.00 AM), other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 289.26 Lakh.
UBN NO. PWD2526WSOB16235, PWD2526WSOB16236, PWD2526WSOB16237, PWD2526WSOB16238, PWD2526WSOB16240, PWD2526WSOB16241, PWD2526WSOB16242, PWD2526WSOB16243, PWD2526WSOB16244, PWD2526WSOB16245, PWD2526WSOB16247, PWD2526WSOB16251, PWD2526WSOB16254, PWD2526WSOB16256
DIPR/C/16612/2025 Executive Engineer PWD City Division, Bikaner

हथियार उपलब्ध कराने वाला गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। शहर के गोबिंद गुप्ता हॉस्पिटल के पास खड़े हुए ऑनलाइन माध्यमों से अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाले आरोपी कृष्णावतार उर्फ कृष्णा (30) पुत्र हीरोसिंह निवासी हथैनी, चिकसाना (भरतपुर) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी अवैध हथियारों की आपूर्ति कर अपहरण, लूट, डकैती, वाहन चोरी, जमीन कब्जा व हत्या जैसे गंभीर अपराधों में प्रयुक्त हथियार उपलब्ध कराता था। आरोपी से गहन पूछताछ कर उसके नेटवर्क में शामिल अन्य व्यक्तियों का भी पता लगाया जा रहा है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज पाए गए हैं।

पुलिस के अनुसार 12 नवम्बर को गोबिंद गुप्ता हॉस्पिटल के पास से आरोपी को गिरफ्तार करने सहित उससे बरामद हुए, स्काई रंग का आईफोन 15 में विभिन्न प्रकार के अवैध हथियारों के फोटो पाए गए। साथ ही व्हाट्सएप चैट्स में कई मोबाइल नंबरों से हथियार और कारतूसों की खरीद-फरोख्त से संबंधित बातचीत, फोटो और वीडियो मिले थे। कुछ चैट्स में हथियारों की कीमतें और डिलीवरी की जानकारी भी दर्ज गई थी। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज पाए गए हैं। वहीं पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

चौकीदार की संदिग्ध मौत

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के बलवाड़ा गांव स्थित एक फॉर्म हाउस में चौकीदार की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। चौकीदार को बेहोशी की हालत में पाया गया था, जिसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

बलवाड़ा निवासी बेटे दिनेश बरंडा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया गया कि उसके पिता कांति बरंडा गांव में एक फॉर्म हाउस पर चौकीदारी का काम करते थे। दिनेश और उसके दो भाई अहमदाबाद में रहते हैं, जबकि पिता कांतिलाल और बहन पायल घर पर ही रहती हैं। दिनेश ने बताया कि बुधवार शाम उसके पिता रोज की तरह फॉर्म हाउस पर गए थे। कुछ देर बाद बहन पायल उन्हें देखने गई तो कांतिलाल बेहोशी की हालत में जमीन पर गिरे हुए मिले। परिजनों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस बुलाकर उन्हें डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

कार से 43 किलो डोडा-पोस्त बरामद

पुलिस ने कार सवार युवक को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती डांगियावास पुलिस थाना क्षेत्र में पीथासनी पुल पर पुलिस ने नाकाबंदी कर एक कार को रुकवाया। कार की तलाशी ली गई तब उसमें 43 किलो से ज्यादा से डोडा-पोस्त मिला। पुलिस ने कार में सवार युवक को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ पाली जिले के रायपुर थाने में भी मादक पदार्थ तस्करी का प्रकरण दर्ज है।

डांगियावास थानाधिकारी दौलाराम ने बताया कि मुखबिरी सूचना मिली कि पीथासनी पुल से होकर एक स्वीफ्ट निकलने की संभावना है, इसमें अवैध रूप से डोडा-पोस्त लादा गया है। इस पर थानाधिकारी ने मय जाब्ते ने पुल पर नाकाबंदी की और स्वीफ्ट कार को रुकवा कर तलाशी ली। कार में तीन प्लास्टिक कट्टे मिले, जिनमें दो पूरे भरे थे और एक आधा खाली था। कट्टों में अवैध डोडा-पोस्त मिला। इसका वजन किए जाने पर यह 43 किलो 250 ग्राम निकला।

थानाधिकारी दौलाराम ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में बाबलों का बास फिटकासनी निवासी महेंद्र पुत्र रामाराम बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ रायपुर पाली में भी एक प्रकरण अब तक सामने आया है।

डॉक्टर से मारपीट, तीन हिरासत में

करौली, (निसं)। मंडरायल उप जिला चिकित्सालय में बुधवार देर रात मारपीट और तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। इलाज के लिए पहुंचे एक युवक ने ड्यूटी पर तैनात डॉ. से बदसलूकी कर मारपीट की। उसके साथियों ने अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ की। डीएसपी अनुज शुभम ने बताया कि रात करीब 8:15 बजे आरोपी बंटी जाटव उपचार के लिए अस्पताल आया था। इलाज के दौरान उसने डॉ. संदीप कुमार से अभद्रता की। कुछ देर बाद आरोपी के करीब 12 साथी भी अस्पताल पहुंच गए और मिलकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस घटना में डॉ. संदीप को हल्की चोटें आईं। सूचना मिलते ही डीएसपी अनुज शुभम सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस अधिकारियों ने चिकित्सक और स्टाफ से जानकारी ली। आक्रोशित डॉक्टरों और नर्सिंगकर्मियों ने सुरक्षा की मांग को लेकर एक घंटेकार्य बहिष्कार किया।

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राजस्थान)
(अस्पताल चौराहा, जोधपुर रोड, जालोर-343001)
Tel.- (02973) 222270 E-mail : mbjalore24@yahoo.in
क्रमांक: नपजा/SBM/2025-26/5482 दिनांक: 08.11.2025
निलामी सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद जालोर के सिवरेज ट्रीटमेन्ट प्लांट के सोधित पानी को सिचाई कार्यो के लिए सार्वजनिक निलामी सूचना ठेका वर्श 2025-26 हेतु दिनांक 24.11.2025 व 25.11.2025 को दोपहर 3.00 बजे से 5.00 तक निलामी की जायेगी।
अतः इच्छुक व्यक्ति/ठेकेदार निर्धारित दिनांक को नगर परिशद कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित अमानत राशि 10000.00 रूपये जमा करवाकर अपने नाम से बोली लगाकर ठेका ले सकते है। ठेके की शर्ते किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय तथा विभागीय पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती है।
निलामी स्थल :- कार्यालय नगर परिषद जालोर
UBN - DLB2526A7859
राज.संवाद/सी/25/13687 आयुक्त नगरपरिषद,जालोर

कार्यालय अति. जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, जैसलमेर
पता - एडीपीसी कार्यालय, मलका प्रौल के पास, सूली डूंगर, जैसलमेर
क्रमांक :- सशि/जैसल/निविदा/नीति आयोग/2025-26/ दिनांक :- 11/11/2025
ई-निविदा सूचना संख्या - 16/2025-26
नीति आयोग आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत नीति अनटाईड फण्ड द्वारा विभाग में विभिन्न संसाधनों की आपूर्ति हेतु कार्यालय जिला कलक्टर जैसलमेर के प्रशासनिक स्वीकृति क्रमांक 979 दिनांक-24.07.2025 व वित्तिय स्वीकृति क्रमांक 1446 दिनांक 24.09.2025 के क्रम में कुल राशि 3,20,00000/- विभाग को प्राप्त हुई है जिनमें से 1,50,00000 राशि में से जिले के 25 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास रूम की आपूर्ति व इन्स्टालेशन की जानी है इस हेतु पंजीकृत / रजिस्टर्ड फर्मों से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।
निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण website :- http://sppp.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर डाउनलोड करने की अवधि दिनांक 10.11.2025 रात्रि 10:00 बजे से दिनांक 01.12.2025 तक सांय 06:00 बजे तक रहेगी।
निविदा शुल्क ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क से सम्बन्धित दस्तावेज निविदादाता द्वारा संबंधित जिला कार्यालय में दिनांक 01.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक जमा करवाया जाना सुनिश्चित करें।
दिनांक 01.12.2025 को सांयकाल 03:00 बजे खोली जायेगी।
UBN NO. RSE2526GLOB03901 अति. जिला परियोजना समन्वयक
राज.संवाद/सी/25/13788 समग्र शिक्षा, जैसलमेर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD ELECTRICAL DIVISION KOTA
No.-623 Date: 07.11.2025
Notice Inviting Bid (NIT No. 19/2025-26)
Bids for 01 No. AC work at District Kota are invited from interested bidders up to 06.00 PM on 20.11.2025 (Thursday) Other particulars of bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State The approximate value of the procurement is Rs. 150.25 Lac.
UBN-PWD2526WSOB16472
DIPR/C/16558/2025 Executive Engineer PWD Elect Div Kota

जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता क्षेत्रीय उद्योगशाला खण्ड, नर्मदा नहर परियोजना, सांचौर
क्रमांक-लेखा/निविदा/2025-26/1212-25 दिनांक-08.11.2025
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26
नर्मदा नहर परियोजना के विभिन्न पम्पिंग स्टेशनों के संचालन एवं रख-रखाव कार्य हेतु जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत, के.लो.नि.वि.ए.डाक, दूरसंचार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारों/केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों/संगठनों के पास सूचिबद्ध ठेकेदार जो राजस्थान के पात्र श्रेणी के समतुल्य हो से दिनांक 20.11.2025 सायं 06.00 बजे तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। बिड की अन्य शर्तें वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, water.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
NIB CODE- NCP2526A0001, UBN CODE-NCP2526WSOB00001
(कनिष्का चौधरी) अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/16626/2025 क्षैत्रीय उद्योगशाला खण्ड न.न.प. सांचौर, मो.नं. 7425981959

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम), एसबीटू एण्ड पीसी-लिग्नाईट, सी-स्कीम, जयपुर- 302005(राज.), फोन नम्बर: (0141)2227938/2227710,2227715, फैक्स: (0141)2227360,2227761, Email:- Jaipur.rsmml@rajasthan.gov.in
ई-निविदा सूचना दिनांक :- 12/11/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
F.6(1)75/CC/Securiy Barmer/19 dated 11.11.2025 UBN No. MML2526SLOB00105	बाड़मेर जिले में स्थित लिग्नाईट खदानों पर सुरक्षा की दृष्टि से अनुबंध के आधार पर चालीस (40) अकुशल श्रेणी के श्रमिकों। अनुमानित मूल्य (रू.) 22.50 लाख, धरोहर राशि (रू.) – 45,000/–, निविदा राशि– 1180/– अहस्तान्रणीय, जी.एस.टी. सहित। रूपये 500/– डीडी द्वारा एमडी, आरआईएसएल के पक्ष में देय हो।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी-अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/25/13740 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जो.वि.प्रा./पश्चिम/2025-26/राजकाज 18774245 दिनांक :- 11/11/2025
ई-बिड सूचना संख्या :- जोन पश्चिम/11/2025-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्यो हेतु मुहरबंद बिड आमंत्रित की जाती हैं। इन कार्यो की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.joda.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB Code : JOD2526A0185
UBN No. : JOD2526WSOB00404 To JOD2526WSOB00421
राज.संवाद/सी/25/13746 अधिशाषी अभियंता (पश्चिम)

इंदिरा गांधी नहर में पानी बंटवारे को लेकर किसान आमने-सामने हुए

नाराज किसानों ने पथराव किया, पुलिसकर्मियों को चोट आई, पुलिस की गाड़ी और जेसीबी के शीशे तोड़े

बीकानेर, (निसं)। यहां गुरुवार को किसान और पुलिसकर्मी आमने-सामने हो गए। गुस्साए किसानों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। मामला जिले के खाजूवाला थाना क्षेत्र का है। इस पथराव में पुलिस की गाड़ी और जेसीबी के शीशे टूट गए। वहीं कुछ पुलिसकर्मियों को चोट भी लगी है।

जानकारी के अनुसार इंदिरा गांधी नहर में पानी बंटवारे को लेकर खाजूवाला क्षेत्र के किसानों ने विरोध किया था। दोपहर तीन बजे किसान नहरी क्षेत्र में शामिल होना शुरू हो गए और प्रदर्शन करने लगे। इनका कहना था कि नहरी पानी के मोघे का साइज सही नहीं है। कुछ किसानों को इस मोघे से अतिरिक्त पानी मिल रहा है। वहीं दूसरे पक्ष के किसानों का कहना था कि मोघा सही है, इसे बदलने नहीं देंगे। इसी विवाद के चलते दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। इसी को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया था। समझाइश के लिए तहसीलदार राजकुमारी बिश्नोई भी पहुंची। इसी विवाद को लेकर कहासुनी शुरू हो गई और किसानों ने पथराव शुरू कर दिया। समझाइश के दौरान किसानों ने अचानक पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचा। जानकारी के अनुसार दो दिन पहले इंदिरा गांधी नहर की आरडी-145 से मोघे बदल दिए गए थे। इसी बात को लेकर किसान नाराज थे।

■ **किसानों का कहना था कि नहरी पानी के मोघे का साइज सही नहीं है, कुछ किसानों को इस मोघे से अतिरिक्त पानी मिल रहा है**

■ **वहीं दूसरे पक्ष के किसानों का कहना था कि मोघा सही है, इसे बदलने नहीं देंगे, इसी विवाद के चलते दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए**

किसानों के दो पक्ष बने हुए हैं। एक पक्ष का आरोप था कि इस नजर से किसानों को ज्यादा पानी दिया जा रहा है। जबकि दूसरे पक्ष का कहना था कि पानी की बारी का समय सही है। मोघे को लेकर प्रशासन ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया लेकिन विवाद शांत नहीं हुआ। इसे लेकर पूर्व में हुई शिकायत पर एक कमेटी बनाई गई थी। विवाद के बाद कमेटी भी मौके पर पहुंची। किसानों को पानी बराबर मिले इसलिए मोघे को सही करने की बात की जा रही थी। इसके बाद नाराज किसान नहर अधिकारियों पर बुलाने की जिद पर अड़ गए। कुछ देर बाद नहर अधिकारी वहां पहुंचे और दोनों पक्षों में बातचीत शुरू हुई।

बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के किसानों में विरोध शुरू हो गया। इस दौरान तहसीलदार राजकुमारी बिश्नोई भी मौके पर थी। किसानों के समझाने के प्रयास के बाद भी वे महिला तहसीलदार से उलझते रहे। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली तो कुछ गाड़ियां मौके पर पहुंची। पुलिस ने किसानों को हटाने का प्रयास किया तो उन्होंने पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस पत्थरबाजी में तहसीलदार बिश्नोई बाल-बाल बची। पथराव के दौरान किसानों ने पुलिस की गाड़ी और जेसीबी के शीशे तोड़ दिए। इस दौरान सब इंस्पेक्टर हरपाल सिंह भी वहां मौजूद थे। पथराव में पुलिस की दो गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है। बताया जा रहा है कि इस पथराव में दो पुलिसकर्मियों को भी चोट लगी है, हालांकि कोई गंभीर रूप से घायल नहीं है।

पथराव की सूचना के बाद खाजूवाला सीओ अमरजीत सिंह और सीआई सुरेंद्र प्रजापत भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद किसानों से दोबारा समझाइश की गई कि मोघे बदलने से उन्हें पूरी मात्रा में पानी दिया जाएगा, लेकिन किसानों का कहना है कि बार-बार मोघे बदलने से किसानों की बारी सही नहीं आ पा रही है। ऐसे में देर शाम तक इनका विरोध चलता रहा। जानकारी अनुसार जब पानी की बारी खत्म होती है तो अंतिम मोघे से पानी निकलता रहता है। इस अतिरिक्त पानी को लेकर ही किसानों में विवाद होता है। जिस मोघे पर विवाद हुआ, वहां से आगे के किसानों को ऐसे में कुछ पानी कम मिल रहा है और इस मोघे से बारी के बाद भी किसानों को पानी दिया जा रहा है।

MUNICIPAL COUNCIL RAJSAMAND
Zila Parishad Road, Near Fire Station, Rajsamand
Tel. No. :- 02952-220034 Email:- rajsamandnagarpalika@gamil.com
S.No. F( )/MCR/SBM/SWM Processing/2025-26/6426 Date :- 07.11.2025
Notice Inviting Request for Proposal (RFP)
Online Proposal are invited on behalf of Municipal Council Rajsamand from the reputed, experienced and technically eligible contractors for the services of **"Design, construction, establishment and development of processing plant and required development work and maintenance of Engineered sanitary landfill site and o&m the 20 years having a minimum adequate capacity for Rajsamand and scalable further as per requirement on VGF basis** and revised from time-to-time" The further detailed bid conditions can be downloaded from website http://Sppp.rajasthan.gov.in, or http://eproc.rajasthan.gov.in, estimate cost of work 680.00 Lacs and bid security 13.60 Lacs request for proposal submission end date of time as below :-

Publishing Date & Time	11.11.2025 at 06:00 PM
Request for Proposal Download start Date & Time	12.11.2025 at 09:00 AM
Pre-bid conference & site visit will be held on	20.11.2025 at 01.00 PM
Request for Proposal submission End Date & Time	11.12.2025 at 06:00 PM
Physically Document Submission Date & Time	12.12.2025 at 01:00 PM
Technical Bid Opening Date & Time	12.12.2025 at 04:00 PM at ULB Rajsamand
UBN NO. :-	DLB2526WLOB23741

Raj.Samwad/C/25/13724 Commissioner Municipal Council Rajsamand

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
झलकारी बाई स्मारक के पास पंचशील-लोहागल मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920
क्रमांक :-MEW/2025-26/512 दिनांक:- 03.11.2025
:: अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 41/2025-26 ::
नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	राशि 645.96 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	Date 01.11.2025 To 13.11.2025 Time 6.00 PM तक
प्री-बिड मिटिंग की तिथि व समय	Date 06.11.2025 Time 11.00 AM पर Additional Chief Engineer Chamber (Nirman Section) Municipal Corporation Ajmer
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 14.11.2025 Time 11.00 AM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।
NIB CODE :-ANN2526A0150
UBN NO. :-ANN2526WLOB00199
राज.संवाद/सी/25/13802 अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम अजमेर

प्रधानाचार्य और अधीक्षक अब नहीं कर सकेंगे प्राइवेट प्रेक्टिस

मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार ने लिया निर्णय

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार ने प्रदेश राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों एवं इससे संबद्ध अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की मंजूरी के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक, अतिरिक्त प्रधानाचार्य एवं संबद्ध अस्पतालों में अधीक्षकों की नियुक्ति के लिए नियमों में बदलाव करते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये दिशा-निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

चिकित्सा मंत्री खींवसर ने कहा है कि मेडिकल कॉलेज एवं इससे संबद्ध अस्पतालों में मरीज भार अत्यधिक होने के साथ ही यहां प्रशासनिक कार्यों की अधिकता रहती है और विशेष परिस्थितियों में कार्य सम्पादन किया जाता है। ऐसे में मेडिकल कॉलेजों में पूर्णकालिक रूप से दक्ष एवं कुशल प्रशासक होना आवश्यक है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने विस्तृत विचार विमर्श के बाद प्रधानाचार्यों, अतिरिक्त प्रधानाचार्यों एवं अधीक्षकों के चयन एवं नियुक्ति के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं, इस जनहितैषी निर्णय से स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर प्रबंधन हो सकेगा।

विभागाध्यक्ष एवं यूनिट हैड भी नहीं बन सकेंगे

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि परिपत्र के अनुसार राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक तथा संबद्ध अस्पतालों के अधीक्षक प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। वे अपने आचार्य या वरिष्ठ आचार्य जैसे पदीय कर्तव्यों के लिए एक चैथाई से ज्यादा समय नहीं देंगे।

- **मेडिकल कॉलेज प्रधानाचार्य, अतिरिक्त प्रधानाचार्य एवं अधीक्षकों की नियुक्ति के लिए नई गाइडलाइन जारी**

चयनित प्रधानाचार्य एवं अधीक्षक को विभागाध्यक्ष या यूनिट हैड बनने की अनुमति नहीं होगी। इसके लिए उन्हें आवेदन पत्र के साथ इस संबंध में घोषणा पत्र भी देना होगा। उन्हें यह भी शपथ पत्र देना होगा कि वे पीएमसी के पद पर पूर्णकालिक रूप से कार्य करेंगे।

समिति करेगी चयन, अधिकतम आयु 57 वर्ष

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि राजकीय एवं राजमेस चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक पद के लिए वरिष्ठ आचार्य के पद पर कार्यरत राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की गाइडलाइन के अनुसार पात्र शिक्षक ही आवेदन कर सकेंगे। यदि महाविद्यालय में पात्र चिकित्सक-शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, तो केंद्र या राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यरत पात्र चिकित्सक भी आवेदन कर सकेंगे। इस पद पर नियुक्ति मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित चयन समिति द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से की जाएगी। समिति में कार्मिक विभाग एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव तथा राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय या मारवाड़ चिकित्सा महाविद्यालय के कुलपति सदस्य होंगे। इस पद पर आवेदन के लिए अधिकतम आयु सीमा 57 वर्ष निर्धारित की गई है। प्रधानाचार्य के पद हेतु अधीक्षक या अतिरिक्त प्रधानाचार्य के पद पर 3 वर्ष का कार्य अनुभव एवं विभागाध्यक्ष के पद पर 2 वर्ष का अनुभव आवश्यक होगा।

प्रधानाचार्य का स्थानांतरण भी संभव

परिपत्र के अनुसार समिति द्वारा प्रधानाचार्य पद के लिए 3 चिकित्सा अधिकारियों का पैनल बनाया जाएगा। सक्षम स्तर से पैनल के अनुमोदन के उपरांत चयनित अधिकारी को प्रधानाचार्य के पद पर पदस्थापित किया जाएगा। राज्य हित में इन चयनित प्रधानाचार्यों को अन्य मेडिकल कॉलेज में भी स्थानांतरित किया जा सकेगा। इनका कार्यकाल प्रथमत: 3 वर्ष का होगा। इनके कार्यकाल में 2 वर्ष की अभिवृद्धि प्रशासनिक विभाग के अनुमोदन उपरांत की जा सकेगी। प्रधानाचार्य द्वारा पद पर कार्य करने में असमर्थता व्यक्त करने या उस पर भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अकुशलता एवं गंभीर आरोप होने पर राज्य सरकार द्वारा संबंधित जिला कलेक्टर, संभागीय आयुक्त या अन्य सक्षम अधिकारी अथवा समिति से जांच करवाई जा सकेगी।

वरिष्ठतम आचार्य बनेंगे अधीक्षक

इसी प्रकार अधीक्षकों की नियुक्ति के लिए जारी परिपत्र के अनुसार एकल विशिष्टता युक्त शैक्षिणक चिकित्सालयों में संबंधित विशिष्टता के वरिष्ठ आचार्य को अधीक्षक नियुक्त किया जाएगा। यदि वरिष्ठ आचार्य द्वारा पद ग्रहण करने में लिखित रूप से असमर्थता व्यक्त की जाती है अथवा राज्य सरकार द्वारा उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता है, तो उसी संस्थान में कार्यरत अगले वरिष्ठ आचार्य को अधीक्षक नियुक्त करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

बहुविशिष्टता वाले शैक्षिणक चिकित्सालयों में अधीक्षक की नियुक्ति चयन समिति की अनुशंसा के आधार पर की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव की अध्यक्षता में गठित इस समिति में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त, अतिरिक्त निदेशक (अस्पताल प्रशासन एवं एकेडमिक) एवं संबंधित चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य सदस्य के रूप में शामिल होंगे। समिति द्वारा पात्र आवेदकों का साक्षात्कार लेकर नियुक्ति हेतु नामों का पैनल तैयार किया जाएगा, जिसमें से राज्य सरकार किसी एक चिकित्सक को अधीक्षक नियुक्त करेगी।

अन्य कॉलेज के चिकित्सक भी कर सकेंगे आवेदन

बहु विशिष्टता युक्त चिकित्सालयों के अधीक्षक पद पर नियुक्ति हेतु संबंधित चिकित्सा महाविद्यालय में कार्यरत विषयों के वे वरिष्ठ आचार्य या आचार्य पात्र होंगे, जो कम से कम 5 वर्ष की सेवा इन पदों पर पूर्ण कर चुके होंगे।

इनके उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में जो इस योग्यता के सबसे करीब हो, उनका चयन किया जा सकेगा। अगर मेडिकल कॉलेज में पात्र चिकित्सक उपलब्ध नहीं होंगे तो केंद्र या राज्य सरकार के अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यरत पात्र चिकित्सक को आवेदन की अनुमति होगी। अधीक्षक के पद पर आवेदन करने वाले चिकित्सकों को इस पद पर पूर्णकालिक कार्य करने का शपथ पत्र देना होगा। वे अपने पदीय कर्तव्यों पर एक चैथाई से अधिक समय व्यतीत नहीं कर सकेंगे तथा एचओडी एवं यूनिट हैड के साथ ही निजी प्रैक्टिस भी नहीं कर सकेंगे। इनकी नियुक्ति प्रथमत: 3 वर्ष के लिए की जाएगी, जिसे प्रशासनिक विभाग के अनुमोदन से 2 वर्ष तक बढ़ाया जा सकेगा।

अधिकतम 5 अतिरिक्त प्राचार्य बना सकेंगे

वर्तमान में राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में अतिरिक्त प्रधानाचार्य के पदों एवं कार्यों के संबंध में एकरूपता नहीं है। इसे देखते हुए अब यह निर्धारित किया गया है कि किसी भी मेडिकल कॉलेज में 5 से अधिक अतिरिक्त प्रधानाचार्य नहीं होंगे। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय में विभिन्न कार्यों के कुशल संचालन हेतु इनके दायित्व भी निर्धारित किए गए हैं।

ये एकेडमिक, रिसर्च एवं फैकल्टी अफेयर्स, स्टूडेंट अफेयर्स, प्रशासन तथा क्लिनिकल एवं हॉस्पिटल सेवाओं से संबंधित दायित्व संभालेंगे। सभी अतिरिक्त प्रधानाचार्य, प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक के निर्देशन में कार्य करेंगे तथा इन पदों पर नियुक्ति वरिष्ठता के आधार पर वरिष्ठ आचार्यों में से की जाएगी। इनकी नियुक्ति प्रथमत: 3 वर्षों के लिए की जाएगी। यदि किसी अतिरिक्त प्रधानाचार्य की सेवाएं असंतोषजनक पाई जाती हैं तो उसे समय से पहले भी हटाया जा सकेगा।

तीन साल की सेवा संतोषजनक पूर्ण करने वाले अधिकारी को सक्षम स्वीकृति उपरांत एक-एक वर्ष की अवधि के लिए तीन बार पुनर्नियुक्त किया जा सकेगा।

राजस्थान का 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन

सीकर के बजरंग लाल जैथू ने प्रथम और श्रीगंगानगर के खरलां जल उपभोक्ता संगम ने हासिल किया तृतीय पुरस्कार

जयपुर (कासं)। राजस्थान के जल संरक्षण और संचयन के कार्य राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बना रहे हैं। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग द्वारा घोषित 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कारों-2024 में खरलां जल उपभोक्ता संगम, श्रीगंगानगर ने सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ श्रेणी में तृतीय एवं बजरंग लाल जैथू (सीकर) ने जल क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति का प्रथम पुरस्कार (पश्चिम क्षेत्र) प्राप्त किया है। इनके अतिरिक्त बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, पिलानी ने स्कूल और कॉलेज के अलावा सर्वश्रेष्ठ संस्थान की इनसाइड कैंपस उपश्रेणी में द्वितीय-संयुक्त, अंबुजा फाउण्डेशन, जयपुर ने सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया है। सीकर के बजरंगलाल जेठू वर्ष 1993 से जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय है। उन्होंने जल संसाधनों के जीर्णोद्धार, पुनर्स्थापन और संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। इसके अलावा, स्कूलों, उद्यानों और श्मशान जैसे सार्वजनिक स्थानों पर जल संरक्षण के विभिन्न नवाचार भी किए हैं। वहीं, श्रीगंगानगर के खरलां जल उपभोक्ता संगम ने नहरों व खालों की सफाई, लोगों को वसूली कैंप के प्रति जागरूक करना, काश्तकारों के हित में उनको नई तकनीक से अवगत करवाने जैसे उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इन कार्यों के माध्यम से आमजन में जल के महत्व के प्रति जागरूकता आई है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विजेताओं को बधाई दी**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश की जल संरक्षण और इसके संचयन के क्षेत्र में नई पहचान बन रही है। राज्य सरकार ने प्रदेशभर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित कर जल संरक्षण और संचयन के कार्यों को नई दिशा दी है। इसके तहत जलाशयों की मरम्मत, सफाई, जल निकासी व्यवस्था में सुधार, अतिक्रमण हटाना, बांध क्षेत्रों में श्रमदान, पौधारोपण, जल संग्रहण और जल संरक्षण संरचनाओं सम्बंधित कार्य किए गए हैं। इसके साथ ही, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से भूजल रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण भी किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कारों के लिए संयुक्त विजेताओं सहित 46 विजेताओं की घोषणा की है। ये पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ राज्य, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत, सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय, सर्वश्रेष्ठ विद्यालय या महाविद्यालय, सर्वश्रेष्ठ उद्योग, सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ, सर्वश्रेष्ठ संस्थान (विद्यालय या महाविद्यालय के अलावा), सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज और जल क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति सहित 10 श्रेणियों में दिए जाएंगे।

स्वदेशी अपनाएंगे, तभी देश आत्मनिर्भर बनेगा : दिया कुमारी

''आत्मनिर्भर भारत'' संकल्प अभियान के तहत जयपुर में महिला सम्मेलन आयोजित हुआ

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर की ओर से ''आत्मनिर्भर भारत संकल्प'' अभियान के तहत आयोजित विराट महिला सम्मेलन गुरुवार को राजापार्क स्थित भाटिया भवन में आयोजित हुआ। समारोह में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई।

उन्होंने कहा कि जब हम अपने भारत में बने हुए चीजों को खरीदेंगे तभी हमारा देश आत्म निर्भर बन सकेगा। केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने महिलाओं के विकास के लिए अनेक योजना रखी है जिसकी जानकारी आप सभी को होनी चाहिए। 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं को राजनीति में आने के बहुत अवसर मिलेंगे। पंचायती राज, निगम चुनाव, विधानसभा, लोकसभा राज्यसभा सभी जगह महिलाओं का बोलबाला रहेगा।

दिया कुमारी ने कहा कि 19 नवंबर को घूमर महोत्सव आयोजित होने जा रहा है। ज्यादा से ज्यादा संख्या में रजिस्ट्रेशन कर महिलाओं को इसमें हिस्सा लेना है। विद्याधर नगर विधानसभा के फुटबॉल ग्राउंड में 3 से 4 बजे की बीच होगा। यह सातों संभाग के मुख्यालय पर आयोजित होगा। उन्होंने सभी महिलाओं को आत्मनिर्भर भारत का संकल्प भी दिलाया।

भाजपा जयपुर शहर की ओर से आयोजित महिला सम्मेलन में शरीक हुई उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को पदाधिकारियों ने उनका चित्र भेंटकर स्वागत किया।

इस अवसर पर जयपुर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि भारत के विश्व गुरु बनाना है, तो हमें वसुधैव कुटुंबकम की भावना से काम करना होगा।

जहां विश्व शक्ति बनने के बात आती है, तो वहां अहंकार होता है। जब विश्व गुरु बनने की बात आती है तो वहां वसुधैव कुटुंबकम की भावना आती है। 140 करोड़ भारतीयों को मजबूत बनाने का संकल्प है।

सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि सरकार की ओर से महिलाओं के लिए उज्ज्वला योजना, हर घर नल अभी चल रही है जिसके माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहयोग मिल रहा है।

महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री जयश्री गर्ग, भाजपा प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, जयपुर शहर के सह प्रभारी नरेश बंसल, तथा भाजपा प्रदेश मंत्री अजीत मांडन ने भी शिरकत की।

ऋण वसूली अधिकरण ने लगाई लोक अदालत

जयपुर। सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 14 नवम्बर को ऋण वसूली अधिकरणों में लंबित मुकदमों के निपटान के लिए विशेष लोक अदालतों का आयोजन किया गया। जयपुर स्थित ऋण वसूली अधिकरण के लालकोठी शॉपिंग सेन्टर, टोंक रोड, जयपुर स्थित कार्यालय में भी विशेष लोक अदालत आयोजित हुई।

इस लोक अदालत को सफल बनाये जाने के लिए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा भी सभी बैंकों के चैयरमैन, प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी को निर्देशित किया है कि वे सभी इस लोक अदालत में सक्रिय योगदान प्रदान करे एवं अधिकतम प्रकरणों के निस्तारण हेतु अपने अधिनस्थ सभी अधिकारियों को भी सकारात्मक सहयोग हेतु निर्देशित करें ।अधिकरण के पीठसीन अधिकारी विमल गुप्ता द्वारा सभी बैंकों के महाप्रबन्धक व उच्चाधिकारियों के साथ बैठक भी आयोजित की। जिसमें सभी बैंक अधिकारियों द्वारा इस लोक अदालत में अधिकतम प्रकरणों के निस्तारण कर लोक धन की वसूली के लिए अधिकतम प्रयास किये जाने का आश्वासन दिया गया है। लोक अदालत के लिए डीआरटी बार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा भी कोशिशें की जा रही है।

मनरेगा में फार्म पॉण्ड श्रेणी के अंतर्गत हो सकेगा टांका निर्माण का कार्य

जयपुर (कासं)। महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत फार्म पॉण्ड श्रेणी में टांका निर्माण के कार्य किए जा सकेंगे। इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुरोध को केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वीकार किया है।

मुख्यमंत्री ने गत माह केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री से मुलाकात कर निजी कृषि भूमि पर टांका निर्माण कार्य पूर्व की भांति जारी रखने का आग्रह किया था। श्री शर्मा ने कहा कि रेगिस्तानी जिलों में टांका निर्माण जल सुरक्षा, कृषि विकास और जलवायु अनुकूल आजीविका के लिये अत्यन्त उपयोगी, सस्ता और टिकाऊ समाधान है।

- **केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का अनुरोध स्वीकार किया**

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए कहा कि व्यक्तिगत लाभार्थियों के लिए फार्म पॉण्ड का निर्माण महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत अनुमत कार्य है। योजना से संबंधित दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करते हुए व्यक्तिगत लाभार्थियों के लिए टांका निर्माण कार्य को फार्म पॉण्ड श्रेणी के तहत किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे प्रदेश के ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य और केन्द्र की डबल इंजन की सरकार कृषि क्षेत्र में निरंतर दूरगामी निर्णय ले रही है, जिससे किसानों का आर्थिक सशक्तीकरण हो रहा है।

हरमाड़ा हादसे पर उपमुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक

रीको कराएगा आकेड़ा डूंगर औद्योगिक क्षेत्र में 9.85 करोड़ रु. के विकास कार्य

जयपुर। हरमाड़ा में गुरूवार को पुन: भीषण सड़क हादसे को लेकर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सचिवालय में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने दुर्घटना की विस्तृत समीक्षा करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। दिया कुमारी ने कहा कि यह हादसा अत्यंत दुखद है और इससे हुई जनहानि की पीड़ा शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती। उन्होंने संबंधित विभागों को सडक सुरक्षा के सुदृढ उपायों और आपातकालीन राहत व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहे। उन्होंने दुर्घटना में प्रभावित सभी परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और प्रशासन को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। दिया कुमारी ने कहा कि जनता की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार की वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा की पालना में रीको के निदेशक मंडल ने औद्योगिक क्षेत्र आकेड़ा डूंगर-जयपुर में उद्यिमयों की विकास कार्य कराये जाने की लंबी मांग को मानते हुये 985 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों के लिये स्वीकृति प्रदान की है। रीको द्वारा पूर्व में इस औद्योगिक क्षेत्र को अविकसित आधार पर निजी विकासकर्ता को आवंटित किया गया था लेकिन विकासकर्ता द्वारा विकास कार्य नहीं कराने के कारण उद्यिमयों को दिक्कत का सामना करना पड रहा था। उद्यिमयों की समस्याओं के निस्तारण के लिये राज्य सरकार द्वारा पहल कर बजट घोषणा की गयी जिसको रीको द्वारा पूर्ण रूप प्रदान किया जा रहा है।

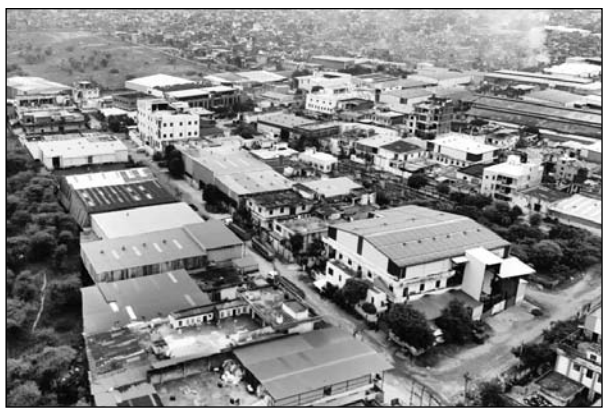

विकास कार्यों के तहत इस लेन में सडकों का सुधार एवं सुदृढ़ीकरण, सीसी पेवमेंट का निर्माण, पेव्ड शॉल्डर्स का निर्माण, आरसीसी बॉक्स टाइप कल्वर्ट निर्माण, रोड जंक्शंस में यूटिलिटी डक्ट बनाने का कार्य किया जायेगा। इसके साथ ही इस क्षेत्र में एलईडी एवं हाई मास्ट लाइट्स भी लगाई जाएंगी जिसके उपरान्त इस औद्योगिक क्षेत्र की आधारभूत सुविधायें भी अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के समकक्ष हो सकेंगी। रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि रीको का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि औद्योगिक क्षेत्रों में अच्छी इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधायें विकसित की जायें जिससे उद्यमी अपनी औद्योगिक इकाइयों का संचालन सुचारू रूप से कर सकें। आकेडा डूंगर औद्योगिक क्षेत्र के समग्र विकास एवं रखरखाव के लिए यह प्रस्तावित विकास कार्य इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन विकास कार्यों से आकेड़ा डूंगर औद्योगिक क्षेत्र जयपुर के निकट एक विकसित औद्योगिक क्षेत्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा और उद्यिमयों को भी सुविधा मिल सकेंगी जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ सकेगी।

विविधताओं को कैसे संभालना है, यह भारत को पूरी दुनिया को सिखाना है : मोहन भागवत

उन्होंने कहा कि ''संघ को प्रत्यक्ष अनुभव किए बिना संघ के बारे में राय मत बनाइए, संघ से जुड़ने के लिए शाखा में आइए, जो अनुकूल लगे वह काम आप कर सकते हैं। संघ पूरे समाज को संगठित करना चाहता है।''

जयपुर (कासं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत ने कहा है कि विविधताओं को कैसे संभालना है, यह हमें दुनिया को सिखाना है क्योंकि दुनिया के पास ऐसा तंत्र नहीं है जो भारत के पास है। वे गुरूवार को को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर 100 वर्ष की संघ यात्रा श्रंखला के अंतर्गत कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, जयपुर के पृथ्वीराज चौहान सभागार में उद्यमी संवाद ''नए क्षितिज की ओर..'' कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश के प्रमुख उद्यिमयों को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि संघ को प्रत्यक्ष अनुभव किए बिना संघ के बारे में राय मत बनाइए। संघ से जुड़ने के लिए शाखा में आइए, जो आपको अनुकूल लगे वह काम आप कर सकते हैं। संघ पूरे समाज को ही संगठित करना चाहता है। पूरा समाज संघ बन जाए यानी प्रमाणिकता से निस्वार्थ बुद्धि से सब लोग देश के लिए जिएं।

सरसंघचालक ने कहा कि संघ के 100 वर्ष की यात्रा पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम कोई सेलिब्रेशन नहीं है बल्कि आगे के चरण की दृष्टि से अपने कार्य की वृद्धि का विचार करने के लिए ये कार्यक्रम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को परम वैभव संपन्न और विश्वगुरु बनाना किसी एक व्यक्ति के वश में नहीं है। नेता, नारा, नीति, पार्टी, सरकार, विचार, महापुरुष, अवतार और संघ जैसे संगठन इसमे सहायक हो सकते हैं परन्तु मूल कारण नहीं बन सकते। यह सबका काम है और इसके लिए सबको साथ लेकर चलना है।

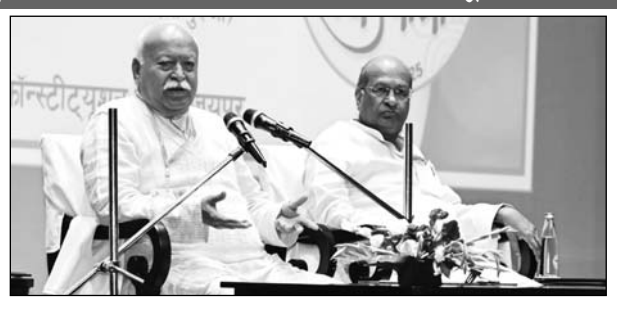

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत ने गुरूवार को जयपुर स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में उद्यमियों से संवाद किया।

उन्होंने कहा कि संघ की स्थापना किसी एक विषय को लेकर नहीं हुई। संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार क्रांतिकारी थे। वे इंडियन नेशनल कांग्रेस के बहुत सक्रिय कार्यकर्ता थे। उसके आंदोलनों में संघ स्थापना के पहले और एक बार स्थापना के बाद दो बार जेल गए। जो देश हित और समाज हित में चल रहा था उसमें वह सक्रिय रहे। असहयोग आंदोलन में उन पर राजद्रोह का अभियोग लगा। उन्होंने बचाव में पक्ष रखना चुना क्योंकि इससे दोबारा भाषण का मौका मिलता । उनके बचाव भाषण को सुनकर जज को कहना पड़ा कि उनका बचाव भाषण पहले भाषण से भी अधिक राज द्रोही है। डॉ. हेडगेवार ने अनुभव किया कि समाज में डेढ हजार साल से जो दुर्गुण आ रहे थे उन्हें दूर करना जरूरी है। उन्हें महसूस हुआ कि संपूर्ण हिन्दू समाज को संगठित किए बिना भारत इस पुरानी बीमारी से मुक्त नहीं होगा। इसलिए उन्होंने एक दशक तक विचार और प्रयोगों के बाद संघ की स्थापना की।

डॉ. भागवत ने कहा कि संघ किसी को नष्ट करने के लिए नहीं बना है। भारत वर्ष में हमारी पहचान हिन्दू है। हिन्दू शब्द सबको एक करने वाला है। हमारा राष्ट्र संस्कृति के आधार पर एक है न कि राज्य के आधार पर। पुराने समय में जब राज्य अनेक थे तब भी हम एक देश थे, पराधीन थे तब भी एक देश थे। उन्होंने कहा कि समाज की स्वस्थ अवस्था का नाम समाज का संगठन है।

- **भागवत ने कहा कि ''सहकार, कृषि और उद्योग हमारे विकास के आधार स्तंभ है।''**

उन्होंने कहा कि सहकार, कृषि और उद्योग हमारे विकास के आधार स्तंभ हैं। कृषि, व्यापार, उद्योग परस्पर साथ आकर परस्पर निर्भर होकर तीनों एक साथ प्रगति करें। छोटे और मध्यम उद्योग अर्थव्यवस्था को विकेंद्रित करते है।

इन उद्योगों को अपने देश के अंदर सुचारू रूप से चलने का वातावरण देना ये बडे उद्योगों का काम है। छोटे उद्योगों को रोजगार, कौशल, उत्पादन की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाना चाहिए। यह करते समय व्यापार और खुशी इन दोनों का ध्यान रखना चाहिए। खुशी आधारित उद्योगों से देश में वास्तविक समृद्धि मिलेगी।

इससे पूर्व राजस्थान क्षेत्र संघचालक रमेश चंद्र अग्रवाल ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हेमंत सेठिया ने किया।

आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने किया निर्माणाधीन आवासों का औचक निरीक्षण

कुछ आवासों की घटिया नींव देखकर कमिश्नर नाराज हुईं, इंजीनियर्स को फटकार लगाते हुए जेसीबी से तुडवाई नींव

जयपुर (कासं)। आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने गुरूवार को निर्माणाधीन आवासों का औचक निरीक्षण किया। वे इंजीनियर्स को साथ लेकर मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीन बुलाकर मकानों की नींव खुदवाकर जांच की।

ज्ञात रहे कि हाऊसिंग बोर्ड द्वारा जयपुर के महला क्षेत्र में विभिन्न आय वर्गों जैसे कि ईडब्ल्यूएस, एलआईजी एवं एमआईजी के लिए 365 स्वतंत्र आवासों का निर्माण करवाया जा रहा है। यह परियोजना राज्य सरकार की बजट वर्ष 2024-25 की घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत संचालित की जा रही है। आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने गुरूवार सुबह अचानक परियोजना स्थल का निरीक्षण किया। डॉ. शर्मा ने कुछ निर्माणाधीन आवासों की नींव में गुणवत्ता मापदण्डों के अनुरूप निर्माण ना होने के कारण मौके पर ही जेसीबी बुलवा नींव को ध्वस्त करवाया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और गति पर विशेष बल देते हुए अभियंताओं, अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्धारित समयसीमा (जून 2026) तक सभी आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। डॉ. शर्मा ने कहा कि मण्डल का उद्देश्य आमजन को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और योजनाबद्ध आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने निर्माण स्थल पर कार्यरत अभियंताओं को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि प्रत्येक आवास का निर्माण निर्धारित मानकों और तकनीकी विनिर्देशों के अनुरूप ही किया।

- **जयपुर के महला क्षेत्र में विभिन्न आय वर्गों के लिए 365 स्वतंत्र आवास बनवा रहा है हाऊसिंग बोर्ड**

आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने गुरूवार को महला पहुंचकर निर्माणाधीन स्वतंत्र आवासों का निरीक्षण किया।

प्रदेश में 3 दिवसीय आंगनबाड़ी ओलंपिक शुरू

जयपुर (कासं)। प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा के अंतर्गत बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गुरुवार को तीन दिवसीय आंगनबाड़ी ओलंपिक खेल-2025 का आगाज़ हुआ।

निदेशक आईसीडीएस वासुदेव मालावत ने बताया कि प्रदेश के 63 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों पर लगभग 12 लाख बच्चे पंजीकृत हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों की बाल्यावस्था से ही उनमें स्वस्थ खेलकूद प्रतियोगिता और स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आ सके, इसके लिए 13 नवम्बर से 3 दिवसीय आंगनबाड़ी ओलंपिक खेल-2025 का शुभारम्भ हुआ है। इस वर्ष खेलों की थीम ''खेल-खेल में सीखो'' रखी गई है। जिसमें स्थानीय और पारम्परिक खेलों को भी शामिल किया गया है। निदेशक ने बताया कि आंगनबाड़ी ओलंपिक खेल-2025 में बच्चों के दो समूह बनाकर 3 से 4 और 4 से 6 का समूह बनाकर विभिन्न खेलकूद की गतिविधियां आयोजित की जा रही है।

रजत पदक जीतने पर बधाई दी

कोटा, (निसं)। राजस्थान सेवानिवृत्त पुलिस कल्याण संस्थान, कोटा संभाग के अध्यक्ष नवनीत महर्षि तथा जिलाध्यक्ष तेजराज सिंह ने 65 वर्षीय खजान सिंह, सेवानिवृत हेड कांस्टेबल को चेन्नई में आयोजित 23 वीं एशिया मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप की ट्रिपल जंप प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने पर बधाई दी है।

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)

क्रमांक:-नपबा/ तामीर शाखा/2025/7152 **सार्वजनिक विज्ञप्ति** दिनांक 11.11.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री धर्मेन्द्र राठौर पुत्र श्री चन्द्रेश राठौर निवासी बारां द्वारा उपविभाजन चाहा गया है। जिसमें पट्टा संख्या 7821 दिनांक 22.09.2023 भूखण्ड संख्या 24 माप 1025 वर्गफीट, योजना पवन वाटिका का श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री छप्पनलाल के नाम जारी किया गया था। तत्पश्चात पट्टाधारक द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 16.10.2025 से उक्त भूखण्ड में से भूखण्ड संख्या 24ए माप 512.5 वर्गफिट श्री धर्मेन्द्र राठौर पुत्र श्री चन्द्रेश राठौर के नाम बेचान कर दिया। आवेदक द्वारा नगर परिषद बारां से अंकित मापो पर उपविभाजन चाहा गया है। जिसमें भूखण्ड संख्या 24ए माप 512.5 वर्गफिट श्री धर्मेन्द्र राठौर पुत्र श्री चन्द्रेश राठौर के नाम किया जाना है। व शेष भाग पट्टाधारक का ही रहेगा। उक्त सम्पत्ति के संबंध में अन्य किसी को आपत्ति हो तो अन्तर 7 दिवस में आपत्ति मय दस्तावेजो के साथ कार्यालय हजा में प्रस्तुत करे। बाद अवधि गुजर जाने पश्चात आपत्ति मान्य नही होगी।

आयुक्त, नगर परिषद बारां

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

क्रमांक:-LU2012/KOT/2025-26/101088 **लोक सूचना** दिनांक:-13.11.2025

श्री YUGAL KISHOR MEENA पुत्र श्री BHAMBAL RAM MEENA जाति MEENA निवासी GRAM-NADOTI, TEH-NADOTI, KARAULI ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का फार्म हाउस प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	निर्मित क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	विनायका तलेड़ा (बूंदी)	YUGAL KISHOR MEENA S/O BHAMBAL RAM MEENA CASTE-MEENA DIST-SAWAI MADHOPUR KHATEDAR	945/912	0.4533	0.4533
				कुल	0.4533

इसलिये, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के आभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 13.11.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 2330 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 13.11.25

आवास संख्या 3-क-14 विज्ञान नगर, कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री कमल कुमार गर्ग पुत्र श्री श्याम लाल गर्ग को किया गया था। श्री कमल कुमार गर्ग पुत्र श्री श्याम लाल गर्ग की मृत्यु हो जाने के उपरांत उक्त आवास का हस्तांतरण श्री दीपक कुमार गर्ग पुत्र स्व. श्री श्याम लाल गर्ग के नाम किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री दीपक कुमार गर्ग पुत्र स्व. श्री श्याम लाल गर्ग के नाम दिनांक 18.02.1995 को किया गया। श्री दीपक कुमार गर्ग पुत्र स्व. श्री श्याम लाल गर्ग की मृत्यु दिनांक 31.08.2025 को हो चुकी हैं। इनकी मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों मे श्रीमती रूचि पुत्री स्व. श्री दीपक कुमार गर्ग पत्नी श्री जीवन सिंघल एवं मनिशा गर्ग पुत्री स्व. श्री दीपक कुमार गर्ग द्वारा उक्त आवास में निहित अपने अविभाजित हिस्से का त्याग जरिये रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) आलेखित कर दिनांक 14.09.2025 को श्रीमती पवन गर्ग पत्नी स्व. श्री दीपक गर्ग के पक्ष में किया गया। श्रीमती पवन गर्ग पत्नी स्व. श्री दीपक गर्ग द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 3-क-14 विज्ञान नगर, कोटा को उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, घोषणा पत्र एवं रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) के आधार पर करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, घोषणा पत्र एवं रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) के आधार पर श्रीमती पवन गर्ग पत्नी स्व. श्री दीपक गर्ग के नाम करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि उक्त आवास का हस्तांतरण / प्रतिस्थापन श्रीमती पवन गर्ग पत्नी स्व. श्री दीपक गर्ग के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती पवन गर्ग पत्नी स्व. श्री दीपक गर्ग के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 2224 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 04.11.25

आवास संख्या 2-च-25 दादाबाड़ी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री महेश चन्द्र टण्डन पुत्र श्री कन्हैया लाल को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री महेश चन्द्र टण्डन पुत्र श्री कन्हैया लाल द्वारा दिनांक 26.06.1990 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। पंजीयन उपरांत श्री महेश चन्द्र टण्डन पुत्र श्री कन्हैया लाल द्वारा उक्त आवास से सम्बन्धित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 06.04.1992 को श्री रविन्द्र कुमार पुत्र श्री आज्ञाराम को मुख्तारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री रवीन्द्र कुमार पुत्र श्री आज्ञाराम द्वारा मुख्तारनामा आम धारक की हैसियत से इस आवास के एक भाग का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 09.07.1992 को श्री मूल चन्द पुत्र श्री चेला राम को किया गया। इस प्रकार श्री रविन्द्र कुमार पुत्र श्री आज्ञाराम द्वारा मुख्तारनामा आम धारक की हैसियत से इस आवास के शेष भाग का बैचान जरिये विकय पत्र आलेखित कर दिनांक 09.07.1992 को श्रीमती मंजू कुमारी पत्नी श्री मुरलीधर को किया गया। श्री मूल चन्द दासवानी पुत्र श्री चेला राम की मृत्यु दिनांक 05.09.2020 को हो चुकी हैं। इनकी मृत्यु उपरांत इनके समस्त वारिसानों में हर्ष दासवानी, संदीप दासवानी, नवीन दासवानी पुत्रान स्व. श्री मूल चन्द दासवानी द्वारा उक्त आवास में निहित अपने अविभाजित हिस्से का त्याग जरिये हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) आलेखित कर दिनांक 06.10.2021 को इनकी माता श्रीमती लाजवंती दासवानी पत्नी स्व. श्री मूल चन्द दासवानी के पक्ष में किया गया। श्रीमती मंजू कुमारी पत्नी श्री मुरलीधर द्वारा उक्त आवास का उपहार जरिये उपहार पत्र आलेखित कर दिनांक 09.03.2023 को अपनी जेठानी श्रीमती लाजवंती दासवानी पत्नी स्व. श्री मूल चन्द दासवानी को किया गया। श्रीमती लाजवंती दासवानी पत्नी स्व. श्री मूल चन्द दासवानी का नाम एवं हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) के आधार पर दिनांक 26.05.2023 को मंडल अभिलेख में दर्ज किया जा चुका है। तत्पश्चात श्रीमती लाजवंती दासवानी पत्नी स्व. श्री मूल चन्द दासवानी द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 30.03.2025 को श्रीमत सुमित्रा शर्मा पुत्री स्व. श्री मिश्रीलाल जोशी को किया गया। श्रीमती सुमित्रा शर्मा पुत्री स्व. श्री मिश्रीलाल जोशी द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 2-च-25 दादाबाडी कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मण्डल भिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: इस आवास के मण्डल अभिलेख में श्रीमती सुमित्रा शर्मा पुत्री स्व. श्री मिश्रीलाल जोशी का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस क ष्न्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास के मण्डल अभिलेख में श्रीमती सुमित्रा शर्मा पुत्री स्व. श्री मिश्रीलाल जोशी का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में श्रीमती सुमित्रा शर्मा पुत्री स्व. श्री मिश्रीलाल जोशी का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 2337 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 13.11.25

आवास संख्या 1-डी-27 तलवण्डी, कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री सुल्तान मोहम्मद पुत्र श्री भूरे अली को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्री अब्दुल रजाक पुत्र श्री सुल्तान मोहम्मद के नाम दिनांक 07.07.1994 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री अब्दुल रजाक पुत्र श्री सुल्तान मोहम्मद के नाम दिनांक 02.12.1994 को किया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री अब्दुल रजाक पुत्र श्री सुल्तान मोहम्मद की मृत्यु दिनांक 28.02.2019 को हो चुकी हैं। इनकी मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों मे श्रीमती मुमताज बेगम पत्नी स्व. श्री अब्दुल रजाक एवं श्री अब्दुल सलीम सुहैल स्व. श्री अब्दुल रजाक द्वारा उक्त आवास में निहित अपने अविभाजित हिस्से का त्याग जरिये रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) आलेखित कर दिनांक 21.09.2025 को श्री एजाज अहमद एवं श्री अब्दुल जावेद पिसरान् स्व. श्री अब्दुल रजाक के पक्ष में संयुक्त रूप से किया गया। श्री एजाज अहमद एवं श्री अब्दुल जावेद पिसरान् स्व. श्री अब्दुल रजाक द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 1-डी-27 तलवण्डी, कोटा को उक्त आवास का हस्तांतरण/ प्रतिस्थापन अपने नाम आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, घोषणा पत्र एवं रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) के आधार पर संयुक्त रूप से करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, घोषणा पत्र एवं रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) के आधार पर श्री एजाज अहमद एवं श्री अब्दुल जावेद पिसरान् स्व. श्री अब्दुल रजाक के नाम संयुक्त रूप से करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री एजाज अहमद एवं श्री अब्दुल जावेद पिसरान् स्व. श्री अब्दुल रजाक के नाम संयुक्त रूप से किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री एजाज अहमद एवं श्री अब्दुल जावेद पिसरान् स्व. श्री अब्दुल रजाक के नाम संयुक्त रूप से कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 2335 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 13.11.25

आवास संख्या 4-त-10 विज्ञान नगर, कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री वी. के. वर्मा पुत्र श्री बी. पी. वर्मा को किया गया था। श्री वी. के. वर्मा पुत्र श्री बी. पी. वर्मा की मृत्यु हो जाने के उपरान्त उक्त आवास का हस्तांतरण इनकी पत्नी श्रीमती रीता वर्मा को दिनांक 21.04.1990 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती रीता वर्मा पत्नी स्व. श्री विजय कुमार वर्मा द्वारा दिनांक 10. 07.1990 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती रीता वर्मा पत्नी स्व. श्री विजय कुमार वर्मा की मृत्यु दिनांक 14.01.2022 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों में श्री परिवेश पियूष व श्री अनिमेष अंशु पुत्रान स्व. श्री विजय कुमार वर्मा एवं श्रीमती नैन्सी सिन्हा पत्नी श्री विनय सिन्हा पुत्री स्व. श्री विजय कुमार वर्मा द्वारा उक्त आवास हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र, एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर संयुक्त रूप से करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, के आधार पर श्री परिवेश पियूष व श्री अनिमेष अंशु पुत्रान स्व. श्री विजय कुमार वर्मा एवं श्रीमती नैन्सी सिन्हा पत्नी श्री विनय सिन्हा पुत्री स्व. श्री विजय कुमार वर्मा के नाम संयुक्त रूप से करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री परिवेश पियूष व श्री अनिमेष अंशु पुत्रान स्व. श्री विजय कुमार वर्मा एवं श्रीमती नैन्सी सिन्हा पत्नी श्री विनय सिन्हा पुत्री स्व. श्री विजय कुमार वर्मा के नाम संयुक्त रूप से किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री परिवेश पियूष व श्री अनिमेष अंशु पुत्रान स्व. श्री विजय कुमार वर्मा एवं श्रीमती नैन्सी सिन्हा पत्नी श्री विनय सिन्हा पुत्री स्व. श्री विजय कुमार वर्मा के नाम संयुक्त रूप से कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 2336 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 13.11.25

आवास संख्या 1-ग-10 दादाबाडी, कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री मदन गोपाल गुप्ता पुत्र श्री एम.एम. गुप्ता को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री मदन गोपाल गुप्ता पुत्र श्री एम.एम. गुप्ता द्वारा दिनांक 21.10.1993 को अपने पक्ष में करवाया गया। पंजीयन उपरांत श्री मदन गोपाल गुप्ता पुत्र श्री एम.एम. गुप्ता द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 18.02.1997 को श्री सुभाष चन्द्र मल्हौत्रा पुत्र श्री वी. एस. मल्होत्रा को किया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री सुभाष चन्द्र मल्हौत्रा पुत्र श्री वी. एस. मल्हौत्रा की मृत्यु दिनांक 13.08.2025 को (सी.पी. 37) हो जाने के उपरांत् इनके वारिसानों में श्रीमती रचना मल्होत्रा पत्नी स्व. श्री सुभाष चन्द्र मल्होत्रा, एवं श्री मोहित मल्होत्रा व श्री रोहित मल्होत्रा पुत्रान स्व. श्री सुभाष चन्द्र मल्होत्रा द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 1-ग-10 दादाबाडी, कोटा का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, के आधार पर करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, के आधार पर श्रीमती रचना मल्होत्रा पत्नी स्व. श्री सुभाष चन्द्र मल्होत्रा, एवं श्री मोहित मल्होत्रा व श्री रोहित मल्होत्रा पुत्रान स्व. श्री सुभाष चन्द्र मल्होत्रा के नाम संयुक्त रूप से करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती रचना मल्होत्रा पत्नी स्व. श्री सुभाष चन्द्र मल्होत्रा, एवं श्री मोहित मल्होत्रा व श्री रोहित मल्होत्रा पुत्रान स्व. श्री सुभाष चन्द्र मल्होत्रा के नाम संयुक्त रूप से किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती रचना मल्होत्रा पत्नी स्व. श्री सुभाष चन्द्र मल्होत्रा, एवं श्री मोहित मल्होत्रा व श्री रोहित मल्होत्रा पुत्रान स्व. श्री सुभाष चन्द्र मल्होत्रा के नाम संयुक्त रूप से कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

प्रदेश में विकास का आदर्श क्षेत्र बनकर उभरेगा सांगोद : बिरला

- **29 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास हुआ**

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को सांगोद में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक भवनों और पार्कों से जुड़े 29 करोड रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि सांगोद के सर्वांगीण विकास के लिए तेज़ और ठोस कदम उठाए जा रहे हैं तथा 600 करोड़ रूपख्ऐ रूपए से अधिक की परियोजनाएं वर्तमान में प्रगतिरत हैं। इन कार्यों के पूरा होने पर सांगोद प्रदेश के प्रमुख विकास मॉडल के रूप में उभरेगा।

इस अवसर पर सुपोषित मां अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को पोषण किट वितरित की गईं। बिरला ने कहा कि पिछले छह वर्षों में इस अभियान ने हज़ारों परिवारों तक स्वास्थ्य सुरक्षा पहुँचाई है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मां और स्वस्थ शिशु का संकल्प ही मजबूत समाज की बुनियाद है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित यूनिटी मार्च में बिरला युवाओं के साथ शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पटेल जी की एकता, अनुशासन और राष्ट्रधर्म की सीख आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद 565 रियासतों को एक भारत में जोडना पटेल जी के अदम्य नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रमाण है। बिरला ने युवाओं से कहा कि वे एकता और सेवा की भावना के साथ एक भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण में योगदान दें।

बिरला ने कहा कि सांगोद में नए जीएसएस, मजबूत ट्रांसमिशन लाइनें और उन्नत विद्युत ढांचा विकसित किया जा रहा है, जिससे कृषि, उद्योग और घरेलू उपभोक्ताओं को बेहतर आपूर्ति मिलेगी। ग्रामीण संपर्क सड़कों और पुलों का निर्माण तेज़ी से जारी है, जिससे गांवों की कनेक्टिविटी और बाजारों तक पहुंच में बडा सुधार हुआ है। नए जल शोधन संयंत्र, पाइपलाइन और नालों के आधुनिकीकरण से नगर की पेयजल और स्वच्छता व्यवस्था और अधिक मजबूत हुई है, जिसका सीधा प्रभाव स्वास्थ्य पर दिखाई देगा।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मोबाइल मेडिकल यूनिट, नि:शुल्क जांच शिविर और रेफरल सुविधाओं के साथ कोटा में कैंसर अस्पताल की स्वीकृति क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। लिवर और अन्य जांचों के लिए अत्याधुनिक मशीनें भी जल्द उपलब्ध होंगी। विद्यालयों का उन्नयन, पुस्तकालयों की स्थापना और नए सामुदायिक भवनों का निर्माण शिक्षा और सामाजिक विकास को नई दिशा दे रहा है।

बिरला ने कहा कि आपदा प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। फसल नुकसान की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी जा रही है, जिससे पारदर्शिता और त्वरित राहत सुनिश्चित हो रही है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सभी परियोजनाओं की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर कडी निगरानी रखी जा रही है ताकि हर कार्य टिकाऊ और जनहितकारी हो। उन्होंने कार्यकर्ताओं और अधिकारियों से कहा कि वे गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएँ सुनें और प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान सुनिश्चित करें।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित यूनिटी मार्च में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लेकर एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सांगोद क्षेत्र में आज कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है, जो क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक दिन है।

नागर ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निरंतर प्रयासों से सांगोद में पेयजल, सड़क, नालों, स्ट्रीट लाइट, पिंक टॉयलेट, विद्यालय उन्नयन, सामुदायिक भवन और ळै जैसी कई परियोजनाएँ पूरी हो रही हैं। नई पेयजल योजना, फोर लेन रोड, विद्युत ढांचे का विस्तार और नालों के विकास जैसे कार्यों से सांगोद का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। उन्होंने कहा कि अधिक बारिश से प्रभावित किसानों को राहत दिलाने के लिए मुआवजा प्रक्रिया तेज की गई है।

कार्यक्रम में जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, कोटा देहात जिलाध्यक्ष प्रेम गोचर, सांगोद प्रधान जयवीर सिंह, सुल्तानपुर प्रधान कृष्णा शर्मा, जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनोज शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, सांसद खेल महोत्सव संयोजक विशाल शर्मा, जिला परिषद् सदस्य किशनचंद गुप्ता, राजनीता मेघवाल, अंजना मीणा, सांगोद उप प्रधान ओम नागर, जिला महामंत्री ललित शर्मा, बपावर मंडल अध्यक्ष राजेश शर्मा, सांगोद नगर मंडल अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सोनी, सांगोद देहात मंडल अध्यक्ष मुरारी मेहता, कनवास मंडल अध्यक्ष सत्यवान नागर, देवली मंडल अध्यक्ष विजयशंकर सैनी, दीगोद मंडल अध्यक्ष इंद्र कुमार खंडेलवाल, सीमलिया मंडल अध्यक्ष उछमा मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बडी संख्या में सांगोदवासी उपस्थित रहे।

पीएम स्वनिधि शिविर में 20 आवेदन आए

- **स्वरोजगार के लिए दे रहे 90 हजार तक का ऋण**
- **श्रीनाथपुरम क्षेत्र में शिविर आज**

कोटा (निसं)। नगर निगम कोटा द्वारा पीएम स्वनिधि योजना में नए आवेदन के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

योजना में नवीन प्रावधान के तहत शहरी पथ विक्रेताओंए रेहडी-फेरी वालों हेतु आजीविका रोजगार प्रारंभ करने हेतु एक लघु ब्याज आधारित ऋण सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। पथ विक्रेता जैसे सौंदर्य उत्पादए झाडू मिट्टी के बर्तनए मनिहारी फल सब्जी विक्रेताए ठेला-थडी हस्तशिल्प चाय नाश्ते की टपरी तथा स्टेशनरी आदि व्यवसायों को अपनी आजीविका स्थिति सुधारने के लिए ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है ऐसे पात्र व्यक्तियों को 90ए000 रुपए तक का ऋण मिलेगा तथा लाभार्थी को बैंक के माध्यम से 3 किस्तों में ऋण राशि उपलब्ध करवाई जावेगी साथ ही लाभार्थियों द्वारा द्वितीय ऋण के पुर्नभुगतान करने के बाद 30,000 का क्रेडिट कार्ड हेतु आवेदन के पात्र होंगे।

साथ ही लाभार्थी द्वारा डिजिटल लेनदेन हेतु करने पर राशि 1200 कैशबैक प्रोत्साहन स्वरूप उपलब्ध करवाया जाएगा एवं योजना में लाभान्वितों को स्वनिधि से समृद्धि योजना के तहत सरकार की 09 योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इसी क्रम में नगर निगम कोटा के क्षेत्राधिकार चल रहे शिविर में गुरूवार को आयोजित शिविर में पीएम स्वनिधि योजना के कुल 20 आवेदन प्राप्त हुए।

श्रीनाथपुरम क्षेत्र में शिविर आज:-योजना के तहत शुक्रवार को को वार्ड संख्या 9, 10, 31, 33, 34, 35, 36, 37, 52, 53 का शिविर श्रीनाथपुरम फायर स्टेशन में आयोजित किया जायेगा। आमजन से अपील है कि इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठायें।

बईजलास श्री S.N. Vyasआर.एच.जे.एस. माननीय न्यायालय जिला एवं सेशन न्यायाधीश, कोटा

उत्तराधिकार प्रार्थना पत्र संख्या 32/2025

राजेश श्रीवास्तव आत्मज श्री जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव आयु 51 वर्ष जाति कायस्थ निवासी 2-ई-20, तलवण्डी, कोटा (राज.) पुलिस थाना क्षेत्र जवाहर नगर, कोटा आधार नम्बर 4697 8226 1880 मोबाईल नम्बर 09928370008 -प्रार्थी

बनाम

सर्वसाधारण (आम जनता) - अप्रार्थिगण

प्रार्थना पत्र बाबत् वसीयत के आधार पर प्रोबेट जारी के क्रम में।

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 276 भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी ने मृतका सुश्री सुशील कुमारी सक्सेना जिनकी मृत्यु 01.09.2025 को हो गई है उनके द्वारा निष्पादित वसीयत श्री राजेश श्रीवास्तव के पक्ष में की गई है उसके आधार पर मृतका सुश्री सुशील कुमारी सक्सेना की समस्त चल-अचल सम्पत्ति बाबत् मुझ प्रार्थी राजेश श्रीवास्तव आत्मज श्री जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव आयु 51 वर्ष जाति कायस्थ निवासी 2-ई-20, तलवण्डी, कोटा (राज.) पुलिस थाना क्षेत्र जवाहर नगर, कोटा द्वारा स्वयं के पक्ष में प्रोबेट जारी करने का आवेदन किया गया है। 2. यह कि मैं प्रार्थी सुश्री सुशील कुमारी सक्सेना पुत्री स्वर्गीय श्री बृजनन्दन सक्सेना आयु 89 वर्ष जाति कायस्थ निवासी मकान नम्बर 227-228, शॉपिंग सेन्टर, कोटा (राज.) का विधिक उत्तराधिकारी हूं तथा सुश्री सुशील कुमारी सक्सेना की मृत्यु दिनांक 01.09.2025 को होने के बाद उनके द्वारा मेरे पक्ष में निष्पादित वसीयत दिनांक 18.04.2023 के अनुसार उनकी मृत्यु उपरांत मैं मृतका सुश्री सुशील कुमारी सक्सेना का एकमात्र विधिक वारिस एवं उत्तराधिकारी हूं। 3. यह कि मृतका सुश्री सुशील कुमारी सक्सेना की स्वअर्जित चल अचल सम्पत्ति एवं उनको जरिये वसीयत प्राप्त उनकी बड़ी बहन डॉक्टर सुश्री चन्द्र कुमारी सक्सेना की समस्त चल अचल सम्पत्तियां जिनकी एक मात्र मालिक, काबिज मृतका सुश्री सुशील कुमारी सक्सेना थी जिनका विवरण निम्नलिखित है:- 1. मकान. नम्बर 227-228 शॉपिंग सेन्टर, कोटा (राज.) जो दो मंजिला बना हुआ है तथा ग्राउण्ड तल पर दुकाने बनी हुई है।, 2. मकान नम्बर 22-सी-2, एसएफएस सेक्टर-22, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर (राज.) जो आज भी हाऊसिंग बोर्ड कंडीशन में बना हुआ है।, 3. फ्लेट नम्बर 503, आंकाक्षा अपार्टमेन्ट जो प्लाट नम्बर 94, बल्लभबाड़ी, कोटा (राज.) पर निर्मित है एवं विभिन्न बैंकों में जमाशुदा राशियों का विवरण व लॉकर में रखी हुई राशियां, जेवरात वगैराह के संबंध में माननीय न्यायालय में उक्त वसीयत के आधार पर प्रार्थी ने स्वयं के नाम प्रोबेट जारी करने का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। अत: सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि प्रार्थी के पक्ष में उक्त आशय का प्रोबेट जारी करने में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 15.01.2026॰को प्रात: 10 AM बजे असालतन या वकालतन उपस्थित होकर आपत्ति पेश करें अन्यथा प्रार्थी के पक्ष में प्रोबेट जारी कर दिया जाएगा ओर बाद में कोई आपत्ति नहीं सुनी जाएगी।

आज दिनांक 07.11.25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।

कोटा

दिनांक

मोहर अदालत

न्यायालय के आदेश से
वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सेशन न्यायालय कोटा राज.)

कोटा से आयी टीम ने झालरापाटन में नेत्रदान लिया

कोटा, (निसं)। बुधवार शाम, स्वर्ण पथ, झालरापाटन निवासी मनोज और जितेंद्र जैन के पिता प्रवीण चंद्र जैन (महावीर बस वाले), का एसआरजी हॉस्पिटल झालावाडॉ. में आकस्मिक निधन हो गया।

बहु अमिता जैन ने, परिवार के सभी सदस्यों से ससुर प्रवीण जैन के, नेत्रदान के लिए अस्पताल के न्यूरोसर्जरी विभागाध्यक्ष एवं शाईन इंडिया के ज्योति मित्र डॉ.रामसेवक योगी से अनुरोध किया। डॉ.रामसेवक ने, परिजनों की इच्छा का मान रखते हुए तुरंत ही कोटा में शाईन इंडिया फाउंडेशन के डॉ. कुलवंत गौड़ को नेत्रदान लेने के लिए झालरापाटन आने को कहा। समय पर निकलने के बाद भी दरा में 1 घंटे तक जाम में फंसे रहे, उसके बाद देर रात झालरापाटन पहुंचे। परिवार के सभी सदस्यों के बीच में, संस्था के ज्योति मित्र अजय मोमिया के सहयोग से, डॉ. रामसेवक योगी और डॉ. कुलवंत गौड़ ने दिवंगत प्रवीण चंद्र जैन के पार्थिव शरीर से नेत्र (पतली पारदर्शी झिल्ली कॉर्निया) प्राप्त किया। संस्था संस्थापक डॉ.कुलवंत गौड़ ने बताया की, शाईन इंडिया एवं मंजूश्री संस्थान के सहयोग से झालरापाटन शहर में अभी तक 10 दिवंगत के नेत्रदान हो चुके हैं।

सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर, बैनर के खिलाफ निगम ने अभियान छेड़ा

- **आयुक्त मेहरा ने सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए**

कोटा (निसं) पोस्टर बैनर पेम्फ्लेट चिपकाकर शहर में सार्वजनिक सम्पत्ति को गंदा करने वालों के खिलाफ नगर निगम सख्त हो गया है। आयुक्त ओम प्रकाश मेहरा के आदेश पर गुरूवार से शहर में दीवारोंए डिवाइडरोंए खम्भों आदि पर से पोस्टर.बैनर हटाने का अभियान प्रारंभ किया गया। मेहरा ने यह पोस्टर.बैनर लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के निर्देश भी दिए हैं।

आयुक्त मेहरा ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों दीवारों डिवाइडरों खम्भों आदि को पोस्टर.पेम्फ्लेट चिपकाकर और बैनर लगाकर गंदा करना संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत अपराध है। इससे शहर की छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पडता है। इसको देखते हुए विगत दिनों आयोजित बैठक में जिला कलेक्टर ने इनके खिलाफ कार्यवाही के लिए कहा था।

आयुक्त मेहरा ने बताया कि शहर को दो हिस्सों में बांटकर दो टीमों का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम में स्वास्थ्य निरीक्षक के नेतृत्व में 20.20 कर्मचारी लगाए गए हैं। पहले दिन गुरूवार को एक टीम ने बोरखेडाए पुलिस लाइन तथा आसपास के क्षेत्र से 400 से अधिक तथा दूसरी टीम ने नयापुराए जेकेलोन अस्पताल क्षेत्र में 300 से अधिक पोस्टर.बैनर और पेम्फ्लेट हटाए गए।

आयुक्त मेहरा ने बताया कि पोस्टरए बैनरए पेम्फलेट हटवाने के साथ इन्हें लगवाने वाले व्यक्तियोंए फर्मों और संस्थाओं के नाम भी नोट किए गए है। इन सभी के खिलाफ सम्पत्ति विरूपण अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी। यह अभियान शहर के विभिन्न हिस्सों में निरंतर जारी रहेगा।

भविष्य में नहीं लगवाएं पोस्टर, बैनर:- आयुक्त ओम प्रकाश मेहरा ने संस्थाओंए फर्मों व आमजन से आग्रह किया है कि वे भविष्य में सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार के पोस्टरए बैनर और पेम्फ्लेट नहीं लगवाएं। पोस्टरए पेम्फ्लेट बैनर लगाने और लगवाने वालों पर निगम सख्त कार्यवाही करेगा।

कार्यालय नगर पालिका भवानीमण्डी
जिला झालावाड़ (राज.)

क्रमांक:-न.पा.भ./भूमि/2025/ दिनांक:-13.11.2025

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदकों ने नगरपालिका भवानीमण्डी में सीमान्तर्गत पट्टा/पट्टा नवीनीकरण/लीज हस्तांतरण/निर्माण स्वीकृति/अनापत्ति प्रमाण पत्र स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई है। उक्त संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 7 योम कार्यालय नगर पालिका में उपस्थित होकर दो प्रतियों में प्रस्तुत करें। बाद गुजरने मियाद कोई उज्र समाअत न होगा।

क्र.सं.	नाम/पिता, पति का नाम	स्थान	विवरण
1	श्रीमती रेखा पोरवाल पत्नी श्री जगदीश चन्द्र पोरवाल	हेमडा वालों की गली नेहरु पार्क के पास वार्ड नं. 38 भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
2	श्री हमीद उद्दीन मंसुरी आ. श्री चांद मोहम्मद मंसुरी	रॉयल विलास रेजीडेन्सी आवासीय कालोनी प्लाट नं. 02 मेट्रो हॉस्पिटल के पास भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
3	श्री अमीन उद्दीन मंसुरी आ. श्री चांद मोहम्मद मंसुरी	रॉयल विलास रेजीडेन्सी आवासीय कालोनी प्लाट नं. 01 मेट्रो हॉस्पिटल के पास भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
4	श्री दिपेन्द्र सिंह जोधा आ. श्री जुझारसिंह जोधा	प्लाट नं. 29 जवाहर कालोनी ब्लाक डी भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
5	श्री महादेव मेघवाल आ. श्री दुलीचंद मेघवाल	ब्रजधाम 1 रेजीडेन्सी कालोनी प्लाट नं. 43 निपानिया उदा	निर्माण स्वीकृति
6	श्री कालूनाथ आ. श्री किशन नाथ	वार्ड नं. 10 रामठी	निर्माण स्वीकृति
7	श्री उमेश आ. श्री बाबूलाल	वार्ड नं. 10 रामठी	निर्माण स्वीकृति
8	श्री बद्रीलाल गुर्जर आ. श्री ओंकारलाल	अनन्त विहार आवासीय कालोनी प्लाट नं. सी-139 व सी-140 का उत्तरी भाग रेलवे क्रासिंग के पास भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
9	होटल नाहर पैलेस प्रो. श्रीमती आरती जैन पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार नाहर	खसरा नं. 67/3 का उत्तरी भाग लघु उद्योग भूमि बिडला कालेज के सामने डग झालावाड़ रोड गंगपुरा	निर्माण स्वीकृति
10	श्री राजेन्द्र कुमार नाहर आ. श्री इन्दरमल नाहर एवं श्री राजेन्द्र सिंह सिसोदिया आ. श्री तूफान सिंह सिसोदिया	नागरिक बैंक के पास पोस्ट ऑफिस रोड वार्ड नं. 20 भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
11	श्री दिलीप सिंह आ. श्री मांगू सिंह	शीतला माता मन्दिर के पास रामठी	69 ए
12	श्री हेमलता बाई पत्नी श्री नारायण सिंह	वार्ड नं. 10 न्यू वार्ड नं. 17 रामठी	69 ए
13	श्रीमती प्रभु बाई पत्नी श्री गोपाल लाल	शीतला माता मन्दिर के पास वार्ड नं. 10 रामठी	69 ए
14	श्री दिनेश कुमार आ. श्री बाबूलाल	वार्ड नं. 10 रामठी	69 ए
15	श्री अशोक कुमार जायसवाल आ. श्री किशन लाल	आदर्श स्कूल चौराहा भैरु जी के पास भवानीमण्डी	69 ए
16	श्रीमती रामनाथी बाई पत्नी स्व. श्री प्रभुलाल, श्री नन्दलाल आ. श्री प्रभुलाल, श्री राकेश कुमार आ. स्व. श्री प्रभुलाल, श्री संजय मेहर आ. स्व. श्री प्रभुलाल, श्री आत्माराम आ. स्व. श्री प्रभुलाल, श्रीमती कविता बाई पुत्री स्व. श्री प्रभुलाल पत्नी श्री विष्णु कुमार श्रीमती सिमरन पुत्री स्व. श्री प्रभुलाल पत्नी श्री पर्वत सिंह	प्लाट नं. 24 का पूर्वी भाग रामनगर आवासीय कालोनी भवानीमण्डी	69 ए
17	आबकारी विभाग जरिए आबकारी निरीक्षक श्री अनिरुद्ध गौत्तम आ. श्री ब्रह्मदत्त गौत्तम	टगर मोहल्ला भवानीमण्डी	69 ए
18	श्रीमती परवीन होरा पत्नी स्व. श्री बलवीर होरा, श्री रोनक होरा व श्री समीर होरा आ. स्व. श्री बलवीर होरा	न्यू सब्जीमण्डी के पास बंद रोड वार्ड नं. 35 भवानीमण्डी	69 ए
19	श्रीमती मांगी बाई पत्नी श्री रामलाल	बागरी मोहल्ला प्लाट नं. 18 का पश्चिमी भाग भवानीमण्डी	आवासीय कालोनी
20	श्री आनदीलाल आ. श्री शोभाराम	रामबक्स मीणा की कालोनी प्लाट नं. 24 भवानीमण्डी	आवासीय कालोनी
21	श्री संयम जैन आ. श्री आशीष जैन, श्री प्रकाशचन्द गुप्ता आ. श्री रामदयाल	पूर्वज रेजीडेन्सी कालोनी प्लाट नं. 14 व 12 का उत्तरी भाग मुक्तिधाम रोड पर भवानीमण्डी	आवासीय कालोनी
22	श्री अजय चौधरी आ. श्री हुकमसिंह चौधरी	रॉयल आवासीय कालोनी प्लाट नं. 03 भवानीमण्डी	आवासीय कालोनी
23	श्री रघुनाथ मेघवाल आ. श्री नंदलाल	अम्बेडकर नगर आवासीय कालोनी प्लाट नं. 62 का पूर्वी भाग बायपास रोड पर भवानीमण्डी	आवासीय कालोनी
24	श्रीमती शान्ति बाई पत्नी श्री प्रकाशचन्द मेघवाल	अम्बेडकर नगर आवासीय कालोनी प्लाट नं. 62 का पश्चिमी भाग बायपास रोड पर भवानीमण्डी	आवासीय कालोनी
25	श्रीमती लीला बाई पत्नी श्री सरदार सिंह	मगन भाई मार्केट आवासीय कालोनी प्लाट नं. 44 सी पुराना गाडी अड्डा भवानीमण्डी	आवासीय कालोनी
26	श्रीमती आशमा बानो पत्नी श्री मोहम्मद फिरोज	नवकार धाम आवासीय कालोनी प्लाट नं. 26 भवानीमण्डी	आवासीय कालोनी
27	श्री सलमान आ. श्री अब्दुल सलीम	प्लाट नं. 21 पूनम कालोनी मुगलाना पचपहाड	आवासीय कालोनी
28	श्री बद्रीलाल गुर्जर आ. श्री ओंकार लाल	प्लाट नं. सी-139 अनन्त विहार आवासीय कालोनी भवानीमण्डी	आवासीय कालोनी
29	श्रीमती प्रेम बाई पत्नी श्री कैलाश चंद्र जोशी	प्लाट नं. डी-9 का उत्तरी भाग अनन्त विहार आवासीय कालोनी भवानीमण्डी	लीज हस्तान्तरण
30	श्रीमती अफसाना पत्नी श्री सलीम भाई	मोहन ट्रक के सामने भवानीमण्डी	अनापत्ति प्रमाणपत्र
31	श्रीमती रामकन्या बाई पत्नी श्री जगदीश चंद गुप्ता	लक्ष्मी नगर आवासीय कालोनी प्लाट नं. ई-4 भवानीमण्डी	अनापत्ति प्रमाणपत्र
32	श्री रामगोपाल पाटीदार आ. श्री कन्हैयालाल	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन
33	श्री अनिल कुमार गुप्ता आ. श्री रामचन्द्र गुप्ता, श्री मनीष गुप्ता आ. श्री रामचन्द्र गुप्ता, श्रीमती अनिता गुप्ता पत्नी श्री अनिल गुप्ता, श्रीमती पिंकी गुप्ता पत्नी श्री मनीष कुमार गुप्ता	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन
34	श्रीमती गायत्री पाटीदार पत्नी श्री राहुल पाटीदार	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन
35	श्री आलोक विजावत आ. श्री हीरालाल विजावत	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन
36	श्रीमती वर्षा जैन पत्नी श्री आलोक जैन	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन
37	श्री देवराज डागी आ. श्री लाल दांगी	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन
38	श्री ईश्वर सिंह आ. श्री शिवसिंह	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन
39	श्री ईश्वर सिंह आ. श्री शिवसिंह	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन
40	श्री सुरेन्द्र सिंह आ. श्री दुल्हे सिंह	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन
41	श्रीमती अनिता राठौर पत्नी श्री प्रकाश राठौर	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन
42	श्री श्याम सिंह आ. श्री शोदान सिंह	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन
43	श्रीमती सुमित्रा बाई पत्नी श्री अशोक कुमार राठौर	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन
44	श्री गोविन्द पाटीदार आ. श्री बजरंगलाल	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन
45	श्री भूपेश गुप्ता आ. श्री लालचन्द पोरवाल	एकल कमर्शयल प्लाट का भाग श्रीपाल के तोल कांटे के पास पचपहाड	प्लाट का उपविभाजन

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका भवानीमण्डी

ये खेल अधिक प्रतिस्पर्धी होते जा रहे हैं और उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि बधिरों को खेलों को एक स्वस्थ जीवनशैली के रूप में अपनाना चाहिए। - दीक्षा डागर

पेशेवर गोल्फर, डेफ ओलंपिक को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — शार्दुल ठाकुर

लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर, दोनों फ्रेंचाइजी के बीच हुए व्यापार के बाद, मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मुंबई के इस ऑलराउंडर को लखनऊ सुपर जायंट्स ने लीग के 18वें संस्करण के लिए चोटिल खिलाड़ी के रूप में 2 करोड़ रुपये में चुना था, जहां उन्होंने 10 मैच खेले थे। शार्दुल जिन भी फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं, उनके लिए एक उपयोगी खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने कई बार शानदार प्रदर्शन किया है। इस ऑलराउंडर को उनकी मौजूदा खिलाड़ी फीस 2 करोड़ रुपये पर मुंबई इंडियंस में व्यापार किया गया है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने 2007 में उद्घाटन 20 विश्व कप और 2024 में भी यह खिताब जीता।

हमारे पास बेहतरीन ऑलराउंडर है : गिल

कोलकाता, 13 नवंबर। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि वह इतने भाग्यशाली हैं कि उनके पास इतने अच्छे आलराउंडर हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट की पूर्व संध्या पर गिल ने कहा,मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूँ कि सभी ऑलराउंडर इतने अच्छे बल्लेबाज हैं। आप किसी का भी रिकॉर्ड देख सकते हैं, अक्षर पटेल का, वाशिंगटन सुंदर का या जड्डू भाई का। उनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी का रिकॉर्ड बहुत अच्छा है, खासकर भारत में, इसलिए एक कप्तान के तौर पर यह तय करना बहुत मुश्किल होता है कि आप किसे खिलाना चाहते हैं और किसे नहीं।'' ये ऑलराउंडर उन्हें स्पिनरों के तौर पर भी बेहतर बनाते हैं। उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से ऐसे विकेट पर जहाँ गेंद घूम रही हो, गेंद को घूमने के लिए थोड़ा समय चाहिए होता है। इसलिए आम तौर पर ऑफ-द-विकेट, जब तक कि आप लाल मिट्टी वाले विकेट पर नहीं खेल रहे हों, गति थोड़ी धीमी होती है। इसलिए अगर आपके गेंदबाज तेज गति से गेंदबाजी कर रहे हैं, तो इससे बल्लेबाजों को तालमेल बिठाने का थोड़ा कम समय मिलता है।

गिल इंग्लैंड से काफ़ी प्रतिष्ठा के साथ लौटे हैं। वह वहां सीरीज में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनने की चाहत लेकर गए थे और 754 रन बनाकर अपनी बात पर खरे उतरे।

उन्होंने संसाधनों, कार्यभार और कड़े फैसलों को उसी तरह संभाला जैसे कोई भी पहली बार कप्तान बनने वाला खिलाड़ी किसी कठिन विदेशी दौरे पर कर सकता है। फिर अपने पहले घरेलू मैच में एक कर्वबॉल ने उन्हें परेशान कर दिया।

यह आत्म-जागरूकता एक ऐसे कप्तान के लिए ताज़गी देने वाली है जो अपने घरेलू मैदान पर खुद को ऐसी ही परिस्थितियों में पाता है। क्रिकेट के ऐसे लंबे दिन होंगे जो कड़ी धूप में खिंचेंगे, जहाँ खुद को संयमित रखने की ज़रूरत उन्हें एक अच्छे और महान कप्तान से अलग करेगी।

मुझे लगता है कि अपनी तैयारियों में, मैं मुख्य रूप से इस बात पर ध्यान केंद्रित करता हूँ कि मैं एक बल्लेबाज के रूप में कैसे सफल हो सकता हूँ, और फिर जब हम मैदान पर होते हैं, तो मैं चाहता हूँ कि जब भी मैं अपनी टीम की कप्तानी कर रहा होता हूँ, मेरी सहज प्रवृत्ति हावी हो जाए। गिल ने कहा, ''तभी मुझे लगता है कि मैं टीम के लिए रणनीतिक रूप से सबसे अच्छे फैसले लेता हूँ।'' यह उनकी बल्लेबाजी और कप्तानी को तर्कसंगत बनाने का उनका तरीका है, ताकि दोनों के तार आपस में न उलझें और दोनों प्रक्रियाओं में कोई गड़बड़ी न हो।

अपने कार्यभार के बारे में उन्होंने कहा, ''मैं अभी भी यह समझने की कोशिश कर रहा हूँ कि इसे कैसे प्रबंधित किया जाए।'' गिल ने ऑस्ट्रेलिया में सभी पांच टी20 मैचों में हिस्सा लिया, जो 8 नवंबर तक चले और फिर टेस्ट टीम की अगुवाई करने के लिए कोलकाता पहुंचे। ''मुझे लगता है कि एशिया कप से ही हम लगातार खेल रहे हैं, विभिन्न देशों की यात्रा कर रहे हैं, 4-5 दिन। इसलिए मैं यह भी जानने की कोशिश कर रहा हूँ कि मुझे उन सभी प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन करने और सफल होने का सबसे अच्छा मौका क्या देता है जिनमें मैं खेलने वाला हूँ।

''जब हम इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में खेलते हैं, तो तेज़ गेंदबाज़ों पर कार्यभार भारत की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक होता है। लेकिन साथ ही, तेज गेंदबाज यहाँ अपने स्पेल को भी पहचानते हैं - अगर गेंद रिवर्स हो रही है, तो वे 4-5 ओवर पूरी गति से फेंकेंगे।'' वहीं, अगर आप इंग्लैंड जैसे देश में खेल रहे हैं जहाँ तेज़ गेंदबाज़ ज़्यादातर ओवर फेंकने वाले हैं, तो काम का बोझ बढ़ जाता है।

पहले टेस्ट के लिए दोनों टीमों की प्लेइंग-11 पर एक नजर

कोलकाता, 13 नवंबर। भारत और दक्षिण अफ्रीका शुक्रवार से यहां ईडन गार्डन्स में होने वाले पहले टेस्ट के लिए तैयार हो गए हैं। दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग इलेवन पर एक नजर इस प्रकार है। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत लगभग दस खिलाड़ियों के साथ खेला था। नितीश कुमार रेड्डी को मौके दिए गए क्योंकि भारत एक तेज गेंदबाज़ी ऑलराउंडर तैयार करना चाहता है। हालांकि पूरी सीरीज में उनका योगदान सीमित रहा। अब जब ऋषभ पंत फिट हैं, तो भारत ने ध्रुव जुरेल को बतौर विशेषज्ञ बल्लेबाज टीम में बनाए रखा है और रेड्डी को इंडिया ए टीम में भेजा गया है। बाक़ी टीम में किसी भी बदलाव की संभावना नहीं है। दक्षिण अफ्रीका को वह संयोजन अपनाना चाहिए, जिससे उन्होंने पाकिस्तान के ख़िलाफ रावलपिंडी में पिछला टेस्ट जीता था। उनके प्रमुख गेंदबाज़ों की बल्लेबाज़ी क्षमता उन्हें बिना गेंदबाज़ी कमज़ोर किए टीम में गहराई देती है। मार्क़ो यानसन को वियान मुल्डर पर प्राथमिकता मिलनी चाहिए क्योंकि यहां पारंपरिक सीम गेंदबाज़ी को ज़्यादा मदद नहीं मिलेगी। वहीं वापसी करने वाले कप्तान तेम्बा बावुमा, डेवाल्ड ब्रेविस की जगह लेंगे।

पिच और परिस्थितियां - शुरुआती संकेत बताते हैं कि ईडन गार्डन्स में बल्लेबाज़ी के लिए अच्छी पिच होगी, जो शायद रिवर्स स्विंग को खेल में ला सकती है। पिच पर ज्यादा घास नहीं होगी और ना ही यह बहुत सूखी या फटी होगी। टॉस हारने वाली टीम के लिए चुनौती भरा दिन हो सकता है।

भारत (संभावित) : 1 यशस्वी जायसवाल, 2 केएल राहुल, 3 बी साई सुदर्शन, 4 शुभमन गिल (कप्तान), 5 ऋषभ पंत (विकेटकीपर), 6 ध्रुव जुरेल, 7 रवींद्र जडेजा, 8 वॉशिंगटन सुंदर, 9 कुलदीप यादव, 10 जसप्रीत बुमराह, 11 मोहम्मद सिराज, **साउथ अफ्रीका (संभावित) :** 1 एडन मार्करम, 2 रियान रिकलटन, 3 ट्रिस्टन स्टब्स, 4 टोनी डे ज़ॉर्जी, 5 तेम्बा बावुमा (कप्तान), 6 काइल वेरेन (विकेटकीपर), 7 सेनुरन मुतुसामी, 8 साइमन हार्मर, 9 मार्क़ो यानसन, 10 केशव महाराज, 11 कगिसो रबाडा।

भारत-ए ने दक्षिण अफ्रीका-ए को चार विकेट से हराया

राजकोट, 13 नवंबर। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद ऋतुराज गायकवाड़ (117) की शतकीय और कप्तान तिलक वर्मा (39) की शानदार पारियों के दम पर भारत ए ने गुरुवार को पहले अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ए टीम को तीन गेंदे शेष रहते चार विकेट से हरा दिया। 286 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ए की ऋतुराज गायकवाड़ और अभिषेक शर्मा की सलामी जोडी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 64 रन जोड़े। 10वें ओवर में ब्योर्न फ़ोर्टेन ने अभिषेक शर्मा को आउटकर दक्षिण अफ्रीका ए को पहली सफलता दिलाई।

अभिषेक शर्मा ने 25 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 31 रन बनाये। 14वें ओवर में रियान पराग आठ रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये तिलक वर्मा ने गायकवाड़ के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 89 रनों की साझेदारी हुई। तीसरे विकेट के रूप में तिलक वर्मा 39 रन बनाकर आउट हुये। इशान किशन (17) और नीतीश कुमार रेड्डी 37 रन बनाकर आउट हुये। 41वें ओवर में टियान वैन वुरेन ने ऋतुराज गायकवाड़ को आउट किया। ऋतुराज गायकवाड़ ने 129 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 117 रन बनाये। भारत ने 49.3 ओवर में छह विकेट पर 290 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। निशांत संधु 29 रन और हर्षित राणा छह रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका के लिए टियान वैन वुरेन, ब्योर्न फ़ोर्टेन और ऑटनील बार्टमैन को दो-दो विकेट मिले।

इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका ए ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ए की शुरुआत बेहद खराब रही और भारतीय गेंदबाजों ने महज 16 रन के स्कोर पर उसके चार बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया। पहले ओवर में अर्शदीप सिंह ने रूबिन हरमन (शून्य) का शिकार किया। इसी ओवर में ओवर में तिलक वर्मा ने जॉर्डन हरमन (शून्य) को रनआउट कर भारत दूसरी सफलता दिलाई।

बांग्लादेश के गेंदबाजों ने आयरलैंड को बड़ी हार की ओर धकेला

सिलहट, 13 नवंबर। बंगलदेश ने महमुदुल हसन जॉय (171) और कप्तान नजमुल शान्तो की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन स्टंप्स के समय दूसरी पारी में आयरलैंड के 86 के स्कोर पर पांच विकेट झटक कर अपनी टीम के लिए बड़ी जीत का दरवाजा खोल दिया। एक विकेट पर 338 रन से आगे खेलते हुए आज बंगलादेश को दूसरा झटका सुबह के सत्र में बैरी मक्कार्थी ने दोहरे शतक की ओर बढ़ रहे महमुदुल हसन जॉय को आउटकर दिया। महमुदुल हसन जॉय ने 286 गेंदों में 14 चौके और चार छक्के लगाते हुए 171 रन बनाये। इसके बाद 89वें ओवर में मक्कार्थी ने मोमिनुल हक (82) को अपना शिकार बना लिया। मुशफिकुर रहीम (23), लिटन कुमार दास 60 रन बनाकर आउट हुये। इन दोनों को मैथ्यू हम्फ्रीज ने आउट किया। कप्तान ने 114 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 100 रन बनाये। उन्हें एंडी मैक्ब्राइन ने आउट किया। मेहदी हसन मिराज (17) और हसन मुराद 16 रन बनाकर आउट हुये। बंगलादेश ने 141 ओवर में आठ विकेट पर 587 का विशाल स्कोर खड़ा करने के बाद 301 की बढ़त के साथ पारी घोषित कर दी। आयरलैंड की ओर से मैथ्यू हम्फ्रीज को पांच विकेट मिले। बैरी मक्कार्थी ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। एंडी मैक्ब्राइन ने एक विकेट लिया। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने चौथे ही ओवर में केड कार्माइकल (पांच) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद हैरी टेक्टर ने पॉल स्टर्लिंग के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 रन जोड़े। इसी दौरान 18वें ओवर में पॉल स्टर्लिंग (43) रनआउट हो गये। हैरी टेक्टर (18), कर्टिस कैमफर (पांच) और लोर्कान टकर नौ रन बनाकर आउट हुये। दिन का खेल समाप्त होने के समय आयरलैंड ने 29 ओवर में पांच विकेट पर 86 रन बना लिये है और वह अभी भी बंगलादेश के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 215 रन पीछे है। बंगलादेश के लिए हसन मुराद ने दो विकेट लिये। नाहिद राणा और तैजुल इस्लाम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अर्जुन एरिगैसी और पी. हरिकृष्णा प्री-क्वार्टर फाइनल में, आर. प्रज्ञानंदधा बाहर

पणजी, 13 नवंबर। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने गुरुवार को दोनों रैपिड गेम्स में ग्रैंडमास्टर पीटर लेको को हराया, जबकि पी हरिकृष्णा ने दूसरे गेम में ग्रैंडमास्टर निल्स ग्रैंडेलियस को हराकर मिले मौकों का पूरा फायदा उठाया और फिडे विश्व कप 2025 के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, आर प्रज्ञानंदधा का अभियान पांचवें राउंड में पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन ग्रैंडमास्टर डेनियल डुबोव से हारने के बाद समाप्त हो गया। प्रणव वी और कार्तिक वेंकटरमन के पांचवें राउंड में क्लासिकल गेम्स में हारने के बाद, टाईब्रेक में तीन भारतीय थे और उनमें से दो अंततः अगले राउंड में पहुंच गए। अर्जुन दिन के सबसे बड़े स्टार साबित हुए क्योंकि उन्होंने शुरुआती रैपिड गेम काले मोहरों के साथ 40 चालों में जीत लिया। उन्होंने लेको की मोहरों की बलि देने की गलती का फायदा उठाया और फिर किल का प्रयास किया। दूसरे गेम में, हंगरी के खिलाड़ी को जीतना जरूरी था और भारतीय खिलाड़ी ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए 57 चालों में जीत हासिल की। अर्जुन ने कहा, ''मैं बहुत खुश हूँ। टाईब्रेक अच्छा रहा। क्लासिकल गेम काफ़ी कड़े थे और दूसरे गेम में मुझे थोड़ी बढ़त मिली थी, लेकिन उसने ड्रॉ खेलने में अपनी कुशलता दिखाई। लेकिन टाईब्रेक में, मैं काफ़ी हद तक नियंत्रण में था। अर्जुन का सामना अब दो बार के विश्व कप विजेता ग्रैंडमास्टर लेवोन अरोनियन से होगा। हरिकृष्णा भी अगले दौर में पहुंच गए, जिन्होंने शुरुआती गेम में काले मोहरों के साथ ग्रैंडेलियस को रोकने में कामयाबी हासिल की।

चतुर्थ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता
सावन के शतक, एनबी क्रिकेट एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 13 नवम्बर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज एन.बी क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये मुकाबले में एन.बी. क्रिकेट एकेडमी ने सावन 135 रन (65 गेंद, 18 चौके, 4 छक्के) के शतक की बदौलत एलिट क्रिकेट एकेडमी को 91 रन से हराकर महत्त्वपूण 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर एनबी. क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये सावन 135 रन नाबाद व दर्शिल घीया 29 रन ने मिलकर 5.1 ओवर में 67 रन जोड़कर शानदार शुरुआत की। सावन के साथ मध्यक्रम में नारायण सिंह 28 रन अभिषेक मीणा 17 रन नाबाद के साथ मिलकर निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 227 रन पंहुचा दिये। एलिट स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से राहुल 27 रन पर 2 विकेट, जसविन्दर सिंह 45 रन पर 1 विकेट सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में गेंदबाजी के बाद राहुल ने बल्लेबाजी में भी दमखम दिखाते हुये 58 रन (36 गेंद, 8 चौके, 2 छक्के) की अद्धर्शतकीय पारी खेली उनके अलावा सोहन 23 रन को छोड़कर एलिट स्पोर्ट्स एकेडमी का कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में विफल रहा और निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 136 रन ही बना सकी। गेंदबाजी में एन.बी. क्रिकेट एकेडमी रोहन मीणा 13 रन पर 3 विकेट, मोहम्मद कुर्बान 21 रन पर 2 विकेट तथा जीतू रावत, नारायण सिंह व अतुल कुमार प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच सावन एन.बी. क्रिकेट एकेडमी रहे।

राजस्थान टीम के चयन हेतु प्रक्रिया के संबंध में एक अवलोकन समिति का गठन

जयपुर, 13 नवम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ की तदर्थ कार्यकारिणी के बहुमत से यह निर्णय लिया गया है कि जूनियर, सीनियर (पुरुष) एवं महिला चयन समितियों द्वारा चयनित खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया की देखरेख हेतु निम्नलिखित सदस्यों की एक समिति गठित की गई है:- सतीश व्यास, महेंद्र शर्मा, मानद कोषाध्यक्ष, डीसीए उदयपुर, सुमेंद्र तिवारी मानद सचिव, डीसीए धौलपुर, रतन सिंह मानद सचिव, डीसीए बीकानेर, अरिथ सिंघवी, मानद सचिव, डीसीए जालौर। मानद सचिव, डीसीए जोधपुर। उपर्युक्त समिति राजस्थान क्रिकेट संघ को राजस्थान टीमों के चयन हेतु अपने क्रिकेट अनुभव से सहायता प्रदान करेगी।

शेरफेन रदरफोर्ड को गुजरात टाइटन्स से मुंबई इंडियंस में ट्रेड किया गया

मुंबई, 13 नवंबर। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड, गुजरात टाइटन्स (जीटी) से सफल ट्रेड के बाद, आईपीएल 2026 सीजन में मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। जीटी द्वारा 2.6 करोड़ रुपये की फीस पर खरीदे गए रदरफोर्ड अपनी मौजूदा फीस पर मुंबई टीम में शामिल होंगे। 27 वर्षीय इस खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज के लिए 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। उन्होंने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आंद्रे रसेल के साथ 139 रनों की साझेदारी की थी। रदरफोर्ड ने अब तक 23 आईपीएल मैच खेले हैं, इससे पहले उन्होंने 2019 में दिल्ली कैपिटल्स और 2022 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया था। वह 2020 में मुंबई इंडियंस और 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन सीजन के दौरान प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं थे।

भारतीय टेनिस टीम बेंगलुरु में इतिहास रचने की कोशिश में

बेंगलुरु, 13 नवंबर। भारतीय महिला टेनिस टीम शनिवार को बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में अपने बिली जीन किंग कप 2025 प्ले-ऑफ अभियान की शुरुआत करेगी। बिली जीन किंग कप रैंकिंग में 27वें स्थान पर काबिज भारत को बिली जीन किंग कप 2025 प्ले-ऑफ़ में दुनिया की 14वें नंबर की टीम नीदरलैंड और 19वें नंबर की टीम स्लोवेनिया के साथ ग्रुप जी में रखा गया है। तीनों टीमें राउंड-रॉबिन मैचों में आमने-सामने होंगी और ग्रुप विजेता 2026 के क्वालीफायर में पहुंच जायेंगी। अन्य दो टीमें अगले सीजन के लिए अपने-अपने 2026 क्षेत्रीय ग्रुप एक मुकाबलों में वापस आ जायेंगी। भारत बिली जीन किंग कप के क्वालीफायर में कभी आगे नहीं बढ़ पाया है। नीदरलैंड और स्लोवेनिया शुक्रवार को ग्रुप का पहला मुकाबला खेलेंगे। नीदरलैंड की अगुवाई दुनिया की 87वें नंबर की खिलाड़ी सुज़ैन लामेंस करेंगी, जबकि स्लोवेनिया की टीम में पूर्व फ्रेंच ओपन सेमीफाइनलिस्ट तमारा ज़िदानसेक शामिल हैं। भारत का पहला मुकाबला शनिवार को स्लोवेनिया से होगा, उसके बाद रविवार को नीदरलैंड से मुकाबला होगा। विश्व की 309वें नंबर की खिलाड़ी सहजा यामालापल्ली, जो इन मुकाबलों के लिए भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी हैं, बेंगलुरु में टीम का नेतृत्व करेंगी। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने मेक्सिको में डब्ल्यूटीए 125 इवेंट में 2017 यूएस ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस को हराया था। वह पिछले महीने चेन्नई ओपन डब्ल्यूटीए 250 इवेंट के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंची थीं। एशियाई खेल 2018 की कांस्य पदक विजेता अंकिता रैना, जो वर्तमान में एकल वर्ग में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 482वें स्थान पर हैं, भी टीम में हैं। श्रीवल्ली भामिदीपती (रैंक 381), रिया भाटिया (रैंक 468) और युगल विशेषज्ञ प्रार्थना थोम्बरे टीम की अन्य सदस्य हैं। भारतीय टेनिस टीम ने अप्रैल में बिली जीन किंग कप 2025 एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 में दूसरे स्थान पर रहकर अपनी जगह पक्की कर ली थी। भारत इससे पहले 2021 में प्ले-ऑफ में पहुंचा था, जहां उसे लातविया से 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत की उभरती क्रिकेट प्रतिभाओं पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, 13 नवंबर। भारत की उभरती क्रिकेट प्रतिभाएं शुक्रवार को कतर के दोहा में शुरू होने वाले राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 में सुर्खियों में रहेंगी। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट - जिसका पहला आयोजन 2013 में इमर्जिंग टीम्स एशिया कप के रूप में हुआ था - अब तक छह संस्करण पूरे कर चुका है। 2025 में होने वाली यह प्रतियोगिता, जो टी20 प्रारूप में खेली जाएगी, नए राइजिंग स्टार्स बैनर तले पहली बार आयोजित की जाएगी। अंडर-23 भारतीय क्रिकेट टीम ने सिंगापुर में आयोजित पहले संस्करण में जीत हासिल की थी, जबकि अफ़ग़ानिस्तान ए ने पिछले साल ओमान में आयोजित पिछले इमर्जिंग टीम एशिया कप का खिताब जीता था। श्रीलंका और पाकिस्तान भी पिछले चैंपियन हैं। इस साल का संस्करण 14 से 23 नवंबर तक चलेगा, जिसमें आठ टीमें - पूर्ण सदस्य देशों की पांच ए या विकासात्मक टीमें और तीन सहयोगी राष्ट्रीय टीमें - महाद्वीपीय टीम के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा की अगुवाई वाली भारत ए क्रिकेट टीम को ग्रुप बी में पाकिस्तान शाहीन (पाकिस्तान ए), यूएई और ओमान के साथ रखा गया है। पिछले साल की विजेता अफ़ग़ानिस्तान, ग्रुप ए में है।

कूच बिहार ट्रॉफी के लिए राजस्थान टीम घोषित

जयपुर, 13 नवम्बर। बीसीसीआई की आगामी अंडर 19 कूचबिहारट्रॉफी (डेज) के लिए राजस्थान जूनियर चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित अंडर 19 चैलेंजर ट्रॉफी में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर राजस्थान टीम का चयन किया। राजस्थान का मुकाबला आगामी 16-19 नवम्बर को पॉण्डिचेरी टीम के विरुध्दजयपुर में होगा।

अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी (डेज) के लिए घोषित राजस्थान टीम :- कुशाग्र ओझा (कप्तान), मनय कटारिया (उपकप्तान), आदित्य सैनी, चिराग सुखवाल, गुलाब सिंह, अभिषेक मुंड, हनी प्रताप सिंह, जतिन सैनी, कविश घुणावत, केतनदेवासी नावेदखान, ओससनिक ग्रोवर, रक्षित लुनावत, सानिल दुल्लर, शिफॉन खान, शिवांग सिंह शेखावत।

विनय की घातक गेंदबाजी से तारिक एकेडमी 7 विकेट से विजयी

जयपुर, 13 नवम्बर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अण्डर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज नैना क्रिकेट एकेडमी जगतपुरा में खेले गये मुकाबले में तारिक क्रिकेट एकेडमी ने विनय शर्मा 7 ओवर 3 मेडन 12 रन 5 विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर तारिक क्रिकेट एकेडमी ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया उनका यह फैसला सही प्रतीत हुआ जब मीडियम पेसर विनय शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुये 12 रन पर 5 विकेट लेकर विपक्षी टीम की बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। तारिक क्रिकेट एकेडमी की ओर से सम्बित 15 रन पर 2 विकेट तथा गवनेश व विवेक प्रत्येक 1-1 विकेट ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुये पूरी टीम को 19.1 ओवर में मात्र 72 रन पर समेटने में महत्वपूर्ण योगदार दिया। डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की ओर से जय शर्मा 32 रन ही एक मात्र बल्लेबाज रहे जो विपक्षी गेंदबाजों का डटकर मुकाबला कर सके। जवाबी पारी में तारिक क्रिकेट एकेडमी की ओर से भव्य सैनी 38 रन नाबाद नीरज 11 रन, दक्ष 10 रन नाबाद ने मिलकर विजय लक्ष्य 73 रन 3 विकेट खोकर मात्र 12.2 ओवर में हासिल कर 7 विकेट से जीत दिला दी। डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की ओर से एक मात्र सफल गेंदबाज 12 वर्षीय सम्यक जैन 21 रन पर 3 विकेट रहे। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच विनय शर्मा तारिक क्रिकेट एकेडमी रहे।

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की शुरुआत 12 जुलाई से होगी

नई दिल्ली, 13 नवंबर। लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की बहुप्रतीक्षित वापसी 12 जुलाई से शुरू होगी, और उसी महीने की 20 और 29 तारीखें पदक मुकाबलों के लिए निर्धारित हैं। आयोजकों ने बुधवार को लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक खेलों के लिए प्रतियोगिता कार्यक्रम जारी किया। अब तक ओलंपिक में क्रिकेट की एकमात्र उपस्थिति पेरिस 1900 में हुई थी, जिसमें केवल दो टीमें - एक ठोट ब्रिटेन की और एक फ्रांस की - एक दो दिवसीय मैच में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं - जिसे अब एक अनौपचारिक टेस्ट के रूप में मान्यता प्राप्त है। ठोट ब्रिटेन ने स्वर्ण पदक जीता। लॉस एंजेलिस 2028 में, क्रिकेट पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग टी20 प्रारूप टूर्नामेंटों के साथ और भी आधुनिक रूप में वापसी करेगा - प्रत्येक टूर्नामेंट के अपने-अपने पदक होंगे - स्वर्ण, रजत और कांस्य। 14 और 21 जुलाई को लॉस एंजेलिस 28 में कोई क्रिकेट मैच निर्धारित नहीं है। ज़्यादातर मैच के दिन दो मैच होंगे, जिनमें स्थानीय लॉस एंजेलिस समय के अनुसार खेल सुबह 9:00 बजे और शाम 6:30 बजे शुरू होंगे। पदक मैचों के लिए भी यही नियम है। भारतीय मानक समय के अनुसार, पहला मैच रात 9:30 बजे से शुरू होगा जबकि दूसरा मैच अगले दिन सुबह 7:00 बजे से शुरू होगा। पुरुष और महिला दोनों ही टूर्नामेंटों में छह टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें कुल 28 मैच होंगे। प्रत्येक लिंग के लिए कुल 90 एथलीट कोटा आवंटित किए गए हैं, जिससे प्रत्येक टीम 15 सदस्यीय टीम का चयन कर सकेगी।

अंडर-23 एक दिवसीय ट्रॉफी में राजस्थान ने हरियाणा को हराया, अमोल चेलानी शतक से चूके

जयपुर, 13 नवम्बर। अहमदाबाद में खेली जा रही अंडर 23 एक दिवसीय ट्रॉफी में आज राजस्थान ने हरयाणा को 5 विकेट से हराया। राजस्थान की जीत में अमोल चेलानी 99 रन बनाते हुए मैच मेंशतक से चुके। हरयाणा पारी 306 आल आउट। टीम के लिए विवेक कुमार 119, अंश 54, ऋषभ 44, सर्वेश 39 रन।

राजस्थान के गेंदबाज गणेश सुथार 47 / 4, दीपेंद्र 51 / 3 व चेतन शर्मा 65 / 2 व मोहित चांगरा 47 / 1 विकेट। राजस्थान पारी 307 / 5, लक्ष्य को राजस्थान टीम ने अमोल चेलानी, मुकुल चौधरी के अर्धशतकों व रोहन राजभर, अनिरुद्ध सिंह की शानदार बल्लेबाजी की सहायता से 5 विकेट के नुकसान पर 307 रन बनाते हुए मैच में विकेट से जीत दर्ज की। टीम के लिए अमोल चेलानी 99, मुकुल चौधरी नाबाद 58, अनिरुद्ध सिंह चौहान 43, रोहन राजभर नाबाद 33 व करण लाम्बा 28 रन। हरयाणा के गेंदबाज प्रथम 51/2 ।

अंडर 19 वीमेन चैलेंजर ट्रॉफी

वृंदा शर्मा का शतक, तानिया शर्मा, भव्या, प्रीत, अनुष्का, धृति, प्रियांशी, अल्पना के अर्धशतक, पलक, अनुष्का की बढ़िया गेंदबाजी।

पहला मैच टीम एच - टीम ई (टीम एच जीती), टीम एच पारी 235 आल आउट। टीम के लिए वृंदा शर्मा 115, मुस्कान 31 रन। टीम ई के गेंदबाज वध्या 30/2 विकेट। टीम ई पारी 161/8, टीम के लिए संजू 26 व मानशि 24 रन। टीम एच के गेंदबाज पलक 19/4 व तम्मना 13/2 विकेट।

दूसरा मैच टीम बी - टीम सी (टीम सी जीती), टीम बी पारी 224/4, टीम के लिए गौरवी 75, भव्या नाबाद 58, अंशुका 31, अनु 24 व तानिया शर्मा 16 रन। टीम सी की गेंदबाज भूमिका, वंशिका, मीनाक्षी, हृतिका 1-1 विकेट। टीम सी पारी 226/5, टीम के लिए तानिया शर्मा नाबाद 91, हैप्पी 37, रिया 37 व अंशु 23 रन। टीम बी की गेंदबाज संजू 25/2 विकेट।

तीसरा मैच टीम ऐ - टीम डी (टीम डी जीती), टीम ऐ पारी 243 आल आउट। टीम के लिए मैना 38, कनिष्का 34 व कंचन 33 रन, टीम डी की गेंदबाज अनुष्का 28/3, प्रियंका, ऋषिता 2-2 विकेट। टीम डी पारी 247/4, टीम के लिए प्रीत नाबाद 92, अनुष्का नाबाद 50, औली श्रीमाली 39 रन टीम ऐ की गेंदबाज सरोज, प्रिया 1 - 1 विकेट।

चौथा मैच टीम एफ - टीम जी (टीम एफ जीती), टीम एफ पारी 187/6, टीम के लिए धृति माथुर 69, प्रियांशी 64 रन। टीम जी की गेंदबाज अल्पना, दिव्यांशी, शिवानी, निकिता, प्रिया प्रत्येक 1-1 विकेट। टीम जी पारी 114/9, टीम के लिए अल्पनां 56 रन, टीम एफ की गेंदबाज रुतबा 14 / 2 व तनुश्री 20 / 2 विकेट।

ब्रदर्स ने फुटसल को 12-0 से हराया

जयपुर, 13 नवम्बर। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में गाड़ौता स्थित फुटबॉल क्लब ब्रदर्स यूनाइटेड के फुटबॉल मैदान पर जारी अंडर - 17 बॉयज राजस्थान लीग 2025 - 26 के दूसरे दिन तीन मैच खेले गए, संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि पहला मुकाबला स्टेट फुटबॉल एकेडमी जोधपुर और राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के मध्य खेला गया जिसमें राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला 3 - 0 से अपने नाम किया, विजेता टीम की तरफ से शुभ, चुंग और ककचिंगदबाम ने एक - एक गोल किया, दूसरा मैच रिहान फुटबॉल एकेडमी और जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब के मध्य खेला गया इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में जयपुर एलीट ने मानव के अंतिम क्षण में किए गोल से मुकाबला 2 - 1 से जीत लिया, एलीट की तरफ से जतिन और मानव ने एक - एक गोल तथा रिहान की तरफ से अंकुर ने एकमात्र गोल किया।

आईपीएल 2026 में वॉटसन होंगे केकेआर के सहायक कोच

कोलकाता, 13 नवंबर। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन को टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। 59 टेस्ट, 190 एकदिवसीय और 58 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेल चुके क्वींसलैंड के शेन वॉटसन, अभिषेक नायर के साथ काम करेंगे।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली में ऊर्जा, जल परियोजनाओं व स्किल डवलपमैंट पर चर्चा की

वे ऊर्जा मंत्री खट्टर, जल शक्ति मंत्री पाटिल व कौशल विकास मंत्री जयंत चौधरी से मिले

नई दिल्ली/जयपुर, 13 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल एवं केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात की। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास को नए आयाम देने की दिशा में शहरी विकास, ऊर्जा, जल परियोजनाओं एवं कौशल विकास से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में राजस्थान में सौर ऊर्जा के बारे में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सौर ऊर्जा व विद्युत निकासी सुदृढ़ीकरण, फिरोजपुर फीडर रीलाइनिंग व रामजल सेतु की प्रगति से केन्द्रीय मंत्रियों को अवगत कराया।**

मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से भेंट के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बैठक की। बैठक में राजस्थान में भारत के सौर ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने की अपार संभावनाओं को देखते हुए विद्युत निकासी के सुदृढ़ीकरण को लेकर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से मुलाकात के दौरान प्रदेश में जल आपूर्ति, जल संचयन सहित, जल परियोजनाओं पर वार्ता की। दोनों के मध्य फिरोजपुर फीडर रिलाइनिंग एवं रामजल सेतु लिंक परियोजना की प्रगति को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान प्रदेश में चल रहे "कर्मभूमि से मातृभूमि" अभियान की सफलता की सराहना की गई।

इसके बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी से भी मुलाकात की। शर्मा एवं चौधरी के बीच केन्द्र सरकार के सहयोग से राजस्थान को स्किल डवलपमेंट हब बनाने से जुड़े रोडमैप पर चर्चा की गई।

'अगर सरकार नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

माँग हुई तो भाजपा नीतीश कुमार को एक और कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बनाने के पूरे विरोध में शायद नहीं होगी।

एक प्रश्न के उत्तर में, वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि मुख्यमंत्री पद को लेकर फैसला नतीजों के बाद ही लिया जाएगा। लेकिन पार्टी खेमे में बढ़ती चिंता अब स्पष्ट दिख रही है। आंतरिक आकलनों के मुताबिक, भाजपा के कई मौजूदा मंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में कड़े मुकाबले का सामना कर रहे हैं। अगर भाजपा की सीटों की संख्या 2020 के मुकाबले घटती हैं, तो मुख्यमंत्री पद पर उसका दावा कमजोर हो जाएगा और उसे चुनाव बाद नए समीकरणों पर विचार करना पड़ सकता है। पार्टी के एक अंदरूनी सूत्र ने स्वीकार किया, "अगर संख्या नहीं बढ़ी, तो केन्द्रीय नेतृत्व के लिए भाजपा के मुख्यमंत्री पर अड़े रहना मुश्किल होगा।"

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती है और कांग्रेस की सीटें बढ़ती हैं, तो स्थिति तेजस्वी यादव के पक्ष में जा सकती है। सूत्र बताते हैं कि आरजेडी ने पहले से ही एक आक्रामक रणनीति तैयार कर ली है, ताकि नतीजों के बाद भाजपा के किसी भी राजनीतिक कदम का तुरंत जवाब दिया जा सके और जल्दी से बहुमत हासिल किया जा सके।

बिहार में शुक्रवार को वोटों की गिनती से पहले भाजपा एक पारंपरिक राजनीतिक दुविधा में फंसी दिख रही है - क्या वह अपनी "अकेले चलने" की महत्वाकांक्षा पर कायम रहे या व्यावहारिक होकर एक बार फिर नीतीश कुमार को गले लगाये, ताकि राज्य की जटिल सत्ता संरचना में अपनी पकड़ बनाए रख सके।

सख्त सुरक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरजेडी और कांग्रेस शामिल हैं और जिसका नेतृत्व तेजस्वी यादव कर रहे हैं, को अप्रत्याशित जीत मिलेगी।

चुनाव आयोग (इलैक्शन कमीशन-ईसी) ने बताया है कि मतगणना 38 जिलों के 46 केन्द्रों पर होगी। कुल 7.4 करोड़ पात्र मतदाता 2,600 से अधिक उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे।

चुनाव आयोग ने बताया, 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में हुए मतदान में करीब 67 प्रतिशत लोगों ने हिस्सा लिया, जो स्वतंत्र भारत में 1951 से अब तक बिहार में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है।

नतीजों से पहले के दिनों में सुरक्षा व्यवस्था बहुत कड़ी कर दी गई है, क्योंकि आरजेडी ने चुनाव आयोग और राज्य प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव, 2025 के नतीजों से एक दिन पूर्व, गुरुवार को पटना के एएन कॉलेज, जो मतगणना केन्द्र है, के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई।

ईसी अधिकारियों के अनुसार, मतदान मशीनें स्ट्रॉन्ग रुम्स में "डबल लॉक सिस्टम" से सील की गई हैं। इन परिसरों की सुरक्षा व्यवस्था द्वि-स्तरीय रखी गई है- भीतरी घेरे की जिम्मेदारी केन्द्रीय अर्धसैनिक बलों को सौंपी गई है, जबकि बाहरी सुरक्षा राज्य पुलिस कर रही है। सभी जगह सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

पारदर्शिता बनाए रखने के लिए, खासकर इस स्थिति में, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहा है, पूरी मतगणना प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। यह कार्य केन्द्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त प्रतिनिधियों की मौजूदगी में होगा।

नई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में छूट दी जाए या नहीं। इसके बावजूद, एकलपीठ ने सरकार के राजनीतिक दबाव में होने, जातीय लॉबी समूह के वोटों के दबाव और कई इंटरनेशनल मीडिया की रिपोर्टिंग में युवाओं के भविष्य को लेकर चिंता जताने की बात कही। जबकि याचिका में किसी भी पक्ष की ओर से इस संबंध में कोई बहस नहीं की गई थी और न ही याचिका में इस तरह की कोई प्रार्थना की गई थी। इसके बावजूद एकलपीठ ने इस तरह की गंभीर टिप्पणियां कर दीं।

बांग्लादेश सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलकर "जुलाई चार्टर" नामक दस्तावेज़ तैयार किया, जिसमें बांग्लादेश के पुनर्निर्माण और राज्य संस्थाओं के सुधार का खाका प्रस्तुत किया गया।

इस चार्टर में मांग की गई कि छात्र आंदोलन और सरकार के निष्कासन को संवैधानिक रूप से मान्यता दी जाए और नए संविधान में "संतुलन और नियंत्रण" के सिद्धांतों को शामिल किया जाए। इसमें कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के अधिकारों की सीमाएँ स्पष्ट रूप से तय करने की बात भी कही गई। इसके अलावा, छात्रों ने यह भी मांग की थी कि बांग्लादेश को बहु-जातीय, बहु-धार्मिक और बहुभाषी राष्ट्र के रूप में पुनर्गठित किया जाए। उनका कहना था कि जब तक इस चार्टर को स्वीकृति नहीं मिलती, तब तक नया चुनाव वैध नहीं ठहराया जा सकता। इसीलिए, राष्ट्रीय चार्टर पर जनमत संग्रह और संसदीय चुनाव दोनों एक ही दिन कराए जाने का प्रस्ताव है। चुनाव के बाद बनने वाली नई सरकार को इस चार्टर को अपनी नीतियों की आधारशिला बनाना होगा।

वर्तमान सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने वादा किया है कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होंगे। हालांकि अभी तक कोई ऐसा संकेत नहीं मिला है कि प्रमुख राजनीतिक दल अवामी लीग को प्रतिबंधित दलों की सूची से हटाया जाएगा या नहीं।

भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ठिकानों में शुमार न्योमा एयर बेस करीब 13 हजार 500 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इस बेस से चीन की सीमा केवल 23 किलोमीटर दूर है। थॉयस, करगिल और लेह के बाद लद्दाख में यह वायु सेना का चौथा बेस है।

तेज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर लगने से गौरीशंकर उछलकर दूर जा गिरा। वहीं सोनू, बाइक सहित डंपर के नीचे घसीटता हुआ चला गया, जिसके बाद सोनू ने घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया।

मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुड़ा आठवां गिरफ्तार व्यक्ति 40 वर्षीय डॉ. शाहीन सईद है, जो फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी में अध्यापन कर रही थी। उन्होंने एक सरकारी सूत्र के हवाले से बताया कि शाहीन की कार से एक असॉल्ट राइफल बरामद की गई और यह भी दावा किया गया कि "उसे पता था कि उसकी कार से विस्फोटक सामग्री ले जाई जा रही थी।" आरोप है कि वह कश्मीर घाटी के बाहर आतंकी संगठन के लिए एक नया ठिकाना (बेस) तैयार करने के प्रयास का हिस्सा थी।

छः दिसम्बर को पूरे देश में 32 कारों से सीरियल ब्लास्ट की साजिश थी

- **लाल किले के पास हुए कार विस्फोट की जांच में हो रहे हैं सनसनीखेज खुलासे**
- **सीरियल ब्लास्ट के लिये ब्रैत्ज़ा, स्विफ्ट डिज़ायर और आई-20 जैसी 32 गाड़ियां जुटाई गई थीं, श्रीनगर का रहने वाला एक और संदिग्ध डॉ. निसार भी फरार है।**

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार धमाके की जांच में लगातार रोंगटे खड़े करने वाले खुलासे हो रहे है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह धमाका एक बड़ी और खतरनाक साजिश का छोटा सा हिस्सा था। आतंकियों का मकसद बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी, यानी 6 दिसंबर को, दिल्ली सहित देशभर में 32 कारों में बम लगाकर सीरियल ब्लास्ट करना था। वे बाबरी का बदला लेना चाहते थे। इस धमाके में अब तक 13 लोगों की जान जा चुकी है। इस सीरियल रिवेंज अटैक के लिए ब्रैत्ज़ा, स्विफ्ट डिज़ायर और आई20 जैसी 32 गाड़ियां जुटाई गई थीं। 10 नवंबर को आई20 कार में हुआ धमाका इसी का हिस्सा था। जांच एजेंसियों को अब तक चार कारें मिल चुकी हैं। केंद्र सरकार ने भी इस ब्लास्ट को आतंकी हमला मान लिया है। इस बीच, हरियाणा के खंदावली गांव में एक और लावारिस गाड़ी मिलने से हड़कंप मच गया है, जिसकी जांच एनएसजी की टीम कर रही है। इस पूरे मॉड्यूल का केंद्र फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी बन गई थी। यहीं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मुजम्मिल गनी ने किराए के कमरे को विस्फोटक जमा करने का अड्डा बनाया था।

पुणे में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गई और आग लगने के कुछ सेकेंड में ही लपटों में घिर गई। ट्रक में आग लगने से इसका ड्राइवर बाहर नहीं निकल सका। लिहाजा उसकी भी जलकर मौत हो गई। पीछे एक यात्री वाहन था, वह भी आग की चपेट में आ गया। उसमें 17-18 लोग सवार थे। सभी घायल हुए हैं। इसके अलावा कुछ कारें और अन्य वाहन भी आपस में टकरा गए।

पंजाब में आईएसआई के आतंकी मॉड्यूल का खुलासा, 10 गिरफ्तार

चंडीगढ़, 13 नवम्बर। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा समर्थित हमले के एक नेटवर्क का बृहस्पतिवार को पर्दाफाश कर इस सिलसिले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया। राज्य के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी पंजाब में अशांति पैदा करने के लिए ग्रेनेड हमला करने हेतु पाकिस्तान स्थित आकाओं के संपर्क में थे। गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों में से तीन की पहचान कुलदीप सिंह, शेखर सिंह और अजय सिंह उर्फ अजय के रूप में हुई है और वे सभी मुक्तसर साहिब के निवासी हैं।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908